बॉबमैत्री Bobmaitri

जुलाई - सितंबर • July - September 2019

गृह पत्रिका House Journal

कार्पोरेट एल्बम
Corporate Album

Bank enters into MoU with Pine Labs

Our Bank entered into MoU with Pine Labs, India's leading merchant platform, to commemorate the beginning of business partnership on bank's 112th Foundation Day. The objective of this collaboration is to provide the affordable solution to debit card holders of BoB by way of POS based EMI solutions as well as to the merchant segment by way of Fintech lending solutions based on POS linked digital transactions. The MoU was signed by our MD&CEO Shri P S Jayakumar and Shri Vicky Bindra, CEO, Pine Labs Pvt Ltd in the presence of other officials.

राष्ट्रीयकृत बैंकों की श्रेणी में बैंक को मिला सर्वोच्च राजभाषा पुरस्कार

बैंक ऑफ़ बड़ौदा को राष्ट्रीयकृत बैंकों की श्रेणी में वर्ष 2018–19 में 'ख' भाषिक वर्ग में राजभाषा कार्यान्वयन में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु भारत सरकार की राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ. यह पुरस्कार दिनांक 14.09.2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में हमारे कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से गृह राज्यमंत्री द्वय श्री नित्यानंद राय और श्री जी. कृष्ण रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति में प्राप्त किया.

बैंक द्वारा एग्री डिजिटल प्लेटफार्म 'बड़ौदा किसान' का शुभारंभ

कृषकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक अग्रणी पहल के रूप में बैंक के एग्री डिजिटल प्लेटफार्म 'बड़ौदा किसान ऐप' का शुभारंभ हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार द्वारा दिनांक 21.09.2019 को बारडोली, सूरत में किया गया. बड़ौदा किसान प्लेटफॉर्म वेब आधारित पोर्टल है जिसे मोबाइल से भी एक्सेस किया जा सकता है. इस अवसर पर हमारे कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, महाप्रबंधक – सीसी श्री बी आर पटेल एवं श्री रोहित पटेल, श्री के वी तुलसीबागवाले तथा बड़ौदा अंचल के अंचल प्रमुख श्री प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य उच्च अधिकारी व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे.

शांति लाल जैन / Shanti Lal Jain
कार्यपालक निदेशक का संदेश / Executive Director's Message

प्रिय बड़ौदियनो,

"बॉबमैत्री" के इस अंक के माध्यम से आप सभी से जुड़ने और अपने विचार साझा करने पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है.

सर्वप्रथम, मैं सितंबर 2019 को समाप्त तिमाही के परिणाम आपके साथ साझा करना चाहूंगा. 30 सितंबर, 2019 को बैंक का कुल व्यवसाय रु. **15,31,470** करोड़ रहा जिसमें 30 सितंबर, 2018 के रु. **14,94,695** करोड़ से केवल 2.5% की वृद्धि हुई है. 30 सितंबर, 2019 को घरेलू जमाराशि **4.0%** बढ़कर रु. **7,83,492** करोड़ रही जो कि 30 सितंबर, 2018 को रु. **7,53,046** करोड़ थी. हमने उच्च लागत वाली बल्क जमाराशियों को कम करने के लिए एक सोची–समझी रणनीति अपनाई है और कासा एवं रिटेल मीयादी जमाराशियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप हमारी घरेलू कासा जमाराशियों में वर्ष–दर–वर्ष **7.5%** की वृद्धि हुई है. 30 सितंबर, 2019 को कुल घरेलू जमाराशियों में कासा जमाराशि **37.9%** रही. हमें अपने कासा को बढ़ाना होगा क्योंकि हमारे समकक्ष बैंकों की तुलना में हमारा कासा प्रतिशत बहुत कम है.

दूसरी तरफ, हमारे घरेलू अग्रिमों में केवल **2.0%** की वृद्धि हुई है जो रु. **5,22,949** करोड़ से बढ़कर 30 सितंबर, 2019 को रु. **5,33,174** करोड़ हो गए हैं. यह बैंकिंग उद्योग की औसत वृद्धि 8.8% से काफी कम है. अतः अग्रिमों में बैंक की बाजार हिस्सेदारी मार्च, 2019 के 6.04% से घटकर सितंबर 2019 में 5.88% रह गई है. जहां रिटेल अग्रिमों में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 16% की वृद्धि हुई है वहीं अन्य सेगमेंटों का कार्यनिष्पादन अच्छा नहीं रहा है. हम सभी को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने, विशेष रूप से एमएसएमई और कृषि क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. इन क्षेत्रों में ऋण विस्तार से बैंक की आर्थिक स्थिति को सुधारने में भी मदद मिलेगी.

बैंकिंग और ऋण तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने नए विचार और सुझाव मांगने के लिए परामर्शी कार्यशाला आयोजित करायी हैं. ये कार्यशाला बैंक स्तर पर और उसके बाद एसएलबीसी स्तर पर आयोजित की गई जिनमें फील्ड स्तर पर प्राप्त विचारों और सुझावों पर बारीकी से चर्चा की गई. हम सभी ने इनमें भाग लिया, इन सुझावों में ज्यादातर सुझाव व्यावहारिक हैं जो फील्ड एवं कॉर्पोरेट दोनों स्तरों पर लागू किए जाने हैं.

दूसरी तिमाही बैंक के 112वें स्थापना दिवस के आयोजन के साथ गतिविधिपूर्ण रही. क्षेत्र, अंचल और कॉर्पोरेट स्तर पर विभिन्न व्यवसाय विकास गतिविधियों का आयोजन किया गया. बैंक ने विभिन्न प्रक्रियाओं को बैक ऑफिस, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में केंद्रीकृत करने की दिशा में और प्रगति की है. बैंक ने प्रमुख एनबीएफसी/एचएफसी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कर अपने कार्यों को नया आयाम दिया है.

बैंक ने खुदरा और एमएसई ग्राहकों के लिए पहली बार बाह्य बेंचमार्क आधारित ऋण उत्पाद की शुरूआत की है. बाह्य बेंचमार्क के रूप में बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक की रेपो दर को चुना है. साथ ही, दिनांक 01.10.2019 से सभी रिटेल ऋण उत्पादों को बड़ौदा रेपो लिंक उधार दर (बीआरएलएलआर) नामक बाह्य बेंचमार्क ब्याज दर से लिंक किया गया है. इसके अलावा आवास ऋण और वैयक्तिक ऋण के लिए पीएसबी59 पोर्टल को भी लाइव किया गया है.

बैंक ने किसानों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक उन्नत कृषि डिजिटल प्लेटफॉर्म – "बड़ौदा किसान" का शुभारंभ किया है. यह एक वेब–आधारित पोर्टल है जिसे मोबाइल पर आसानी से एक्सेस किया जा सकता है. यह मोबाइल प्लेटफॉर्म लैंडिंग पेज के रूप में एम कनेक्ट प्लस मोबाइल एप्लिकेशन की मौजूदा सुविधा का उपयोग करेगा. यह प्लेटफॉर्म गुजरात राज्य में आरंभ किया गया है और चरणबद्ध तरीके से इसे अन्य राज्यों में भी शुरू किया जाएगा.

बैंक के समक्ष विद्यमान चुनौतियों में स्लिपेज को कम करना एवं वसूली को बढ़ाना भी शामिल है. स्लिपेज अनुपात जून, 2019 तिमाही के 3.56% की तुलना में बढ़कर सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 3.95% हो गया है. वसूली और अपग्रेडेशन के कारण एनपीए में कमी आयी है जिसका स्तर जून, 2019 में रु. 2,228 करोड़ से बढ़कर सितंबर, 2019 में रु. 3,649 करोड़ रहा है. टीडब्ल्यूओ खातों में वसूली भी जून, 2019 के रु. 203 करोड़ से बढ़कर सितंबर, 2019 में रु. 465 करोड़ रही है.

हमें अपने कासा को बढ़ाने और नए स्लिपेज को रोकने के साथ–साथ अपने वसूली के प्रयासों में तेजी लानी होगी. हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हम नियमों से आबद्ध रहते हुए अधिक से अधिक एमएसएमई खातों को पुनर्संरचित करें.

अंत में, मैं निर्धारित समयसीमा के भीतर समामेलन गतिविधियों को पूरा करने के लिए चल रही एकीकरण प्रक्रिया में आपकी सहयोगपूर्ण भावना के लिए आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं.

आपके प्रयासों में सफलता के लिए आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.

शांति लाल जैन

Dear Barodians,

I am happy to connect with you all and share my thoughts through this issue of "BOBMAITRI".

I will begin with the results for the quarter ending September 2019. Total Business of the Bank stood at INR **15,31,470** crore as on September 30, 2019 which is up by only 2.5% from INR **14,94,695** crore as on September 30, 2018. Domestic Deposits stood at INR **7,83,492** crore as on September 30, 2019 up by **4.0%** from INR **7,53,046** crore as on September 30, 2018. We have been following a conscious strategy of reducing high cost bulk deposits and concentrating on CASA and retail term deposits. As a result, domestic CASA deposits registered a growth of **7.5%** Y-o-Y. Share of CASA deposits to total domestic deposits stood at **37.9 %** as on September 30, 2019. We need to increase CASA as our CASA percentage is much lower than our peers.

On the other hand, domestic advances grew by only **2.0%** to INR **5,33,174** crore as on September 30, 2019 from INR **5,22,949** crore. This is far lower than the average industry growth of 8.8%. Hence, market share of the Bank in advances has declined to 5.88% in September, 2019 from 6.04% in March, 2019. While retail advances increased by 16% on Y-o-Y basis, other segments have underperformed. Each one of us should concentrate on achieving our targets, particularly in MSME and agriculture sector. Access to credit in these segments will go a long way in improving the state of the economy.

In order to push access to banking and credit, the Government of India launched Consultative Workshops for generation of new ideas and suggestions. Workshops were held within the bank and then at the SLBC level where ideas and suggestions generated at the field level were discussed threadbare. All of us participated in the same, many of these suggestions are practical and to be implemented both at field level and corporate level.

The second quarter was eventful as the Bank celebrated its 112th foundation day. Several business development activities were organized at Regional, Zonal and Corporate level. The Bank also made further progress on centralizing processes at Back Office, Gift City Gandhinagar. Bank also carried forward the journey on co-origination by signing MOUs with leading NBFCs/ HFCs.

The Bank introduced an external benchmark linked loan product for retail and MSE customers for the first time. The Bank has chosen RBI's Repo rate as the external benchmark. Going forward, all the Retail Loan products have been linked with external benchmark rate of interest called as Baroda Repo Linked Lending Rates (BRLLR) w.e.f. 01.10.2019. Apart from this, PSB59 portal has also been made live for Home Loans and Personal Loans.

Bank launched a powerful Agri Digital Platform - "Baroda Kisan", to fulfill various needs of farmers. It is a web-based portal which can be easily accessed on mobiles. The mobile platform will use the existing feature of M Connect Plus mobile application as a landing page. This platform has been started in Gujarat and will be rolled over to other states in a phased manner.

One of the challenges faced by the bank is reducing the slippages and increasing the recoveries. The slippage ratio remained elevated at 3.95% for the quarter ending September, 2019 compared with 3.56% for the quarter ending June, 2019. Reductions from NPAs in the form of recovery and upgrades have increased to INR 3,649 crore in September 2019 from INR 2,228 crore in June 2019. Even recovery from TWO accounts has increased to INR 465 crore in September, 2019 from INR 203 crore in June, 2019.

We need to increase CASA and contain fresh slippages and increase our recovery efforts further. We also need to make sure that we restructure as many MSME accounts under dispensation available from the regulator.

Finally, I compliment you all for collaborative spirit displayed during the ongoing integration process leading to completion of amalgamation activities within the set timelines.

Wishing you all the very best in your efforts.

Shanti Lal Jain

संपादक मंडल Editorial Board

कार्यकारी संपादक/Executive Editor
रोशन शर्मा Roshan Sharma

विषय–वस्तु प्रबंधन टीम
Content Management Team
ओ. के. कौल O. K. Kaul
संजय कुमार Sanjay Kumar
राधाकांत माथुर Radhakant Mathur
के. बी. गुप्ता K. B. Gupta
के. जी. गोयल K. G. Goyal
समीर नारंग Sameer Narang
शैलेन्द्र सिंह Shailendra Singh

संपादक/Editor
पुनीत कुमार मिश्र Punit Kumar Mishra

सहायक संपादक/Assistant Editor
महीपाल चौहान Mahipal Chauhan

सहयोग/Associate
बिक्रम सिंह Bikram Singh

अंचल संवाददाता–Zonal Correspondents

नई दिल्ली	New Delhi	मोनिका सिंह
मुंबई	Mumbai	रेश्मा जलगांवकर
अहमदाबाद	Ahmedabad	वंदना जैन
बड़ौदा	Baroda	अमर साव
जयपुर	Jaipur	प्रीति राउत
लखनऊ	Lucknow	दिनेश मित्तल
कोलकाता	Kolkata	डॉ कियाम बेमबेम देवी
पटना	Patna	चंदन वर्मा
भोपाल	Bhopal	सोमेन्द्र यादव
चेन्नै	Chennai	गौरी वी एम
बेंगलुरू	Bengaluru	सुमि पी यू
पुणे	Pune	अनुमिता सिंह
मेरठ	Meerut	अमित चौधरी
चंड़ीगढ़	Chandigarh	स्वाती ठाकुर
राजकोट	Rajkot	चन्द्रवीर सिंह राठौड़
मेंगलुरु	Mangaluru	राजेश्वरी पी
हैदराबाद	Hyderabad	जगदीश प्रसाद

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए **पुनीत कुमार मिश्र, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा)** द्वारा प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन, आर सी दत्त रोड, अलकापुरी, बड़ौदा – 390007 से संपादित एवं प्रकाशित.

फोन नं. – 0265 2316581, ई-मेल : bobmaitri.bcc@gmail.com

Edited and published by **Punit Kumar Mishra, Assistant General Manager (Official Language)** for Bank of Baroda at Head Office, Baroda Bhavan, R C Dutt Road, Alkapuri, Baroda – 390007. Phone No. – 0265 2316581, E-mail : bobmaitri.bcc@gmail.com

इस अंक में Contents

जुलाई - सितंबर • July - September 2019

03	कार्यपालक निदेशक का संदेश
05	कार्यकारी संपादक की कलम से
06	Green Bonds –A Step Towards Green Planet
10	Bank Celebrates 112th Foundation Day
12	विशेष साक्षात्कार – श्रीमती पापिया सेनगुप्ता, पूर्व कार्यपालक निदेशक
20	क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको का विलय आवश्यक है?
22	साक्षात्कार – श्री नागेश श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)
23	The 'D' Factor
30	पर्यावरण संरक्षण में यज्ञ की भूमिका
31	अनुशासनात्मक कार्यवाही–प्रक्रिया एवं सक्षम प्राधिकारी
34	साक्षात्कार – श्री राजेन्द्र कुमार, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)
42	खुदरा ऋण में धोखाधड़ी रोकने के उपाय
43	Protect your money from yourself!
44	साक्षात्कार–श्री राजेश कुमार, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)
48	कैपिटल गेन्स खाता योजना
50	साक्षात्कार – श्री राकेश कुमार भाटिया, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)
55	क्या प्रकृति की कीमत पर विकास संभव है?
57	प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना
58	Emergence and future of Robo advisory in Indian Wealth Management Industry
61	फिनटेक – उद्भव एवं चुनौतियां
62	साक्षात्कार– श्री पी एन मेहरोत्रा, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)
65	पदोन्नतियां

बॉबमैत्री, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सभी कर्मचारियों में निःशुल्क वितरण के लिये जारी की जाती है. इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है.

BOBMAITRI is issued for free distribution to all employees of Bank of Baroda. The views expressed in it do not necessarily represent those of the Bank.

रूपांकन एवं मुद्रण : सॅप प्रिंट सोल्युशन्स प्रा. लि., 28, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस.एन. पथ, लोअर परेल (प), मुंबई – 400 013, महाराष्ट्र, भारत.

Designed & printed at **SAP Print Solutions Pvt. Ltd.,** 28, Lakshmi Industrial Estate, S. N. Path, Lower Parel (W), Mumbai-400 013. Maharashtra, India.

कार्यकारी संपादक की कलम से/The Executive Editor Speaks

रोशन शर्मा, कार्यकारी संपादक । **Roshan Sharma,** Executive Editor

प्रिय पाठको,

बैंक की गृह पत्रिका बॉबमैत्री के कार्यकारी संपादक के रूप में आपसे संवाद करते हुए और पत्रिका का नवीनतम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. यह तिमाही बैंक के 112वें स्थापना दिवस और हिन्दी दिवस कार्यक्रमों के साथ विशेष गतिविधियों से परिपूर्ण रही है. यह तिमाही हमारे लिए इसलिए भी सुखद रही कि हमारे बैंक को राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु भारत सरकार की ओर से "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" योजना के अंतर्गत लगातार तीसरी बार प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ.

हमारा बैंक अपने मजबूत परिचालनगत नेटवर्क और समर्पित कार्यबल की सहायता से व्यवसाय विकास के हर मोर्चे पर तेजी से अग्रसर है. बैंक की रूपांतरण यात्रा निरंतर जारी है और समामेलन के बाद समेकित इकाई के समग्र परिचालन में उत्पादों और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा रहा है. हमारा शीर्ष प्रबंधन आस्ति गुणवत्ता और कासा में वृद्धि करने के साथ-साथ एनपीए वसूली पर विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित कर रहा है. उत्पादों और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के साथ हम निरंतर ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने की दिशा में प्रयासरत हैं. अत: हम सभी का यह कर्तव्य है कि बैंकिंग उद्योग में अग्रणी बने रहने की बैंक की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता और समर्थन प्रदान करें.

बॉबमैत्री के इस अंक में हमने पूरे देश में आयोजित स्थापना दिवस तथा हिन्दी दिवस समारोह की झलकियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया है. तिमाही के दौरान बैंक द्वारा किए गए विभिन्न टाई-अप के साथ-साथ बैंक के तिमाही परिणामों के प्रमुख अंश भी इस अंक में प्रकाशित किए हैं. हमने इस अंक में श्रीमती रचना मिश्रा का आलेख 'Green Bonds – A Step Towards Green Planet' प्रकाशित किया है जो पाठकों को इस उत्पाद के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा. इसके अलावा इस अंक में प्रकाशित डॉ. एस के अवस्थी का आलेख **'अनुशासनात्मक कार्यवाही-प्रक्रिया एवं सक्षम प्राधिकारी'** सभी स्टाफ सदस्यों के लिए इस महत्त्वपूर्ण विषय को समझने में उपयोगी होगा और उन्हें अनुशासनात्मक कार्यवाही की विभिन्न प्रक्रियाओं से अवगत कराएगा. श्री दीपक कुमार का आलेख **'कैपिटल गेन खाता'** इस उत्पाद की विशेषताओं को समझने में सहायक होगा. हमने इस अंक में सुश्री रीमा मुखोपाध्याय के आलेख 'The D- factor' को भी शामिल किया है जो पाठकों को तनावमुक्त रहने में मदद करेगा. विशेष रूप से हमारे युवा बड़ौदियनो के लाभार्थ हमारी सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्रीमती पापिया सेनगुप्ता और महाप्रबंधकों के साक्षात्कार भी प्रकाशित किए गए हैं जिन्होंने बैंक की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है.

नियमित कॉलमों के अंतर्गत विभिन्न रिपोर्ट, समाचार, कार्यक्रम, सम्मान एवं पुरस्कार आदि प्रकाशित किए गए हैं. मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपको इस अंक को पढ़कर आनंद आएगा जिसे संपूर्ण बनाने हेतु पूरा प्रयास किया गया है. आपके सुझाव एवं अभिमत इस पत्रिका की गुणवत्ता में सुधार लाने में सदैव सहायक होंगे. कृपया प्रत्येक अंक की विषय-वस्तु को रोचक और गुणवत्तापरक बनाए रखने के लिए नियमित आधार पर अपनी रचनाएं भेजकर पत्रिका में अपना योगदान देते रहें.

आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:

हमें सब ओर से कल्याणकारी विचार प्राप्त हों.

शुभकामनाओं सहित,

रोशन शर्मा

Dear Readers,

I am happy to interact with you as Executive Editor of Bank's House Journal 'Bobmaitri' and present you the latest issue of the magazine. Apart from programmes conducted on Bank's 112th Foundation Day and Hindi Day across the Bank, the quarter was full of diversified activities. This quarter was also momentous for the reason as our Bank received the first prize for the third consecutive year under the "Rajbhasha Kirti Puraskar" scheme of Govt. of India for outstanding performance in the area of Official Language Implementation.

With a robust operational network and dedicated workforce, our Bank is steadily moving towards business development under all segments. The Bank's transformation journey continues unabated and all products and processes of amalgamated entity are being streamlined. Along with a significant thrust on NPA recovery, our top management has always been focusing on asset quality and to increase Bank's CASA. While improving digital access of its products and processes, the bank is constantly working towards providing excellent services to its customers. Hence, it is the duty of each one of us to provide full support and commitment to fulfill the aspirations of the Bank to remain always on the forefront in the industry.

In this issue of BOBMAITRI, we have prominently published the highlights of Foundation Day and Hindi Day celebrations organized across the Bank. Information about various tie-ups made by the Bank during the quarter and highlights of Bank's quarterly results have also been published in this issue. An article of Smt. Rachna Mishra **'Green Bonds - A Step towards Green Planet'** has been published which will provide detailed information about this product to our readers. Additionally, article of Dr. S K Awasthi **'अनुशासनात्मक कार्यवाही-प्रक्रिया एवं सक्षम प्राधिकारी'** published in this issue will also be useful for our staff members to understand this sensitive topic and will make them aware about various processes of disciplinary proceedings. Further, Shri Deepak Kumar's article **'कैपिटल गेन खाता'** will also be helpful to understand the salient features of this product. Article of Ms. Reema Mukhopadhyay **'The D-Factor'** has been included in this issue which will help the readers to remain stress free. The interview of our retired Executive Director Smt. Papia Sengupta and General Managers, who have made invaluable contribution in the growth of the Bank, have been published for the benefit of our young Barodians.

Various reports, news, programmes, awards and accolades etc. have been published under regular columns. I am sure, you will enjoy reading this issue which has been prepared with utmost care. Your feedback and suggestions are always helpful in improving the quality of this magazine. Please keep on contributing your creativities so as to make each issue more interesting in terms of content and quality.

आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:

Let noble thoughts come to us from every side.

With seasons' greetings,

Roshan Sharma

Green Bonds -A Step Towards Green Planet

Green Bond's An Introduction

A green bond is a bond specifically earmarked to be used for climate and environmental projects. These bonds are typically asset-linked and backed by the issuer's balance sheet, and are also referred to as climate bonds.

Green bonds are issued in order to raise finance for climate change solutions. The key is that the proceeds go to green assets. They can be issued by central and local government, banks or corporations. The green bond label can be applied to any debt format, including private placement, securitisation, covered bond, and sukuk(Islamic financial certificate), as well as labelled green loans which comply with the Green Bond Principles (GBP) or the Green Loan Principles (GLP).

Green bonds are designated bonds intended to encourage sustainability and to support climate-related or other types of special environmental projects. More specifically, green bonds finance projects aimed at energy efficiency, pollution prevention, sustainable agriculture, fishery and forestry, the protection of aquatic and terrestrial ecosystems, clean transportation, sustainable water management and the cultivation of environmental friendly technologies.

Green bonds come with tax incentives such as tax exemption and tax credits, making them a more attractive investment compared to a comparable taxable bond. This provides a monetary incentive to tackle prominent social issues such as climate change and a movement to renewable sources of energy. To qualify for green bond status, they are often verified by a third party such as the Climate Bond Standard Board, which certifies that the bond will fund projects that include benefits to the environment.

So if summarized, Green bonds' are the fixed income financial instruments that are linked to promoting and implementing climate change and environment solutions. With this instrument, the issuer of the green bond gets the capital to finance green projects while the investors receive fixed income in the form of interest. When the bond matures, the principal is repaid. In a way, green bonds are the same as any corporate bonds, in fact they are a subset of corporate bonds, where the use of proceeds are pre-allocated to a green activity.

Rationale for Green Bonds

Given the overall nature of green technologies that have and are likely to enter the market, fixed income bonds are particularly well suited to finance them because,

(1) These technologies are largely capital intensive fixed investments in nature.

(2) The technologies generally tend to have low variable cost in the project lifetime.

(3) They generate steady paybacks and low-risk revenue streams over long periods of time once the investments are up and running.

Figure 1: Breakdown of Bank Green Bond issuance by Region

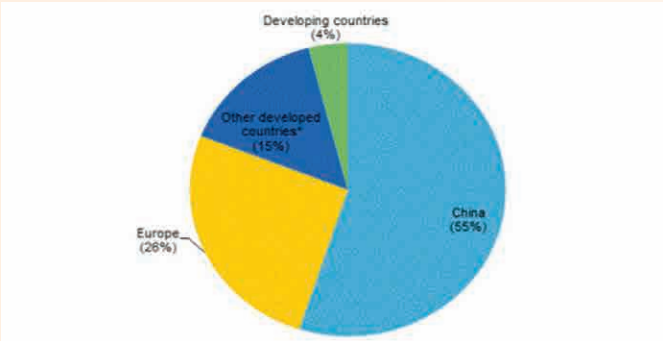

Source: S&P Global

Green Bonds as an International Resource

Long-term investment is a fundamental requirement in greening infrastructure. Bonds as a financial instrument are particularly well suited to access this financing as they match the scale, long tenor and low risk requirements of these institutional investors.

Bonds also represent a large share of global financial flows with around US$100 trillion outstanding globally. The majority of these (around 75 percent) are issued in developed countries – mainly the United States (40 percent). A natural destination for these funds, reliably suited for the long term low carbon and climate resilient infrastructure, should be emerging economies like India where they could earn up to three times the return than they currently do at two percent. However, the current allocation is vastly suboptimal.

To attract capital at scale, the risk perception around low-carbon investments relative to other projects will need to be lower. With every new Green Bond issuance, this hurdle becomes easier to cross as the market becomes more comfortable with the technologies and the project stability of these investments over the long term is better established.

Figure 2: Green Bond Market on Rise since 2010

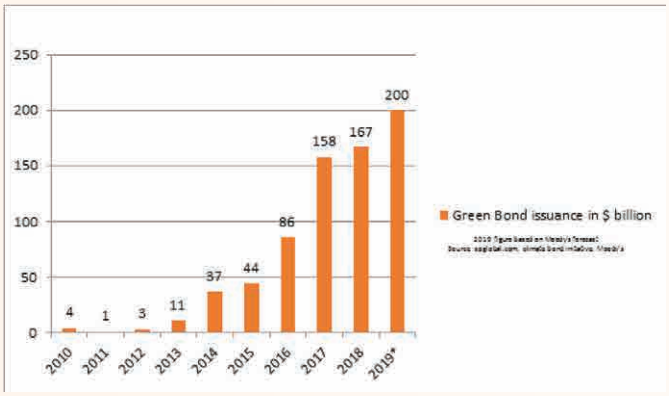

Relevance of Green Bond for Indian Economy

The Indian economy is forecast to grow at seven to eight percent in 2018-19, the fastest rate of growth amongst the G20 countries. But India is still amongst the lowest quartile of nations in terms of per-capita income. People's quality of life is held back by, amongst others, the country's inadequate infrastructure.

We see that climate temperature goes on increasing. This would be disastrous for humans, the environment and the global economy. To avoid this scenario, significant investments in low-carbon technologies and projects are needed. But where should the cash come from?

Countries across the globe committed to create a new international climate agreement by the conclusion of the U.N. Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) Conference of the Parties in Paris in December 2015. In preparation, countries have agreed to publicly outline what post-2020 climate actions they intend to take under a new international agreement, known as their Intended Nationally Determined Contributions (INDCs).

India's Nationally Determined Contributions (NDCs) includes pledges to reduce its emissions intensity—greenhouse gas emissions per unit of GDP by 33-35 percent by 2030 below 2005 levels and it had also promised to ensure that at least 40 per cent of its energy in 2030 would be generated from non-fossil fuel sources, like solar, wind or bio-fuels. In addition, it had said it would rapidly increase its forest cover so that an additional carbon sink equivalent to 2.5 to 3 billion tonnes of carbon dioxide is created by the year 2030. To achieve NDC targets, India is setting out on a huge programme of investing in solar PV and wind with targets to have 175 GW of installed Renewable Energy (RE) capacity by 2022; this represents a 50-percent increase in India's current electricity generation capacity of 345 GW. India is also seeking to electrify its mass transportation system through completing the electrification of its broad gauge rail (16,500 km) by 2022, electrifying its vehicle stock between 2015 and 2017. The sale of Electric Vehicles (EVs) and hybrids saw an impressive seven-fold increase, rising from 10,321 vehicles in 2015 to 72,482 in 2017. E-rickshaws have grown to an estimated 1.5 m.

The scale of finance required

Building climate-responsive infrastructure at this scale and speed is an unprecedented challenge. There have been a range of different short and medium-term assessments made about the investment needed. A few of these are given below to show the relative magnitudes. These estimates are largely based on investing in more of the same sorts of infrastructure that have already been built.

According to the High-Powered Expert Committee appointed by the Ministry of Housing and Urban Affairs, about US$ 550bn (INR 39 lakh crore at 2009-10 prices) is required for the creation of urban infrastructure over the next 20 years. Out of this, about 44 percent was needed for roads and 20 percent for services such as water supply, sewerage, solid waste management and storm water drains. This excludes investment in infrastructure that service the cities' needs like electricity grids and generation which is outside the city, or buildings which are funded by private developers. The Housing for All by 2022 programme aims to construct 20 million houses in seven years with a subsidy of US$ 1500 per house to cover slum clearance expenditures and US$ 3400 per house (net present value) for lower income focusing on 1049 towns and cities.

The Government of India has estimated that US$ 4.5 trillion is needed to meet India's ambitious targets for renewable energy and urban sustainability over the next ten years – around US$ 450 million per year.

But a truly sustainable infrastructure investment strategy would need to include costs of decarbonised transport systems as an alternative to private cars like metro lines, broad gauge railways and energy efficient buildings. In China, which has rolled out metro lines at the rate India might seek to, the costs of construction varied between 700 and 1200 million yuan per kilometre (US$105-180 million/km). If India sets out to develop 1000 km of new Metro (equivalent to three more Delhi scale systems) costs could easily reach US$105-180 billion.

The total budget of the central government is US$ 383 billion. As can be seen, the magnitude of the planned investment programme is already a high proportion of total government revenues. India's transition needs to stand at US$ 2.3 trillion in climate action through 2030. Such a transformation of India's economy will need a mixture of local resources raised through user charges, successful tax collection and domestic savings, particularly from pension funds and insurance. The other source is the international capital market. This will mean fundamental shifts in how the Indian financial system organises itself to integrate risks comprehensively and allocate capital effectively.

The Indian Green Bond Market

India entered the green bond market in 2015 with the YES Bank issuing the first green bond for financing the renewable and clean energy projects particularly, for wind and solar. Gradually, the green bond market has expanded to several public sector undertakings,

state-owned commercial banks, state-owned financial institutions, corporates, and the banking sector. The Climate Transparency's Brown to Green Report 2017, drew a comparison across the G20 countries in terms of their green bond issuance as a share of the country's overall debt market. According to them, among the G20 countries, India ranks fifth. This highlights the existing scale and future scope in the country to develop and grow green bonds as an instrument to accelerate green market penetration.

The interest in issuance in green bonds is not only visible in terms of the growth of the Indian green bond market; it is also reflected in the oversubscriptions of some of the bonds. This shows that not only are the issuers are showing active interest but the investors are also attracted towards green bonds. The tax-free bond issued by the Indian Renewable Energy Development Agency Limited (IREDA) in the year 2016 was oversubscribed by more than 5.1 times.

Figure 3: Top 10 fully-aligned issuer countries
Source:climatebondsinitiative

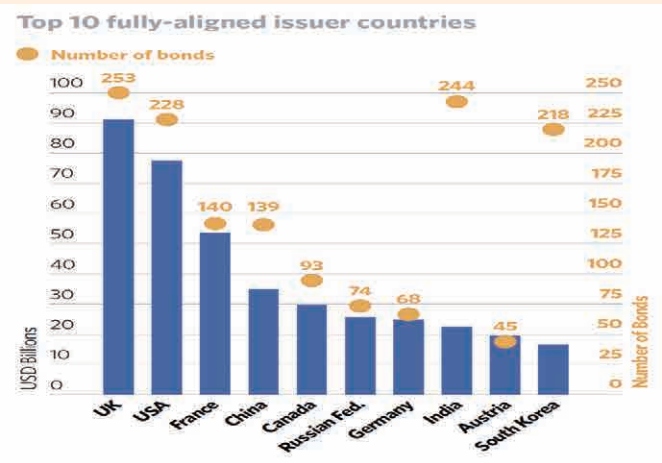

Domestic sources of financing green infrastructure

India's large pool of domestic savings (30 percent of India's GDP) is predominantly locked up in physical assets and not opens to financial intermediation. Of the household financial savings, more than half are in the form of bank deposits which are short-term and do not match the investment criteria for infrastructure projects which are typically high risk, have large upfront capital costs and pay returns after a long gestation period.

Traditionally, commercial banks and Non-Banking Finance Companies have funded infrastructure projects making up 40 percent of the country's total infrastructure finance and 80 percent of the total debt infrastructure finance in India. The lingering non-performing asset troubles of the banking industry, however, are likely to constrain this source severely in the future. Additionally, banks face an asset-liability mismatch (ALM) when they finance long-term infrastructure loans through deposits of shorter maturity.

The banking regulator, the Reserve Bank of India, has issued regulations and guidelines to define directed lending to specified sectors and influence interest rates, exposure limits, security and other conditions for lending by banks. Priority sector lending, for example, ties 40 percent of aggregate bank credit to sectors including agriculture, energy, and Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs). Priority Sector Lending could play an important role in channelling green finance but has proved to be largely inadequate and ineffective, calling for a systematic review to make it fit for purpose. Because RE is within the energy sector, for example, existing bank loans towards coal plants has restricted lending to the RE sector to avoid over-exposure to energy assets.

Among the capital market instruments, green bonds offer an opportunity to relieve pressure on banks' balance sheets. They are fixed income securities whose proceeds go specifically to low carbon climate resilient projects. Also, the market regulator, Securities and Exchange Board of India's (SEBI) new framework requires large companies (outstanding borrowing of INR 1 billion and with AA Rating or higher) to raise a fourth of their debt requirement via bonds. This will improve green bonds issuance too.

Developing this market also has the potential to address the larger financial challenge. Indian bond markets are not deep (comprising five percent of GDP) and listings of Indian bonds on global financial markets tend to face exchange rate risk which hinders investors' appetite. Inflation targeting along with other Reserve Bank measures can serve to lower volatility in the exchange markets—allowing India to calibrate its exchange rate depreciation to its stable current account deficit. Given these conditions, bonds become attractive to international investors at inflation-adjusted returns of up to four percent. Masala Bonds also have been a helpful innovation and large players like IREDA and NTPC have tapped this channel to issue green bonds. Masala Bonds are rupee-denominated borrowings issued by Indian entities in overseas markets. Masala means spices and the term was used by International Finance Corporation (IFC) to popularise the culture and cuisine of India on foreign platforms. The objective of Masala Bonds is to fund infrastructure projects in India, fuel internal growth via borrowings and internationalise the Indian currency.

The Masala bonds are directly pegged to the Indian currency. So, investors will directly take the currency risk or exchange rate risks. If the value of Indian currency falls, the foreign investor will have to bear the losses, not the issuer which is an Indian entity or a corporate. If foreign investors eagerly invest in Masala Bonds or bring money into India, this would help in supporting the rupee. The issuer of these bonds is shielded against the risk of currency fluctuation, typically associated with borrowing in foreign currency.

Barriers that Impede Green Bonds Growth

While the green bonds segment has undoubtedly been

successful in India over the last three years, especially for a nascent instrument, there is the possibility that it will soon peak or prove to be ineffective in advancing green growth, if certain steps and innovative solutions are not adopted to drive it forward. The key challenges that the market currently faces are as follows:

- **New technologies with higher risk**

  Green bonds, being a relatively new type of investment and financial instrument, are perceived as higher risk and are yet to establish a financial and credit profile which is comparable to the risk-return characteristics of conventional bonds. Because the technologies are new and novel, risk reduction on long payments streams will be critical to enhance the confidence among investors to enter the market.

- **Size of green projects**

  Further, green projects are generally smaller in size, especially when done by the corporate sector, making them unviable under the conventional bond structures. These are the key barriers to the expansion of the green bonds market in India and globally.

- **Lack of concentrated measures to support this nascent instrument**

  Green bonds have a huge potential in accelerating climate actions and promoting sustainable development. However, due to the newness of the instrument and lack of understanding of all its implications, the average domestic investor is wary of investing in these, and perceives them as high–risk investments. This is especially true if the bond is not issued by one of the more recognized green sectors such as renewable energy.

Models for Credit Enhancement of Green Bonds

Several risk reduction and other innovative models of green bond financing have been experimented with corporations and countries such as credit enhancements and guarantees – that are especially useful. Besides, aggregation and securitization to pool risks and generate steady income flows of sufficient scale and size have potential and are likely to be well appreciated in long investment markets among institutional investors.

Some more deliberations on the above are as under:

Credit enhancement is a strategy for improving the credit risk profile of a business, usually to obtain better terms for repaying debt.

In the financial industry, credit enhancement may be used to reduce the risks to investors of certain structured financial products.

- **Guarantees**

  Guarantees and partial risk guarantees are among the more widely used mechanisms across the financial sector for credit enhancement of conventional bonds and debts. These can be in the form of private collaterals or public sector backing. The public sector often provides partial-risk guarantees for bond issuances in priority sectors such as infrastructure development. The energy sector has been a huge beneficiary of this. To increase their use for growing the green bonds market, financial experts have suggested measures such as nonbanking financial companies (NBFCs) playing a larger role by offering guarantees for green infrastructure projects, so as to lower the risk and enhance the credit rating. An implemented example of this is India Infrastructure Finance Company Ltd. (IIFCL) partially guaranteeing ReNew Power's bond issue to improve the credit rating. In recent studies, research organisations have also suggested government intervention in the form of a fund to offer guarantees for enabling credit enhancement.

- **Partial Credit Enhancement (PCE)**

  PCE provides credit support in times of distress, hence lowers the risk of the associated project and improves the credit rating of the bond. India in the last few years has been exploring this mechanism for growing the domestic corporate bonds market, introducing and periodically modifying rules to develop a robust corporate bonds segment. In 2015, the Reserve Bank of India (RBI) allowed Indian banks to provide PCE to corporate bonds issued for infrastructure projects, which is a benefit for green bonds, which are largely project based for the corporate sector. In 2016, the RBI revised its earlier rule to increase the aggregate exposure limit from the banking system to 50% of a bonds issue size, from a limit of 20% for an individual bank, allowing companies to lower their borrowing costs even more due to improved ratings. However, in a 2017 circular, RBI introduced a new rule to make infrastructure bonds 'safer' under which to be eligible for PCE, corporate bonds need to be rated by a minimum of two external credit rating agencies, and the lower of the two will be used by banks for providing PCE. Further, bonds need to have a minimum investment grade rating of BBB— to be eligible for PCE.

- **Aggregation and Asset-Backed Securities**

  Another challenge which impacts the credit ratings of green projects is that standalone green projects are small in scale, such as rooftop solar, household or building energy efficiency projects, and are thus unattractive to institutional investors.

To address this, a mechanism which has proved to be successful in some novel applications internationally, but has not as yet been explored in Indian green bonds is securitization. Securitization leads to the aggregation of several smaller projects, and could give an added impetus to green bonds.

To tackle environmental issues and to save our coming generations it is necessary that our society moves towards a green and low carbon economy and to achieve this GREEN BOND can be effective tool.

Sources & References: Different websites e.g. S & P Global, climate bonds initiative, orfoline.org, pib.gov.in, vikaspedia.in & various reports in Newspapers

❖❖❖

Rachna Mishra
AGM & Learning Head, Baroda Academy
New Delhi

Bank Celebrates 112th Foundation Day

Highlights of 112th Foundation Day Celebrations on July 20, 2019 at NCPA, Nariman Point, Mumbai.

Conferring the Baroda Sun Achievement Award and the live performance by an eminent artist were two important elements of the event. Baroda Sun Lifetime Achievement Award was instituted in the year 2005 to align with the logo of the Bank 'Baroda Sun'. The Bank over the years has conferred the Baroda Sun Lifetime Achievement Award to many eminent personalities from various fields including Science, Medicine, Social Work, Sports, Arts & Culture etc.

This year too the event consisted a musical performance by renowned classical artist Ustad Rashid Khan along with Ustad Shahid Parvez. Ustad Rashid Khan (Vocal) is an Indian classical musician in the Hindustani music tradition. He belongs to the Rampur-Sahaswan gharana, and is the great-grandson of gharana founder Inayat Hussain Khan. In a story told in several versions, Pandit Bhimsen Joshi once remarked that Rashid Khan was the "assurance for the future of Indian vocal music". He was awarded with the Padma Shri as well as the Sangeet Natak Academy Award in 2006.

Ustad Shahid Parvez (Sitar) is an Indian classical sitar player from the Imdadkhani gharana. He belongs to the seventh generation of the Etawah Gharana. He is praised especially for the vocalistic phrasing of his raga improvisation. He was also awarded with the Padma Shri for his works.

This year, the Bank honoured esteemed individuals such as:

1. Ustad Ghulam Mustafa Khan (Arts) : Ustad Ghulam Mustafa Khan is an Indian classical musician in the Hindustani classical music tradition, belonging to the Rampur-Sahaswan Gharana. Ustad Ghulam Mustafa Khan Saheb brought to life this Ancient Indian Classical Music from the hoary era. Seven of his records of 30 minutes each are preserved in the Sangeet Natak Academi, New Delhi. He was awarded the Padma Shri in 1991, followed by Padma Bhushan in 2006 and Padma Vibhushan in 2018. In 2003 he was awarded with the Sangeet Natak Academi Award, the highest Indian recognition given to practicing artists by the Sangeet Natak Academi, India's National Academy for Music, Dance and Drama.

2. Dr. Ashok Laxmanrao Kukade (Medicine / Science) : Dr. Ashok Laxmanrao Kukade is an Indian physician and author. He is the founder of Vivekanand Hospital and Research Center in Latur, Maharashtra. Ashok Kukade has been awarded with the Padma Bhushan for his lifelong service to the villagers of drought-prone Latur in Maharashtra. In 1966, with the help of his four friends, he started the Vivekanand Hospital in Latur. The hospital has a capacity of 120 beds and provides high-quality healthcare services. Over 50,000 patients get medical attention every year in Vivekanand Hospital.

3. Smt. Rajkumari Devi (Social work) : Rajkumari Devi of Muzzafarpur district in Bihar, popularly known as Kisan Chachi, is a social worker. She has empowered women from her village as well as from nearby areas to take up farming to become independent. She has mobilized more than 300 women and formed small self-help groups. She has set up a Non-Profit Organization that not only picks up fresh produce from the farms run by the women of the various self-help groups, but also employs women to make agro-based products. She has been conferred upon Padma Shri for her work in health and education, child marriage abolition and widow rights and remarriage in 2019.

4. Smt. Jamuna Tudu (Environment) : Jamuna Tudu is an Indian environmental activist. She was awarded India's fourth highest civilian award the Padma Shri. In 2014, she was awarded the Godfrey Phillips Bravery Award. She is called Lady Tarzan for taking on the Timber mafia in Jharkhand. She formed "Van Suraksha Samiti' along with 5 other women to prevent illegal felling of trees near her village and this later expanded. She was a winner in the 2017 Women Transforming India Awards.

5. Shri I M Vijayan (Sports) : Inivalappil Mani Vijayan, popularly known as Kalo Harin, is a former professional Indian football player. Playing in the striker position, he formed a successful attacking partnership with Bhaichung Bhutia for the Indian national team in the late nineties and early 2000. Vijayan was crowned Indian Player of the Year in 1993, 1997 and 1999, the first player to win the award multiple times. He was also awarded with the Arjuna award in 2003. By the end of his career he had scored 40 international goals in 79 matches for India. Since retiring from international football Vijayan has set up a football academy to train young players in his home town. He was the captain of Indian team from 2000 to 2004.

These personalities were recognised for the passion and determination with which they have perused their goals and contributed towards the growth of their respective industries and the society as a whole.

On the occasion of the Bank's 112th foundation day, a week-long campaign was initiated to create a buzz about the event and awareness among the masses. The main aim was to get the social media channels buzzing so as to generate participation during the foundation week.

Presented by :
Team Marketing
BCC, Mumbai

प्रगति के लिए शीघ्र निर्णय बहुत जरूरी है

– पापिया सेनगुप्ता
पूर्व कार्यपालक निदेशक

श्रीमती पापिया सेनगुप्ता, कार्यपालक निदेशक 30 सितंबर 2019 को बैंक से सेवानिवृत्त हुईं. बैंकिंग क्षेत्र में लगभग 4 दशकों और बैंक ऑफ बड़ौदा में लगभग 3 वर्ष के कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वहन किया. बॉबमैत्री टीम ने श्रीमती सेनगुप्ता से उनके बैंकिंग जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत है उनसे बातचीत के कुछ अंश – कार्यकारी संपादक

कृपया हमें अपने बचपन और पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में बताएं. आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना और एसबीआई परिवार में मुख्य महाप्रबंधक के पद तक आपकी यात्रा कैसी रही?

मेरे पिताजी एयरफोर्स में थे. मैं सबसे छोटी होने के कारण सभी की लाड़ली रही. बैंकिंग को कॅरियर के रूप में चुनने की कोई पूर्व योजना नहीं थी. मैं अपनी बहन को अपना आदर्श मानती थी, उनके जैसा बनना चाहती थी इसलिए उन्हीं की तरह ग्रेजुएशन में फिजिक्स ऑनर्स का विकल्प लिया. सोचा था वैज्ञानिक बनूँगी, पर बी.एस.सी के बाद लगा, बहुत हो गयी पढ़ाई. फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चलती रही. इसी बीच यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा भी क्लियर हो गई और उसी समय बैंक में चयन हो गया. बैंक जॉइन कर के सोचा तो यही था कि यह अस्थायी जॉब है पर धीरे–धीरे ग्रुप बन गया तो पढ़ाई छूटती गई. फिर पदोन्नति मिलती गई तो एक प्रकार से इसी क्षेत्र में मैं आगे बढ़ती गई. एसबीआई में मुख्य महाप्रबंधक के पद तक की मेरी यात्रा बहुत अच्छी थी. बैंकिंग को कॅरियर के रूप में चुनने का कभी विचार नहीं था, पर धीरे–धीरे कार्य अच्छा लगने लगा. फिर मन में यह भाव हमेशा रहा कि जो भी कार्य करूँ पूरी लगन से एवं उत्कृष्टता से करूँ. केन्द्रीय विद्यालय की पढ़ाई का मेरे व्यक्तित्व के सर्वांगी विकास में योगदान रहा इसलिए अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ व्यक्त करना, जिज्ञासा व्यक्त करना, प्रश्न पूछना, लीड लेना आदि स्कूल के समय से मेरे लिए सहज रहा. मैं परिपत्र एवं संदर्भ सामग्री खूब पढ़ा करती थी. इसलिए प्राय: लोग मुझे 'चलता–फिरता एन्साइक्लोपीडिया' भी कहते थे. यहां एक बात का उल्लेख जरूर करना चाहूंगी कि मुझे अपने ज्ञान और कार्यानुभव पर अत्यधिक अभिमान हो गया था और इसके कारण मेरे स्वभाव में उग्रता आ गई थी जो क्रमश: कम होती गई. उसका पूरा श्रेय मेरे पति को जाता है. वे बड़े शांतिप्रिय व्यक्ति हैं. यद्यपि महाप्रबंधक हम एक साथ ही बने, पर उनके इंटर–पर्सनल रिलेशन बहुत अच्छे रहे. वे सब को धैर्य से सुनते हैं. मुझे भी हमेशा टोकते रहे कि पहले सुन लिया करो. धीरे–धीरे मेरी उग्रता कुछ कम होने लगी. समय के साथ हम परिपक्व भी बनते जाते हैं, मेरे व्यक्तित्व में भी काफी बदलाव आया. या यूं कहें कि हम समय के साथ परिपक्व बनते हैं तो स्वभाव में भी परिवर्तन आता है. जो भी हो, इसमें मेरे पति का योगदान अवश्य रहा. इस दौरान चुनौतीपूर्ण असाइनमेंट भी मिले और सराहना भी मिली. लोगों का सहयोग खूब रहा. मेरे वरिष्ठ लोगों ने भी मुझे बहुत प्रोत्साहित किया. पर कुल मिलाकर सामान्य उतार–चढ़ाव के साथ मेरा कार्यकाल अच्छा रहा.

हम समझते हैं कि कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्ति के समय आपने अपनी पसंद से बैंक ऑफ़ बड़ौदा को चुना. वे कौन से कारण थे जिन्होंने आपको कार्यपालक निदेशक के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा का विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया? बैंक ऑफ़ बड़ौदा अपने समकक्ष बैंकों से किस प्रकार अलग है?

सार्वजनिक क्षेत्र के किसी बैंक के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी. मुझे जब विकल्प देना था तो मैंने यूनियन बैंक एवं बैंक ऑफ़ बड़ौदा को प्राथमिकता दी थी, इसके पीछे कारण यह था कि प्राय: कंसोर्शियम की बैठकों में जाना होता था, तो यह जाना कि यूनियन बैंक का क्रेडिट प्रोसेसिंग अच्छा था और बैंक ऑफ़ बड़ौदा का विकल्प इसलिए दिया था कि मुझे खंडेलवाल जी को सुनने का मौका मिला था और उन्हें सुनकर मैं बैंक ऑफ़ बड़ौदा के विषय में काफी प्रभावित हुई थी. मुझे लगा कि यह बैंक अच्छा कार्य कर रहा है. तो इस प्रकार बैंक ऑफ़ बड़ौदा से जुडने का अवसर मिला.

आपने बैंक ऑफ़ बड़ौदा में पूर्ववर्ती विजया बैंक और देना बैंक के समामेलन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. आप एकीकरण प्रबंधन कार्यालय (आईएमओ) की प्रभारी भी थीं. समामेलन प्रक्रिया के दौरान बैंक को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

जब तीनों बैंकों के समामेलन की घोषणा हुई तो प्रारम्भ में यह स्पष्ट नहीं था कि ये विलय किस प्रकार होगा. यद्यपि राष्ट्रीयकरण अधिनियम के तहत यह तो स्पष्ट था कि तीन बैंकों के स्थान पर चौथा बैंक तो नहीं बनेगा. पर सभी के मन में कई आशंकाएं थी. यहां दो बैंकों का अस्तित्व ही समाप्त हो रहा था. यह एक संवेदनशील मामला था. मैं एसबीआई एसोसिएट बैंक में भी इस अनुभव से गुजर चुकी थी. अत: एक बात मेरे मन में अवश्य रही कि यह एक भावनात्मक मसला है. इसलिए किसी की भावना को ठेस न पहुंचे, इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए.

बैंक ने भारत सरकार की समामेलन प्रक्रिया को बड़ी सरलता से कार्यान्वित किया है. हाल ही में सरकार द्वारा अन्य प्रमुख बैंकों के समामेलन के निर्णय के संबंध में हमारे बैंक द्वारा अपनायी गई प्रक्रिया को आप अन्य बैंकों के लिए पथ–प्रदर्शक की भूमिका में किस तरह उपयोगी मानती हैं?

इस पूरी प्रक्रिया में काफी मुद्दे जुड़े हुए थे लीगल प्रोसैस, टेक्नोलॉजी का एकीकरण, स्टाफ मामले, विभिन्न उत्पाद, प्रणालियां, प्रथम दिन क्या–क्या होगा–यह सब देखना होगा. इन सभी मुद्दो का बड़ी बारीकी से विश्लेषण किया गया. हर चीज़ का हमने ध्यान रखा. तीनों बैंकों के प्रत्येक विभाग के लोगों की बैठकें की गई. आईएमओ ने सभी का बहुत अच्छे से इस प्रकार दस्तावेजीकरण किया कि एक प्रकार से यह एक ब्लूप्रिंट बन गया. अब आगे की प्रक्रिया में इस कार्य में अधिक नहीं देखना पड़ेगा. सरकार के लिए ब्लू प्रिंट बन गया है.

आप ने बैंक की रूपांतरण यात्रा को भी करीब से देखा है. आपके कार्यकाल में इस प्रक्रिया के तहत बैंक में हुए महत्त्वपूर्ण बदलाव को आप कैसे देखती हैं?

जी हां, 'नवोदय' विभाग मुझे रिपोर्ट करता था. किसी भी प्रस्तावित बदलाव के प्रति मेरी राय बिल्कुल स्पष्ट होती थी. जहां रुकावट आती थी वहां मैंने व्यावहारिक पहलू को ध्यान में रखा. इससे संबंधित कार्य के लिए मैंने मैकन्ज़ीस से पहले से बात कर रखी थी कि प्रत्येक शुक्रवार को 9 से 10 बजे, अर्थात कार्यालय के समय से एक घंटा

पहले ही हम इस पर चर्चा कर लेंगे. मैं व्यावहारिक पक्ष पर अधिक जोर देती थी और यही चाहती थी कि यदि कोई कार्य करना है, तो करना है. जैसे 'ऑमनी बॉब' के तहत फार्म के स्कैनिंग की बात थी. वे उसकी जांच हेतु कुछ अधिक सावधानी के लिए आग्रह कर रहे थे जो मुझे व्यावहारिक नहीं लग रहा था और इसमें विलंब भी होता. मेरा आग्रह रहता था कि अनावश्यक विलंब न हो. फिर वह कार्य बड़ी सरलता से सम्पन्न होता गया.

आप बैंक के लार्ज कॉर्पोरेट, ट्रांजेक्शन बैंकिंग, सरकारी रिलेशनशिप, ट्रेजरी और अंतर्राष्ट्रीय परिचालन जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों को संभाल रहीं थी. इन क्षेत्रों में वृद्धि हासिल करने के लिए बैंक को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और हम किस प्रकार सफल रहे?

काम तो लोगों ने किया, अच्छा कार्य किया. मैंने हमेशा 'ग्रोथ विथ प्रोफीटेबिलिटी' को ध्यान में रखा, केवल साइज़ बढ़ाना महत्वपूर्ण नहीं है. इसलिए मैंने अनुषंगी व्यवसाय एवं शुल्क आधारित आय के महत्व को ध्यान में रखा. हमने अकाउंट प्लानिंग शुरू किया. मेरा यह भी मानना है कि प्रगति के लिए शीघ्र निर्णय बहुत जरूरी है. निर्णय में विलंब नहीं होना चाहिए और रिकवरी होनी चाहिए. मैं शाम को यह ध्यान रखती थी कि मेरे स्तर पर एक भी पेपर पैंडिंग न रहे.

बैंक में अन्य पोर्टफोलियों के साथ-साथ मानव संसाधन प्रबंधन के दायित्व निर्वहन में स्टाफ सदस्यों की कार्य-संतुष्टि, दक्षता, वेलफेयर और कौशल विकास में संतुलन बनाए रखने में आपके समक्ष क्या चुनौतियां आईं?

एसबीआई में मैंने महाप्रबंधक के रूप में मानव संसाधन का पोर्टफोलियो संभाला है. तब यह कार्य मैं पहली बार संभाल रही थी और इसका फायदा भी रहा, नया व्यक्ति लीक से हट कर काम करता है. प्रायः हम एक ही ढर्रे पर कार्य करते हैं, नई पहल के लिए झिझकते हैं. मैंने वहां भी पारदर्शिता से काम किया. मेरा मानना था कि मोनोपोली नहीं होने देना चाहिए.

बैंक ऑफ बड़ौदा में मानव संसाधन की स्थिति बहुत मजबूत है. पर यहां भी अनुशासनिक कार्रवाई के मामलों की स्थिति देख कर निराशा हुई. यहां पर 2012 -13 की अपील/ निर्णय पेंडिंग थे. यह किसी भी अधिकारी के लिए सबसे खराब स्थिति है. कुछ निर्णय गलत भी लगे, कुछ मामलों में लगा कि इन्वेस्टीगेशन करने वाला अधिकारी तिल का ताड़ बना रहा है, जबरदस्ती प्रूव करने की कोशिश करता है. सीवीओ श्री नायक जी के आने के बाद स्थिति में और सुधार हुआ. वास्तव में इन्वेस्टीगेशन अधिकारी का कार्य 'फ़ैक्ट फ़ाइंडिंग' होना चाहिए, न कि 'फ़ाल्ट फ़ाइंडिंग'. मैंने इस प्रक्रिया में परिवर्तन किया. उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की. हमारे विभाग के लोगो के साथ मिल कर पुराने मामलों को 6 महीने के चैलेंज के रूप में समाप्त किया. जिन अपीलों में ज्यादा एक्शन लिए जा रहे थे उसे कम किया. दंड का उद्देश्य यह होना चाहिए कि गलती करने वाले को झटका लगे और भविष्य में वह और सावधान रहे. कोई अच्छा काम कर रहा है, उसे भारी दंड दे कर उसके कॅरियर को समाप्त कर देना ठीक नहीं है. इस संबंध में मैंने जो कुछ किया इसके लिए मुझे संतुष्टि है.

स्थानांतरण के मामले में भी मैंने आयु का मानदंड रखा. जो युवा हैं, उन्हें दूर भेजा जा सकता है. और जो कुछ करें उसमें पारदर्शिता होनी चाहिए. साथ ही मैंने यह ध्यान भी रखा कि किसी की मोनोपोली नहीं होनी चाहिए. किसी अमुक व्यक्ति के बिना काम नहीं चलेगा ऐसा नहीं होना चाहिए. मैंने ज़ोनल स्तर पर कॉम्पटिशन की शुरुआत की, साथ ही सभी स्तरों पर विधिवत फेयरवेल के कार्यक्रम भी शुरू करवाए.

वर्तमान में बैंकों में व्यवसाय वृद्धि में एनपीए एक बड़ी बाधा है. बैंकों में एनपीए से निजात पाने के लिए आप क्या राय देना चाहेंगी, विशेषत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संदर्भ में?

इसके लिए तो मूलतः एक ही राय है कि खाते की निगरानी बहुत जरूरी है. क्रेडिट से भी ज्यादा जरूरी है क्रेडिट मॉनिटरिंग. हम क्रेडिट अप्रेजल पर बहुत ज्यादा ध्यान देते हैं. मैं इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण क्रेडिट मॉनिटरिंग को मानती हूं. क्रेडिट अप्रैजल तो प्री-प्रोसेस है परंतु उसके बाद गिरावट के लक्षणों को समझना, पहचानना, बाद की प्रक्रिया है जो और भी अधिक महत्वपूर्ण है. क्रेडिट मॉनिटरिंग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है.

आप राजभाषा कार्यान्वयन को बैंकिंग के अभिन्न भाग के रूप में और बैंक के व्यवसाय विकास के एक प्रभावी घटक के रूप में मानती थी, न कि सांविधिक दायित्व के रूप में. आप बैंक के व्यावसायिक विकास में राजभाषा हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका को किस प्रकार देखती हैं?

किसी भी व्यवसाय के लिए संप्रेषण बहुत जरूरी है और संप्रेषण उसी भाषा में होना चाहिए जिसमें लोग कम्फ़र्टेबल हैं. क्षेत्रीय भाषा एवं राजभाषा इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. मैं तो यही समझती हूं कि आप जिस क्षेत्र में हो वहां की भाषा जाने बिना व्यवसाय करना संभव ही नहीं है. जैसे आप केरल में जाएंगे तो वहाँ पर बिना मलयालम जाने आप व्यवसाय नहीं कर सकते. हर जगह आपका काम अंग्रेजी से नहीं चलता. उधारकर्ता को जानने के लिए आपको मार्केट की रिपोर्ट चाहिए होगी, पूछताछ करनी होगी. इसके लिए वहां की क्षेत्रीय भाषा जानना आवश्यक है. सिर्फ बैंकिंग के लिए नहीं बल्कि किसी भी व्यवसाय के लिए उस क्षेत्र की भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है. हमारी भी यही प्रवृति होनी चाहिए कि हम जितना विदेशी भाषाओं को महत्व देते हैं, क्षेत्रीय भाषाओं को भी उतना ही महत्व दें.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

मुझे लगता है कि यह संतुलन बनाने की ज़िम्मेदारी परिवार के सभी सदस्यों पर होती है. मैं इस मामले में बहुत लकी रही हूं कि मेरे पति और बेटे का बहुत सपोर्ट रहा है. जब बेटा छोटा था तब मैंने यह भी सोचा था कि उसकी अच्छी परवरिश के लिए नौकरी छोड़ दूं, लेकिन उस समय मेरे पति ने मुझे नौकरी छोड़ने से मना कर दिया. बेटा छोटा था तब भोलेपन से कहता था कि काश मेरी दो माँ होती! एक माँ ऑफिस जाती और एक माँ घर पर रहती. तब मेरे पति ने बेटे को इस तरह से समझाया कि उसके बाद वह छोटा बच्चा जाने कहां से अपनी माँ पर इतना गर्व करने लगा कि मेरी मम्मी इतना अच्छा जॉब करती है. जब भी मुझसे कोई काम नहीं हो पाता था तो मुझसे लिपट कर कहता था 'माँ आप सबसे बेस्ट हो'. किसी एक व्यक्ति के जॉब करने में पूरे परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों तथा दोस्तों की भूमिका होती है. मैं यह कोशिश करती थी कि क्वान्टिटी ऑफ टाइम न दे पाऊं, पर क्वालिटी ऑफ टाइम दूं. एक माँ की भूमिका में मैं कितना सफल रही यह तो मेरा बेटा ही बता पाएगा. यह मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं ऑफिस में घर की बातें नहीं सोचती थी और एक बार घर आने के बाद ऑफिस की बातें नहीं सोचती थी.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचती हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहती हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

बैंक के भविष्य के लिए मैं आश्वस्त हूं कि आज की युवा पीढ़ी बहुत समझदार है और बैंक को ऊंचाईयों पर ले जाएगी. हम कर्मचारियों को अपने बैंक पर विश्वास रखना है. मेरा यही संदेश है कि हममें ऑनरशिप की भावना होनी चाहिए. ''मेरा बैंक, मेरा काम'' . इस संस्था को अपनी संस्था समझना है, चाहे हम किसी भी बैंक से आए हों, कहीं से भी आए हों, अभी हम सब एक बैंक हैं. हम खुद पर विश्वास रख कर इस संस्था को आगे तक ले जाएं.

मैडम, आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत कर रही हैं?

मैं अभी बहुत घूम रही हूं. केरल, सोमनाथ, दीव, द्वारका. मैं बहुत खुश हूं. अभी कोई टेंशन नहीं है. काम के बारे में सोचना नहीं होता है. बहुत फ्री फील करती हूं.

❖❖❖

स्थापना दिवस समारोह

बैंक का 112वां स्थापना दिवस समारोह देश-विदेश में फैले हमारे सभी कार्यालयों/शाखाओं में धूम-धाम से मनाया गया. विभिन्न अंचलों, क्षेत्रीय कार्यालयों तथा प्रशासनिक कार्यालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ हम पाठकों की जानकारी के लिए प्रस्तुत कर रहे हैं - संपादक

प्रधान कार्यालय तथा बड़ौदा अंचल

बैंक के 112वें स्थापना दिवस को बड़ौदा भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तथा विभिन्न कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत पानी बचाओ के प्रति जागरूकता का प्रसार करने के उद्देश्य से मांडवी से बड़ौदा भवन, अलकापुरी तक पैदल रैली आयोजित कर की गई जिसे हमारे बैंक के निदेशक डॉ. भरत कुमार डांगर ने हरी झंडी दिखाई तथा उसमें सहभागिता भी की. इसके अतिरिक्त पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक-सीसी श्री बी आर पटेल, श्री रोहित पटेल तथा महाप्रबंधक श्री के आर कनोजिया, श्री तपन कुमार दास, श्री प्रदीप श्रीवास्तव, श्री जी विनोद कुमार रेड्डी तथा अन्य कार्यपालकगण उपस्थित रहे. बैंक के स्टाफ सदस्यों के लिए एक सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद

अहमदाबाद अंचल एवं अहमदाबाद क्षेत्र 1 तथा क्षेत्र 2 में महाप्रबंधक-सीसी श्री के वी तुलसीबागवाले की अध्यक्षता में बैंक का 112वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों जैसे रक्तदान शिविर, जागरूकता रैली व वृक्षारोपण, सम्मान समारोह आदि का आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में महाप्रबंधक श्री जी के पानेरी, उप महाप्रबंधकगण श्री ए के चुघ, श्री राजेश कुमार, श्री गंगा सिंह तथा अन्य कार्यपालकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली

अंचल कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन, उत्तर) श्री आर. के. मिगलानी, अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, प्रमुख (सरकारी कारोबार) श्री जी बी पांडा तथा महाप्रबंधक (पीएसयू तथा रिटेल देयताएं, पे-रोल व चालू खाता) श्री ए के खोसला तथा अन्य कार्यपालकगण द्वारा केक कटिंग कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई. इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया.

Foundation Day Celebration

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ में अंचल प्रमुख श्री एम एल रोहिल्ला के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, जागरूकता रैली व वृक्षारोपण, सम्मान समारोह आदि आयोजित किए गए. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री ओ पी खटकड़ व अन्य कार्यपालकगण, अंचल/ क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ व स्थानीय शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा अंचल प्रमुख श्री प्रकाश वीर राठी के नेतृत्व में बैंक के 112 वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों जैसे सामाजिक जागरूकता हेतु बाइक रैली, वृक्षारोपण आदि का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री योगेश अग्रवाल, उप महाप्रबंधक श्री राकेश शर्मा, श्री प्रदीप कुमार बाफना, अन्य कार्यपालकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ

अंचल कार्यालय व क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर संयुक्त रूप से विभिन्न कार्यक्रमों जैसे रक्तदान शिविर तथा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, वृक्षारोपण कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया. साथ ही, अनाथालय में बच्चों को वस्त्र और अन्य सामग्री का वितरण किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री ए पी सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री ए के सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सी पी अग्रवाल, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

स्थापना दिवस समारोह

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, पटना

बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों (स्टाफ रैली, प्रेस वार्ता, शाखा प्रमुखों के लिए बैठक आदि) का आयोजन किया गया. उक्त अवसर पर पटना अंचल के अंचल प्रमुख श्री नित्यानंद बेहरा, उप अंचल प्रमुख श्री नरेन्द्र सिंह, पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कौरा, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे द्वारा बैंक के 112 वें स्थापना दिवस पर मॉडर्न कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला काले रहीं. साथ ही, इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक सरोकार संबंधी कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी, उप अंचल प्रमुख श्री हरीश चन्द, पुणे शहर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी के पंचोरी, पुणे जिला क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री निखिल मोहन, सेवानिवृत स्टाफ सदस्य तथा अन्य स्टाफ सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, राजकोट

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री प्रदीप सचदेवा के नेतृत्व में राजकोट अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता रैली, वृक्षारोपण, अंधाश्रम एवं वृद्धाश्रम में आवश्यक सामग्री का वितरण आदि शामिल था. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय गुप्ता, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री जगजीत कुमार, अन्य कार्यपालक गण तथा विभिन्न शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Foundation Day Celebration

अंचल कार्यालय, मुंबई

बैंक के 112वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर महाप्रबंधक–सीसी श्री नवतेज सिंह के नेतृत्व में मुंबई अंचल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर एक कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें सीरियल लेखक, कवि एवं वरिष्ठ व्यंगकार "श्री सुभाष काबरा" तथा हास्य कवि एवं पैरोडीकार "श्री प्रकाश पपलू" ने अपनी हास्य कविता प्रस्तुत की. कार्यक्रम के दौरान अंचल प्रमुख श्री सत्यनारायण राजू सहित अन्य कार्यपालक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Zonal and Regional Office, Bengaluru

On the occasion of 112th foundation day of Bank, Tree plantation programme was organized at Bangalore University campus, where 112 trees were planted to commemorate the foundation day. Sh. Birendra Kumar, GM-CC South, Sh. Sudarsan S A, GM, Bengaluru Zone and Sh. S Ravi, RH, Bengaluru Rural were present at the event. Dr. Venugopal K.R., Vice Chancellor, Dr. B.K. Ravi. Registrar from Bangalore University graced the occasion.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल

स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर आनंदधाम वृद्धाश्रम में 30 कुर्सियां दान की गई और दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूल में स्मार्ट क्लास हेतु प्रोजेक्टर प्रदान किया गया. साथ ही, स्टाफ सदस्यों के लिए सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया जिसमें अंचल प्रमुख श्री सुरेन्द्र शर्मा, मुख्य अतिथि के रूप में श्री विजय कुमार नायक, महाप्रबंधक एवं बैंकिंग लोकपाल, भारतीय रिज़र्व बैंक,उप अंचल प्रमुख श्री प्रमोद शर्मा, क्षेत्रीय प्रमुख (भोपाल उत्तर) श्री आर सी यादव, क्षेत्रीय प्रमुख (भोपाल दक्षिण) श्री संजीव मेनन तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Zonal & Regional Office, Ernakulam

Zonal & Regional Office, Ernakulam celebrated 112th Foundation Day gracefully. On this occasion Bank distributed medical kits to the inmates of Thripunithura Taluk Hospital in the presence of Shri P V Gangadharan, renowned Oncologist and Shri. K Venkatesan, Zonal Head, Ernakulam. Also an 'Early Cancer Detection Camp 'was arranged with doctors and team of General Hospital and Amrita Institute of Medical Sciences. A cultural program for staff members and their family was also organised. The evening get together was graced by Shri. Prasanth Nair, IAS, Managing Director, Kerala Shipping and Inland Navigation Corporation Ltd.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली (मेरठ)

अंचल और क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली द्वारा बैंक का 112वां स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सतीश कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में सामाजिक सरोकार से संबंधित कार्यक्रम हैल्थ चेक-अप शिविर, विद्यालय में पुस्तक एवं स्टेशनरी वितरण, वृद्धाश्रम में वस्त्र और खानपान सामग्री वितरण, वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गए. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री हरदीप सिंह और सहायक महाप्रबंधक श्री अतुल बंसल, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद

बैंक के 112 वें स्थापना दिवस के अवसर पर अंचल प्रमुख श्री पी श्रीनिवास की अध्यक्षता में अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया. साथ ही शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर तेलंगाना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री के विजयराजू, हैदराबाद क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विनोद कुमार उपाध्याय सहित अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Foundation Day Celebration

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता में बैंक के 112वें स्थापना दिवस समारोह को श्री अरविंद लोही, अंचल प्रमुख की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों जैसे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, सामाजिक जागरूकता हेतु पद-यात्रा व वृक्षारोपण, सम्मान समारोह आदि का आयोजन किया गया. समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया व 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले स्टाफ सस्दयों को सिल्वर साल्वर भेंट किया गया. इस अवसर पर श्री बिश्वरुप दास, महाप्रबंधक (मुख्य समन्वय) एवं अन्य कार्यपालकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, चैन्ने

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के असवर पर अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, चैन्ने में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री आर एस रामकृष्णन, उप अंचल प्रमुख श्री अनिल कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख (सीएमआर-1) श्री वेंकट एस. निष्टाला, क्षेत्रीय प्रमुख (सीएमआर-2) श्री रामानुज शर्मा, विशेष अतिथि श्री खालिद अहमद, इसरो के भूतपूर्व प्रमुख पद्मश्री डॉ. अन्नादुरै मैलसामी तथा शास्त्रीय संगीतज्ञ सुश्री नित्यश्री महादेवन ने भारत में हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले डॉ.एम.एस. स्वामीनाथन का सम्मान किया.

Zonal & Regional Office, Mangaluru

Bank's 112th Foundation day was celebrated jointly by Zonal Office and Regional Office. The function was inaugurated by Shri P S Yadapadithaya, Vice Chancellor, Mangalore University. Zonal Manager Shri M J Nagaraj, Deputy Zonal Head Shri E S S R Ramachander, Regional Head Shri Shivaram B and Deputy Regional Manager Shri Chidananda Hegde were present on the occasion. As part of bank's CSR activity clothes and grocery items were distributed to Olavinahalli Rehabilitation & Community Development Centre.

क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का विलय आवश्यक है?

भारत में बैंको के विलय का इतिहास बहुत ही पुराना है. सबसे पहले 1921 में तीन बैंकों– बैंक ऑफ बंगाल, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और बैंक ऑफ मद्रास का विलय किया गया और परिणामस्वरूप इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया अस्तित्व में आया जो कालांतर में 1955 में भारतीय स्टेट बैंक बना.

वैसे तो विभिन्न बैंको के विलय होते रहे हैं लेकिन 1991 में उदारीकरण के बाद सरकार को भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय की आवश्यकता महसूस हुई. बैंकों के विलय पर गठित नरसिम्हन समिति ने भी विश्व स्तर पर भारतीय बैंकों की प्रतिस्पर्धा को सुनिश्चित करने के लिए बैंकों की त्रिस्तरीय संरचना की संकल्पना दी. इसके अंतर्गत 3 से 5 बड़े बैंक, 8 से 10 राष्ट्रीय बैंक और बाकी बड़ी संख्या में क्षेत्रीय और स्थानीय बैंक बनाने की सलाह दी गई थी. विलय या समामेलन की उपयोगिता एस. एच. खान समिति (1997), नरसिम्हन समिति– II (1998), रघुराम राजन समिति (2009), फुल कैपिटल अकाउंट कनवर्टिबिलिटी (द्वितीय तारापुर समिति–2006) और वित्तीय क्षेत्र आकलन समिति (2009) की समिति द्वारा दोहराई गई. इन सभी समितियों ने बताया कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली के पुनर्गठन की आवश्यकता है और इस पुनर्गठन को व्यवहार्यता और लाभप्रदता के आधार पर संचालित किया जाना चाहिए. बाद में पी. जे. नायक समिति ने भी सरकारी बैंकों के बड़े बैंकों में विलय करने या इनका निजीकरण करने का सुझाव दिया. आई. बी. ए. के आंकड़ों के अनुसार 1985 से अभी तक 50 से ज्यादा बैकों का विलय हो चुका हैं जिसमें भारतीय स्टेट बैंक के साथ एसोसियट बैंक और भारतीय महिला बैंक तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ विजया बैंक और देना बैंक का विलय प्रमुख है.

प्रश्न यह उठता है कि क्या बैंकों का विलय आवश्यक है? क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का विलय देश के आर्थिक विकास, बैंकों के स्वास्थ्य और बैंकों में कार्यरत मानव संसाधन के लिए हितकारी है? क्या आलोचकों का मत सही है कि बैंकों का विलय मानव संसाधन के लिए हितकारी नहीं है?

यदि हम भारतीय स्टेट बैंक और इसके एसोसिएटस के विलय के पहले विश्व स्तर पर भारतीय बैंकों का स्थान देखें तो इसे प्रथम 60 में भी स्थान प्राप्त नहीं था जो इस विलय के बाद अब संभव हो सका है. यदि हमें विश्व स्तर पर बैंकिंग क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करनी है तो विश्व स्तर पर अपने बैंकों का स्थान सुनिश्चित करना पड़ेगा.

वर्तमान समय में देखें तो बैंकों के लिए अनर्जक आस्तियों की समस्या विकट है और कमोबेश सभी बैंकों को इसका सामना करना पड़ रहा है. अनर्जक आस्तियों की समस्या के कारण बैंकों की पूंजी में भी क्षय होता है और परिणामस्वरूप बैंक आवश्यक मात्रा में ऋण नहीं दे पाते हैं. बैंकों मे अनर्जक आस्तियों के बढ़ जाने से पूंजी पर्याप्तता अनुपात व अन्य अनुपात प्रभावित होते हैं. अंततः नियामक संस्था को बहुत सारे प्रतिबंध लगाने पड़ते है जिससे बैंकों की स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है. इसे देना बैंक पर पी. सी. ए. के अंतर्गत ऋण देने पर लगाए गए प्रतिबंध से समझा जा सकता है. अन्य कई बैंकों पर भी पी. सी. ए. के तहत विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगाए गए हैं. अनर्जक आस्तियों की समस्या के कारण छोटे बैंकों को पूंजी के अभाव का सामना करना पड़ता है क्योंकि अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान करना पड़ता है जिससे पूंजी अवरुद्ध हो जाती है. छोटे बैंकों के बड़े बैंक में विलय से पूंजी की यह समस्या कम हो जाएगी. बड़े बैंकों में तकनीकी क्षमता भी उच्च स्तर की होती है और ये बैंक अनर्जक आस्तियों की समस्या को बेहतर तरीके से सुलझा सकते हैं.

छोटे और कमजोर बैंक यदि निवेश के द्वारा भी पूंजी जुटाना चाहें तो यह भी संभव नहीं होगा क्योंकि कोई भी निवेशक कमजोर बैंक में निवेश नहीं करना चाहेगा. जबकि यदि छोटे बैंकों का विलय बड़े बैंक में कर दिया जाए तो निवेश द्वारा पूंजी जुटाना बहुत आसान हो जाएगा और बैंकों की पूंजी की समस्या कम हो जाएगी.

पूंजी के क्षरण से बैंक बेसल 3 के मापदण्डों को पूरा नहीं कर पाते. बेसल 3 के मापदण्डों को पूरा करने के लिए बैंकों को पूंजी की आवश्यकता पड़ती है जिसके लिए वे सरकार की तरफ देखते हैं. बैंकों की इस आवश्यकता को पूरा करने के कारण सरकार पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है. बैंकों के विलय से विशेषतः छोटे बैंकों के बड़े बैंकों में विलय से, बैंक बेसल 3 के मापदण्डों को आसानी से पूरा कर सकेंगे और सरकार पर अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ेगा.

बैंकिंग सेवा की उपलब्धता में क्षेत्रीय असमानता व्याप्त है. विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार अभी भी भारत की 19 प्रतिशत जनसंख्या को बैंकिंग सेवा उपलब्ध नहीं है. इस समस्या का निराकरण भी बैंकों के विलय से ही संभव है. अभी भी कई क्षेत्रों में, खासकर महानगरीय और शहरी क्षेत्रों में एक ही स्थान पर कई बैंकों की

शाखाएं हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी बैंकिंग सेवा की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है और बैंकों की शाखाएं अत्यल्प हैं. बैंकों के विलय से शाखाओं के विस्तार को तर्कसंगत बनाया जा सकेगा. वैसे क्षेत्रों में जहां एक ही स्थान पर कई बैंकों की शाखाएँ है उन्हे बंद कर बैंक रहित क्षेत्रों मे बैंकिंग सेवा सुनिश्चित कराई जा सकेगी जिससे समावेशी विकास के लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकेगा.

तात्कालिक स्थिति में बड़े उधारकर्ताओं को कॉन्सोर्शियम व्यवस्था में ऋण लेना पड़ता है. इस व्यवस्था में कई बार उन्हें ऋण लेने के लिए कई बैंकों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है जिसमें समय भी अधिक लगता है और बैंकों को भी निगरानी रखने में

समस्या होती है. बैंकों का आकार बड़ा होने से बड़े उधारकर्ताओं को भी एक या कुछ बैंकों से ही ऋण मिल सकेगा और ऋण प्रस्तावों का शीघ्र निपटान संभव हो सकेगा.

विलय से बैंकों की परिचालन लागत में भी कमी आती है. प्रति कर्मचारी व्यय कम हो जाता है जिससे बैंकों की लाभप्रदता बढ़ती है. बैंकों के संकट के लिए तकनीकी अक्षमता भी जिम्मेदार है. छोटे बैंकों के बड़े बैंकों में विलय से इस समस्या का भी बहुत हद तक समाधान संभव है क्योंकि बड़े बैंकों के पास पूंजी की पर्याप्तता के कारण तकनीकी क्षमता को परिष्कृत करने के लिए सभी साधन उपलब्ध होते हैं.

बैंकों को कई बार तरलता के संकट का भी सामना करना पड़ता है जिसके लिए वे ओवरनाइट बौरोविंग के लिए आरबीआई पर निर्भर रहते हैं. बैंकों के विलय से बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी हो जाएगी जिससे बैंकों की आरबीआई और सरकार पर निर्भरता कम हो जाएगी. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय से बैंकों की संख्या कम हो जाएगी और नियामक संस्था को बैंकों की निगरानी में भी आसानी हो जाएगी. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय से ग्राहकों को भी बड़ी संख्या में उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे जो बैंकों के आकार छोटे होने के कारण उन्हें मिल नहीं पाता.

सरकार द्वारा समय-समय पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय के विभिन्न निर्णय लिए जाते रहे हैं लेकिन सरकार का यह निर्णय आलोचनाओं से परे नहीं है. विभिन्न कर्मचारी संघों द्वारा सरकार के इस निर्णय की आलोचना की जाती रही है और इसे कर्मचारियों के लिए अत्यंत अहितकारी माना जाता रहा है. तुलन पत्र के नकारात्मक आंकड़ों का हवाला देकर बैंकों के हित के लिए भी इसे बुरा माना गया है. कर्मचारी संघों द्वारा यह मुद्दा भी उठाया जाता रहा है कि हर बैंक की संस्कृति अलग होती है और विलय के बाद मानव संसाधन का सांस्कृतिक एकीकरण संभव नहीं हो पाता है. कर्मचारियों की छंटनी और बेरोजगारी भी आलोचना के मुख्य विषय रहे हैं.

प्रथम दृष्ट्या ये आलोचनाएँ सत्य प्रतीत होती हैं लेकिन यदि हम विश्व बैंक के आंकड़ों पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि अभी भी देश की 19 प्रतिशत जनसंख्या के पास बैंकिंग सुविधा उपलब्ध नहीं है. यदि हम जनसंख्या के इस भाग को भी बैंकिंग सुविधा सुनिश्चित करना चाहते हैं तो और अधिक संख्या में बैंकिंग सेवाओं में नियुक्ति की आवश्यकता है. विश्व बैंक के ही एक आंकड़े के अनुसार पिछले एक वर्ष में खुले खातों में परिचालन नहीं है. यदि सभी खातों में परिचालन होने लगे तो भारी संख्या में मानव संसाधन की आवश्यकता पड़ेगी. अतः सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों के विलय से मानव संसाधन की छंटनी होगी, यह आलोचना निरर्थक प्रतीत होती है. सरकार द्वारा भी अपने वक्तव्य में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय के बाद किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं की जाएगी. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय से बैंकों का आकार बड़ा हो जाएगा जिससे कर्मचारियों के दूर-दूर स्थानांतरण की समस्या भी कम हो जाएगी और वे कार्यालय के कार्य के अलावा अपने परिवार के साथ भी अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे.

सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े बैंकों और छोटे बैंकों के वेतन तो समान होते हैं लेकिन अन्य सुविधाएं जो लाभ पर निर्भर करती हैं, अलग-अलग होती हैं क्योंकि हर बैंक का लाभ अलग-अलग होता है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय से बड़े बैंक के कर्मचारियों व अधिकारियों को मिल रही सुविधाएं छोटे बैंकों के कर्मचारियों व अधिकारियों को भी मिलने लगेंगी और यह समान कार्य के लिए समान वेतन और सुविधाएं की संकल्पना का मूर्त रूप होगा. बैंकों का आकार बढ़ने से पदोन्नति के अवसर भी ज्यादा होंगे जो कर्मचारियों व अधिकारियों को कॅरियर के विकास में सहायता प्रदान करेंगे.

यद्यपि विलय की आलोचना की जाती है, हर बैंक की अलग अलग संस्कृति का हवाला दिया जाता है, विलय को बैंकों में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए अहितकर बताया गया है लेकिन आलोचनाओं के कुछ मुद्दे अस्थायी हैं और कुछ आधारहीन प्रतीत होते हैं. यदि राष्ट्रहित की बात की जाए तो विलय देशहित में है क्योंकि विलय के बाद ही भारतीय बैंकों का आकार बड़ा हो सकेगा तथा हम विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे. जहां हमारी प्रतियोगिता बैंक ऑफ चाइना जैसे बड़े बैंकों से है वहां हम छोटे आकार के होकर नहीं टिक सकेंगे और इस समस्या का समाधान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का विलय ही है. कई बार कुछ आंकड़े विलय की आवश्यकता को नकारते हैं. विलय के शुरुआती दिनों में कई बार तुलन पत्र के आंकड़े कुछ नकारात्मक प्रभाव भी दर्शाते हैं लेकिन ये नकारात्मक प्रभाव अस्थायी होते हैं और समय के साथ ये तुलन पत्र की मजबूती में परिवर्तित हो जाते हैं. बैंक ऑफ बड़ौदा ने समामेलन के अगले ही तिमाही में 711 करोड़ का लाभ दर्शाया है जो विलय/समामेलन की सार्थकता सिद्ध करता है. हो सकता है शुरुआती दिनों मे कुछ समस्याएँ झेलनी पड़े लेकिन वे अस्थायी हैं. विश्व स्तर पर राष्ट्र का विकास और राष्ट्रहित सर्वोपरि है. इस संदर्भ में एक कवि ने ठीक ही कहा है कि

''यूं ही नहीं होती जिंदगी में तब्दीलियाँ,
रौशन होने के लिए मोम को भी पिघलना पड़ता है.''

❖❖❖

जया मिश्रा
वरिष्ठ प्रबन्धक, बड़ौदा अकादमी
नई दिल्ली

टीम भावना के साथ संस्था को आगे बढ़ाएं

– नागेश श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

श्री नागेश श्रीवास्तव 31 जनवरी, 2019 को बैंक से सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 36 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप बैंक के कार्पोरेट ऋण एवं संस्थागत संबंध विभाग का नेतृत्व कर रहे थे. टीम बॉबमैत्री ने श्री श्रीवास्तव से उनके जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, उनसे बातचीत के कुछ अंश – संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.?

मैं मूल रूप से फिरोजाबाद (यू.पी.) का रहने वाला हूं. पिताजी इलाहाबाद बैंक में थे. बाद में 1971 में हमारा परिवार लखनऊ आ गया. वर्ष 1980 में एम.एससी(कृषि) की पढ़ाई के दौरान ही एसबीआई ज्वाइन कर लिया. डेढ़ वर्ष वहां काम करने के बाद दिनांक 24.04.1982 को मैने बैंक ऑफ़ बड़ौदा की सेवा ग्रहण की. मैंने कम्प्यूटर इंजिनियरिंग में डिप्लोमा एवं CAIIB भी किया है.

आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना?

पिताजी बैंक में थे, अतः मुझे हमेशा यह लगता था कि बैंक की नौकरी अच्छी है. उन दिनों बैंक में कृषि अधिकारियों की भर्ती हो रही थी, मैंने सोचा कि कृषि विज्ञान की पढ़ाई करने के बाद इससे जुड़ी नौकरी करना ठीक रहेगा. उन दिनों बैंक अधिकारी का समाज में काफी क्रेज था और समाज में काफी प्रतिष्ठा थी जो कि अभी भी है और लोग उनका सम्मान भी करते हैं. यही सब सोचकर मैंने बैंक ज्वाइन किया.

आपको बैंक की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है, इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा?

बैंक में हर स्तर पर काम करने में अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया और मुझे सभी पोस्टिंग में नए–नए ढंग का कार्य करने का मौका मिला जो मेरे कॅरियर को आगे बढ़ाने में काफी सहायक साबित हुई. मेरे जीवन का सबसे अविस्मरणीय अनुभव अपनी गोमती नगर शाखा (लखनऊ) से जुड़ा है. मैंने इस शाखा की शुरूआत की थी और इसके आरंभ से हमारे तत्कालीन कार्यपालक निदेशक श्री पी. एस. शेणॉय सर ने मुझे कहा था कि इस शाखा का प्रमुख नियुक्त करते हुए मैं आपको एक चुनौती दे रहा हूं कि आप कारोबार के सभी मानदंडों पर बैंक के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें और यदि आप ऐसा कर पाते हैं तो हम बोर्ड की आगामी बैठक लखनऊ में रखेंगे. ईश्वर के आशीर्वाद और टीम के सदस्यों की लगन से हमारा लक्ष्य पूरा हुआ. इस बीच श्री शेणॉय जी हमारे सीएमडी हो चुके थे और उन्होंने अपने वादे के अनुसार बैंक बोर्ड की बैठक लखनऊ में आयोजित करायी और इसके दौरान हमारी टीम को सम्मानित किया गया, साथ ही हमें अपना प्रजेन्टेशन देने का भी मौका मिला ताकि हम बोर्ड के समक्ष अपनी कार्यप्रणाली से उपस्थित कार्यपालकों को अवगत करा सकें. एक वरिष्ठ प्रबंधक के लिए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती थी?

आप बैंक के कार्पोरेट एवं संस्थागत संबंध जैसे महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो संभाल रहे थे और कार्पोरेट क्षेत्र में बैंक के लिए ऋण विस्तार की अपार संभावनाएं हैं. कार्पोरेट क्षेत्र में मौजूद ऋण संभावनाओं का अधिकतम लाभ कैसे उठाया जा सकता है और इसके लिए बैंक की क्या कार्यनीति होनी चाहिए?

इस क्रम में मैं अपने प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी.एस. जयकुमार जी को पूरा श्रेय देता हूं, जिन्होंने इस नए विभाग की शुरूआत करायी और मुझ पर भरोसा करके इस नए विभाग का पहला प्रभारी महाप्रबंधक नियुक्त किया. इसकी स्थापना करने के पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य यही था कि हम कॉर्पोरेट जगत में यह संदेश फैलाना चाहते थे कि बड़े कार्पोरेट ऋण में हमारे बैंक की सहभागिता है. अब हमारा यह लक्ष्य होना चाहिए कि हम ऐसे कॉर्पोरेट ग्राहकों की वित्तीय आवश्यकताओं का निरंतर आकलन करते हुए उन्हें अपनी सेवाएं उपलब्ध कराएं.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

मैंने पूरे सेवाकाल के दौरान बैंक को अपना पूरा समय दिया. इसके साथ ही मैंने अपने परिवार का भी पूरा ध्यान रखा. बैंक के बाहर निकल जाने के बाद मैं घर–परिवार के लिए सोचता था. बैंक हमारी मातृ संस्था है, इसलिए हमें इसके प्रति पूरी तरह समर्पित होना चाहिए, मगर साथ ही परिवार के लोगों को भी साथ लेकर चलना चाहिए. बिना पारिवारिक सहयोग के तो आप संस्था को अपना शत प्रतिशत नहीं दे सकते हैं.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संदर्भ में?

आज बैंकिंग के क्षेत्र में लगातार नई–नई चुनौतियां सामने आ रही हैं. बदलती हुई आर्थिक परिस्थितियों में हमें पहले से भी ज्यादा सतर्क होकर और सरकारी निर्देशों के अनुसार ही काम करते जाना है. जहां तक अपने बैंक का सवाल है. हमारे बैंक की कार्य संस्कृति काफी अच्छी है, जिसे समय–समय पर उद्योग जगत ने भी काफी सराहा है. हमें आशा है कि हम निरंतर अच्छे कार्यनिष्पादन करते रहेंगे. बैंक के कार्यनिष्पादन के आधार पर ही सरकार ने मर्जर के लिए बड़े बैंक के रूप में हमारा चयन किया है.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

बैंक का भविष्य काफी उज्ज्वल है. आप देखिए कि बड़े–बड़े बैंकों के पीसीए में आने के बावजूद हमारा बैंक अच्छी तरह परफॉर्म करता रहा और हमने ऐसे कठिन दौर में भी अपनी लाभप्रदता बढ़ायी. यह हमारी सुदृढ़ स्थिति का सूचक है. मैं अपने युवा साथियों को कहना चाहता हूं कि अपने काम में ऑनरशिप लें, तभी सफल हो सकते हैं. साथ ही आईटी और अन्य क्षेत्रों में आ रही चुनौतियों को आत्मसात करते हुए कारोबार वृद्धि में अपना अमूल्य योगदान दें और टीम भावना के साथ काम करते हुए संस्था को आगे ले जाने में सहयोग करें.

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीय कर रहे हैं?

मेरा मानना है कि 60 वर्ष की उम्र इतनी ज्यादा नहीं है कि हम अपने को पूर्ण रूप से सेवानिवृत्त समझ लें. मैं चाहता हूं कि अपने ज्ञान और अनुभव का प्रयोग कर सकूं तो अच्छा है. सेवानिवृति के बाद मैं कुछ समय के लिए मुंबई में ही हूँ और आप कभी भी मेरे मोबाइल नं. 7045831399 पर संपर्क कर सकते हैं.

❖❖❖

The 'D' Factor

D- it's not just the fourth member of English alphabet family, rather may be the most interesting one as you go on reading this piece. As a banker, mentioning this one letter may now remind you of so many things at once, like, deposit, debt, debenture, denomination, depreciation, disbursements, defaults etc. Being sincere in exercising your duty is worth appreciating, but if these are the only things you are continuously engrossed with and taking yourself to the danger zone of diseases and disaster, that cannot be considered as a satisfactory life performance. Assignment should be completed, but not at the cost of health!

In today's competitive and fast world, so many factors are causing the most common problems to almost everyone and every day, be it in the field of study, career, art or anything that involves people more than one. That problem is named- 'Stress'! This mental hazard is in turn causing physical complications. Then, what's the solution of this cumulative crisis? De-Stress !

Yes, you have read the word right. We all know that it doesn't seem that easy to apply in reality as easy to say. Hence, now we will explore each letter and get to know some simple but effective tricks to win over this challenge thrown by life.

Diet:- Are you skipping your breakfast or lunch due to meeting or pending tasks? Are you taking junk food in between for killing your hunger? Then you are killing yourself too! If you need to increase pace of eating to attend a meeting, that is way better option than skipping it. Replace junk food with fruits, green vegetables and plenty of water. Maintaining proper diet and taking meals in proper intervals is the first step towards a balanced life.

Exercise:- Don't have time in the morning? Tired in the evening? We want to talk about exercise here, not excuses. Just half an hour time from 24 hours of a full day is to be devoted for some simple and free hand exercises including meditation. This is surely the second most important step to arm your body and mind against 'Stress' enemy.

Smile:- When you smile, movements of the muscles in your face triggers brain to release neurotransmitters called endorphins. Endorphins are responsible for making us feel happy, and they also help in lowering stress levels. As you smile, you create a positive and happy environment in your surroundings. Hence, keep your worries aside and smile. Also, if possible, try to make at least one person smile each day. Your DESTRESS squad will get stronger by this act.

Travel:- There are so much to see, experience and feel beyond your every day's familiar world. When you are exposed to the bigger world, it becomes easier to realize the limitations you unnecessarily put on yourself because of your problems and worries. Life is not meant for confining yourself in the cocoon of worries and tension. Take breaks and travel!

Read:- Devote at least half an hour of your day to a good book. You can schedule it just after you wake up to a beautiful morning, or while you are sipping your evening tea after coming back from work, or before you go to your bed to restore your energy for the next fresh day. Choose a book which is no way directly related to your work. It should not necessarily be on some pre-defined subject. A wide variety of genre is awaiting your interest in the ocean of books. While exploring that wonderful world, your body and mind will get relaxed on their own, which will in turn reduce your stress quotient. Make reading your most favorite habit!

Erase:- We all get good days and bad days at work, amidst traffic and at home too. When you face such an unfavorable situation, try your best to control how you react to it. But the next most important thing is, erase the moment's bad impact from your mind as soon as you can. Do not keep on carrying unnecessary burden of negative feelings in your mind. It has much more important and useful things to store, rather than memory of an argument with your client or difference of opinions with your colleague/seniors.

Sing:- You love to listen to songs, you hum the music, but you feel uncomfortable to sing because of being a bit off tune. If that's the scenario, you must keep in mind that you are not preparing yourself for any singing audition. When stress starts to set in your system, find a comfortable place for you, close your eyes and sing your favorite songs from your heart. Even if you don't know exactly what physiological changes it is bringing in your system, you can definitely feel that your mood is getting better with every passing minute. Isn't that the thing we are concerned about?

Silent stroll:- In today's world full of cacophony, sometimes a peaceful stroll in darkness and silence, can have a miraculous effect to keep your nerves calm. It would be a beautiful experience to get back the composure after a hectic day investing few moments in solo and silent stroll.

A fit body and relaxed mind can help you excel more in your work as well as in life. Working is for adding value to your life and your family. Health is not meant to be the exchange value for it. Striking a perfect balance between work and life is what makes you a successful person in all the bright spheres of life. So, don't allow more **D**amages to yourself, start the process of **DESTRESS** today!

❖❖❖

Reema Mukhopadhyay
Information Security Deptt.
Baroda Corporate Centre,
Mumbai

स्थापना दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालय, जूनागढ़

स्थापना दिवस के अवसर पर जूनागढ़ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा ग्राहक जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री जे बी रोहड़ा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा क्षेत्रीय कार्यालय के साथ-साथ विभिन्न शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, फतेहपुर

फतेहपुर क्षेत्र द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर फतेहपुर के जिलाधिकारी श्री संजीव कुमार सिंह तथा क्षेत्रीय प्रमुख श्री अतुल कुमार खरे के नेतृत्व में एक रक्तदान शिवर का आयोजन किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, गोरखपुर

गोरखपुर क्षेत्र द्वारा बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए. कार्यक्रम की शुरुआत अंचल प्रमुख श्री बसंत सिंह चौधरी तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय कुमार सिंह द्वारा केक काटकर की गई. इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर द्वारा बैंक के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त स्टाफ-सदस्यों तथा नागपुर शहर की शाखाओं के स्टाफ सदस्यों एवं उनके परिजनों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्री वी एम एन एस साईबाबू, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री विकास कुमार, श्री एस के राणा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, औरंगाबाद

क्षेत्रीय प्रमुख श्री रामावतार पालीवाल की अगुवाई में स्थापना दिवस पर औरंगाबाद क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से क्षेत्रीय कार्यालय तथा स्थानीय शाखाओं के स्टाफ सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, पणजी

क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमूल्य कुमार के नेतृत्व में क्षेत्रीय कार्यालय, पणजी द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा मैजिक शो का भी आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Foundation Day Celebration

क्षेत्रीय कार्यालय, कोल्हापुर

कोल्हापुर क्षेत्र में बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर जागरुकता हेतु एक बाइक रैली निकाली गई और स्टाफ सदस्यों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक कुमार चौधरी एवं काफी संख्या में स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जलगाँव

क्षेत्रीय कार्यालय, जलगांव द्वारा स्थापना दिवस कार्यक्रम में समाजिक सरोकार के तहत स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक दायित्व एवं मनोरंजन पर रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरुण मिश्रा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजेश गुप्ता एवं डॉ. भीवाराम चौधरी और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर द्वारा बाईक रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर भुवनेश्वर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सोमनाथ नंद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री भारत भूषण एवं श्री हरिशचंद्र सिन्हा तथा अन्य स्टाफ उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जमशेदपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, जमशेदपुर द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बाईक रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर जमशेदपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री जगदीश तुंगारिया एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनीस कुमार सहित विभिन्न स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुज़फ़्फ़रपुर

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुजफ्फरपुर क्षेत्र द्वारा लेप्रोसी मिशन संस्था, मुजफ्फरपुर के मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुभाष सुमन को संस्था के सेवार्थ 2 डेजर्ट कूलर एवं 4 व्हील चेयर प्रदान किए गए. इस अवसर पर मुजफ्फरपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री बाणीब्रत विश्वास, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सी बी पी वर्मा, रामबाग शाखा के शाखा प्रमुख श्री राजेश कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, गया

बैंक के 112 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गया क्षेत्र द्वारा बालसुधार गृह में वाटर कूलर तथा वाटर फिल्टर भेंट किए गए तथा बालसुधार गृह के बच्चों को वस्त्र वितरित किए गए. इस अवसर पर गया क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

स्थापना दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर संबलपुर क्षेत्र द्वारा संबलपुर स्थित दृष्टिबाधित व मूक एवं बधिर विद्यालय के छात्रों के लिए खेल सामग्री, म्यूजिकल की–बोर्ड एवं कूलर भेंट किए गए. इस अवसर पर संबलपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक गुप्ता, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिरूद्ध मिश्र तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, पूर्णिया

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत पूर्णिया क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री जगजीव कुमार जायस, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजय कुमार श्रीवास्तव के कर–कमलों से स्थानीय एनजीओ को सिलाई मशीन भेंट की गई.

क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली महानगर क्षेत्र 1

क्षेत्रीय कार्यालय, दिमक्षे–1 में केक काटकर स्थापना दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) श्री आर के मिगलानी, अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, उप अंचल प्रमुख श्री आर पी बब्बर, क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री पी के सिंह एवं श्री बलजीत सिंह तथा क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली महानगर क्षेत्र 2

बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली महानगर क्षेत्र–2 द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर तथा क्षेत्रीय प्रमुख श्री मधुर कुमार के कर कमलों से एससी/एसटी समुदाय की निम्न आय वर्ग की 5 मेधावी छात्राओं को छात्रवृति प्रदान की गई.

क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली महानगर क्षेत्र 3

बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली महानगर क्षेत्र– 3 की इंदिरापुरम शाखा में भारत सरकार के सड़क व परिवहन राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) श्री वी के सिंह द्वारा शाखा परिसर में वृक्षारोपण किया गया. इस कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री आर पी बब्बर, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अश्वनी शर्मा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी. एस. गुप्ता, श्री के पी शर्मा एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे. इस अवसर पर सरकारी स्कूल में दो वाटर कूलर, पांच एयर कूलर भी भेंट किए गए.

क्षेत्रीय कार्यालय, इलाहाबाद

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, इलाहाबाद (प्रयागराज) के तत्वावधान में क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं से संबंधित किसान ग्राहकों हेतु मेगा ऋण शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला अधिकारी श्री भानु चंद्र गोस्वामी, महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) श्री रमेश कुमार मिगलानी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Foundation Day Celebration

क्षेत्रीय कार्यालय, फैजाबाद

फैजाबाद क्षेत्र द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर सामाजिक दायित्व के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर राजर्षि दशरथ राजकीय मेडिकल कालेज, दर्शन नगर के प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में क्षेत्रीय प्रमुख श्री निहार रंजन प्रधान, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री पी पी यादव, मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जामनगर

स्थापना दिवस के अवसर पर जामनगर क्षेत्र द्वारा सामाजिक सरोकार से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम जैसे जागरूकता रैली, रक्त दान शिविर, वृक्षारोपण आदि का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के राठोड, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री विकास चावला तथा विभिन्न शाखाओं के लगभग 250 से अधिक स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, नासिक

हमारे नासिक क्षेत्र द्वारा बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर जागरुकता हेतु बाईक रैली का आयोजन किया गया. बाईक रैली का शुभारंभ सहायक पुलिस आयुक्त श्री अशोक नखातेजी ने किया. इस अवसर पर नासिक क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश खैरनार, सभी शाखा प्रमुख और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर वाराणसी क्षेत्र द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में आईआईटी के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर वाराणसी के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) श्री गौरांग राठी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रतीक अग्निहोत्री, समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक श्री कन्हैया लाल गुप्ता तथा विभिन्न स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, बर्द्धमान

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर बर्द्धमान क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबन्धक श्री शांतनु मुखर्जी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिलीप कुमार प्रसाद तथा स्टाफ सदस्यों के साथ उनके बच्चे एवं बैंक के सेवानिवृत कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भरूच

भरूच क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के गोयल की अगुवाई में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस उपलक्ष्य में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर एम गौतम, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ़ सदस्य उपस्थित थे.

स्थापना दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में उदयपुर क्षेत्र में हैल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया जिसमें बैंक के वर्तमान एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की गयी. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अशोक डंगायच तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रजित कुमार दिवाकर सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल

क्षेत्रीय प्रमुख श्री सत्य प्रकाश की अगुवाई में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर करनाल क्षेत्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के साथ-साथ जागरूकता रैली का आयोजन किया गया. रैली का शुभारंभ 112 गुब्बारे हवा में छोड़कर किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सरबजीत सिंह एवं श्री अंजनी कुमार सिंहल सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत शहर क्षेत्र

बैंक के 112 वें स्थापना दिवस के अवसर पर कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत सूरत शहर की सभी शाखाओं द्वारा पूरे दिन अलग-अलग सामाजिक गतिविधियां की गई और साथ में बेहतर ग्राहक सेवा के लिए कस्टमर मीट का आयोजन भी किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री के के सिंह और श्री हितेश कोया, डीडीओ, सूरत ने केक काटकर और वृक्षारोपण कर कार्यक्रम की शुरूआत की.

क्षेत्रीय कार्यालय, आणंद

आणंद क्षेत्र में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्री के जे ठक्कर प्राथमिक विद्यालय में स्कूल बैग एवं किट का वितरण किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के पाटील एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद विमल तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कोटा क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के मीना एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एम ए मेहरा एवं श्री मोअज़्ज़म मसूद की अगुवाई में ग्राहक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. सभी गतिविधियों में स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर उप महाप्रबंधक सुश्री सविता डी केणी के नेतृत्व में बीकानेर शहर के गंगाशहर स्थित देवेन्द्र योग संस्थान द्वारा संचालित संस्कार उच्च प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को पानी की बोतल एवं टिफिन बॉक्स वितरित किए गए. इस अवसर पर बीकानेर क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिवानन्द एवं श्री योगेश यादव तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Foundation Day Celebration

बड़ौदा एपेक्स अकादमी, गांधीनगर

बड़ौदा एपेक्स अकादमी द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर जागरुकता रैली का आयोजन किया गया तथा चैतन्य स्कूल में 112 पौधे लगाए गए. इस अवसर पर बैंक की मुख्य शिक्षण अधिकारी श्रीमती अर्चना पांडेय, अकादमी के प्रधानाचार्य श्री पंकज जानी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलूरु उत्तर क्षेत्र

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर बेंगलूरु उत्तर क्षेत्र के अंतर्गत सुब्रमन्यनगर शाखा में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बेंगलूरु क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री शरत कुमार पाणिग्रही तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल उत्तर

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल उत्तर द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्टाफ सदस्यों के बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और प्रतियोगिता के विजेताओं को क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर सी यादव ने पुरस्कार प्रदान किए. इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिवाकर प्रसाद सिंह की अगुवाई में अजमेर क्षेत्र द्वारा विभिन्न गतिविधियों के क्रम में वाहन रैली और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 51 यूनिट रक्त दान किया गया. इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता कर कार्यक्रमों को सफल बनाया.

क्षेत्रीय कार्यालय, लुधियाना

लुधियाना क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रमुख श्री वाई के गुप्ता के नेतृत्व में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस उपलक्ष्य में एक संस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय सहित विभिन्न शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा जिला क्षेत्र

बड़ौदा जिला क्षेत्र में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस दौरान आयुर्वेदिक हॉस्पिटल कैम्पस, सावली में रक्तदान शिविर, निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर, चश्मा वितरण शिविर तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती ज्योति पटेल एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद उपस्थित रहे.

स्थापना दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालय, उडुपी

स्थापना दिवस के अवसर पर उडुपी क्षेत्र द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया. मुख्य समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन कर की गई. इस अवसर पर मणिपाल एकेडमी ऑफ़ हायर एजूकेशन के प्रोचांसलर श्री एच एस बलाई, पूर्ववर्ती विजया बैंक के पूर्व कार्यपालक निदेशक श्री के आर शिनॉय, उडुपी के प्रख्यात समाज-सेवी डॉ. जी शंकर तथा उडुपी क्षेत्र के कार्यपालक उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, हसन

हसन क्षेत्र द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में येत्तिनाहोल प्रोजेक्ट के सहायक आयुक्त श्री गिरीश नंदन उपस्थित रहे. इस उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान हसन क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री के आर कगादल तथा अन्य स्टाफ सदस्य और विभिन्न ग्राहकगण भी उपस्थित रहे.

पर्यावरण संरक्षण में यज्ञ की भूमिका

वैश्विक उष्मा (ग्लोबल वार्मिंग) आज के युग में एक वैश्विक चर्चा का विषय बना हुआ है. संपूर्ण विश्व में सभी विद्वान वैज्ञानिक इससे बचाव के अनेकानेक उपाय खोज रहे हैं. हम सभी जानते हैं कि पर्यावरण की रक्षा कर हम ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कम कर सकते हैं. पर्यावरण की रक्षा में पेड़ों, वनस्पतियों और जगलों/वनों की महती भूमिका है और भारतीय दर्शन में इन्हीं वनस्पतियों के सहारे 'यज्ञ' कर्म करने की बात की गई है.

'यज्ञ' शब्द का उच्चारण मात्र ही शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक शांति प्रदान करने वाला है. सृष्टि के आरंभिक काल से ही 'यज्ञ' को महत्व दिया जा रहा है. हमारे वेद ग्रन्थों व ऋषि मुनियों ने भी इसकी अनिवार्यता व गुणवत्ता को समझते हुए हमें इसे जीवन का अभिन्न अंग बनाने का सुझाव दिया. उनके अनुसार यज्ञ केवल एक कर्मकाण्ड ही नहीं, अपितु धरती का लघु सूर्य है. देश-विदेश में अनेक स्थानों पर किए जा चुके परीक्षणों से यह सिद्ध हो चुका है कि यज्ञ मात्र एक धार्मिक पूजा-पाठ ही नहीं अपितु वर्तमान के प्रदूषित वातावरण से मुक्त रहने का एक महान सुरक्षा कवच है. यज्ञ जहां मानसिक, शारीरिक तथा वनस्पतियों के प्रयोग से विभिन्न रोगों को दूर करके उन्हें स्वस्थ तथा उन्नत करता है, वहीं वर्तमान के प्रदूषित वातावरण से बचने का एक प्रमुख वैज्ञानिक साधन भी है.

वर्तमान का प्रत्येक बुद्धिजीवी समाज में बढ़ते हुए प्रदूषित वातावरण से विशेष चिन्तित है क्योंकि इससे बढ़ने वाले कैंसर, दमा, पोलियो, एलर्जी, स्वाईन फ्लू आदि घातक रोग भयावह रूप धारण कर चुके हैं. बुद्धिमान व्यक्ति की बड़ी-बड़ी डिग्रियां तथा धनवान व्यक्ति की बड़ी-बड़ी धनराशियां कुछ भी काम नहीं आती, यदि आधुनिक व्यक्ति इन रोगों के आतंक से मुक्ति चाहता है तो वह प्रतिदिन अपने घर में इन वनस्पतियों/औषधियों के उपयोग द्वारा यज्ञ किया करे. प्रातः काल केवल बीस मिनट के समय में थोड़ी सी सामग्री तथा घृत से होने वाला यज्ञ/हवन आपको चौबीस घण्टे तक एक कवच की तरह प्रदूषित वातावरण से बचाता रहेगा.

विज्ञान के मूलस्त्रोत अथर्व वेद में यह भी वर्णित है कि यज्ञ/हवन करने वालों को यज्ञ/ हवन की पावन अग्नि मृत्यु की कोख से भी बचा लाने की शक्ति रखती है. आप सभी ने समाचार पत्रों में पढ़ा होगा कि भोपाल गैस त्रासदी के दौरान वो परिवार कम प्रभावित हुए थे जिन घरों में यज्ञ/हवन होता था. यज्ञ की इस वैज्ञानिक प्रक्रिया द्वारा पर्यावरण शुद्ध होता है तथा उसमें पुनः ऑक्सीजन की वृद्धि होती है. इस प्रकार यज्ञ हमें अनेक रोगों व प्राकृतिक आपदाओं से बचाता है.

अतः यज्ञ की उपरोक्त विशेषताओं को देखते हुए हमें पर्यावरण की शुद्धि, रोगों की निवृत्ति एवं दीर्घायु हेतु यज्ञ/हवन करना चाहिए.

❖❖❖

एन. के. छाबड़ा
मुख्य प्रबंधक (एचआरसीपीसी)
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

अनुशासनात्मक कार्यवाही-प्रक्रिया एवं सक्षम प्राधिकारी

''किसी भी संगठन की स्थिरता और ब्रांड छवि को बनाने में अनुशासित माहौल एक महत्वपूर्ण बुनियादी कारक है जो उत्पादकता वृद्धि और लाभप्रदता में योगदान देता है। एक संगठन में कार्य करने वाला अधिकारी या कर्मचारी नियमों, विनियमों, कानूनों, व्यवस्थाओं एवं मान्यताओं को जानता है और उन्हें पूरा करने में सक्षम है, उसके पश्चात भी यदि वह सोच-समझ कर दोषपूर्ण व्यवहार करता है तब अनुशासनात्मक कार्रवाई आवश्यक हो जाती है.''

केलहोन के अनुसार ''अनुशासन एक शक्ति है, जो व्यक्तियों तथा समूह को उन नियमों, प्रमापों या मानकों और पद्धतियों के अनुशीलन हेतु प्रेरित करती है जिन्हें एक संगठन के लिए आवश्यक समझा जाता है.''

अनुशासनात्मक कार्यवाही:

संगठन के नियमों, विनियमों, व्यवस्थाओं एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों की अनुपालना न करने की दशा में जो सुधारात्मक कार्यवाही की जाती है, उसे अनुशासनात्मक कार्यवाही कहते हैं.

जूसियस के अनुसार, ''अनुशासनात्मक कार्यवाही का अर्थ अवज्ञा को यदि संभव हो तो उसके कारणों को ठीक करने हेतु लिए गए कदमों से है.''

हमारे बैंक में अनुशासनात्मक मामलों में अनुपालन की जाने वाली प्रक्रिया एवं विभिन्न सक्षम प्राधिकारियों के संबंध में हम इस लेख के माध्यम से समझने का प्रयास करेंगे.

अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रश्न मुख्य रूप से दो कारणों से उत्पन्न होता है. जब कोई खाता गैर निष्पादक आस्ति में वर्गीकृत होता है अन्यथा परिचालन एवं कार्मिक अवज्ञा संबंधी कोई अनियमितता पाई गयी हो.

हम यहाँ पर मुख्य रूप से ऋण संबंधी मामलों में अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित चर्चा करेंगे.

जब कोई खाता गैर निष्पादित परिसंपत्ति में वर्गीकृत हो जाता है या बैंक को सतर्कता दृष्टिकोण संबंधी कोई शिकायत प्राप्त होती है तो धोखाधड़ी/संदेहास्पद धोखाधड़ी का पता चलने पर, निरीक्षण एवं लेखा-परीक्षा आदि में गंभीर अनियमितता मिलने पर, यह आवश्यक हो जाता है कि भारतीय रिज़र्व बैंक/केंद्रीय सतर्कता आयोग/वित्त मंत्रालय के मौजूदा निर्देशों के अनुरूप स्टाफ जवाबदेही की जांच की जाए.

गैर निष्पादक बने खाते के मामले में स्टेटस नोट के आधार पर और/या शिकायत/धोखाधड़ी/संदेहास्पद धोखाधड़ी पाए जाने पर/अनियमितता आदि के आधार पर स्टाफ जवाबदेही की जांच की जाती है. सभी गैर निष्पादक खातों में दो तिमाही की स्थगन अवधि के बाद स्टाफ जवाबदेही का परीक्षण किया जाता है. तथापि यह त्वरित नश्वरता मामलों में और मानक से हानि वर्ग में सीधे गैर निष्पादक आस्तियों में वर्गीकृत खातों के लिए लागू नहीं है. ऐसे खातो में त्वरित जांच का प्रावधान है.

स्टाफ जवाबदेही की जांच पर विचार करने के लिए निम्नलिखित सक्षम प्राधिकारी हैं :

i. क्षेत्रीय समिति (सी स्तरीय खातों के लिए वर्गीकृत) – श्रेणी I, II या III की वर्गीकरण वाली शाखाओं द्वारा मंजूर या बढ़ोत्तरी के साथ समीक्षित सभी अग्रिम खाते

ii. अंचल समिति (बी स्तरीय खातों के लिए बनाई गई) – श्रेणी IV और उससे ऊपर के रूप में वर्गीकरण वाली शाखाओं या क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर मंजूर या बढ़ोत्तरी के साथ समीक्षित सभी अग्रिम खाते

iii. कॉर्पोरेट समिति (ए स्तरीय खातों के लिए वर्गीकृत) – अंचल कार्यालय/कॉर्पोरेट कार्यालय प्राधिकारियों द्वारा मंजूर या बढ़ोत्तरी के साथ समीक्षित अग्रिम खाते

केवल संबंधित समिति द्वारा अनुशंसित और दो तिमाहियों की स्थगन अथवा कूलिंग अवधि के बाद एनपीए वर्ग में जारी खातों के लिए ही स्टाफ जवाबदेही की जांच की जाती है.

जहां पर संबंधित समिति (ए, बी या सी) द्वारा प्रथम दृष्टया स्टाफ जवाबदेही की आवश्यकता महसूस की जाती है उन मामलों में जांच की जाती है. जांच कराने हेतु प्राधिकारी/जांच करने वाले अधिकारियों का स्तर निम्नानुसार है :

सीमा	प्राधिकारी	जांचकर्ता
रू. 1.00 करोड़ तक	क्षेत्रीय प्रमुख	श्रेणी III एवं IV के प्राधिकारियों द्वारा
रू. 1.00 करोड़ से अधिक और रू. 5.00 करोड़ तक	अंचल प्रमुख	किसी अन्य क्षेत्र के IV एवं उससे ऊपर के प्राधिकारियों द्वारा

रू. 5.00 करोड़ से अधिक और रू.10.00 करोड़ तक	अंचल प्रमुख– आंचलिक निरीक्षण एवं आडिट विभाग प्रमुख को निर्देशित करता है.	आंचलिक निरीक्षण एवं आडिट विभाग के श्रेणी IV एवं उससे ऊपर के प्राधिकारियों द्वारा
रू. 10.00 करोड़ से अधिक	अंचल प्रमुख– केंद्रीय निरीक्षण एवं आडिट विभाग प्रमुख को अनुरोध करता है.	आंचलिक निरीक्षण एवं आडिट विभाग प्रमुख द्वारा, जिनकी सहायता श्रेणी III एवं IV के प्राधिकारी करते है.

गैर निष्पादक खातों में स्टाफ जवाबदेही की जांच के अलावा परिचालनगत मामलों के कारण उत्पन्न दुराचार के मामले भी हो सकते हैं. ऐसे मामलों में भी उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा जांच कराई जाती है.

जांचकर्ता अधिकारी अपनी रिपोर्ट समनुदेशिती अधिकारी को सौंपते हैं जो यह रिपोर्ट अंचल प्रमुख को प्रस्तुत करते हैं. अंचल प्रमुख यह रिपोर्ट अनुशासनात्मक प्राधिकारी को प्रस्तुत करते हैं.

स्टाफ जवाबदेही रिपोर्ट की जांच करने के लिए निम्नांकित दिशानिर्देश हैं:

1. जांचकर्ता प्राधिकारी से स्टाफ जवाबदेही रिपोर्ट की जांच प्राप्त होने पर इसे स्टाफ जवाबदेही की जांच अर्थात रिपोर्ट की स्वीकार्यता और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने या अन्यथा हेतु उपयुक्त अनुशासनात्मक प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है. स्टाफ जवाबदेही रिपोर्ट की जांच के अनुरूप जांच रिपोर्ट के पुनरीक्षण की आवश्यकता नहीं होती है.
2. जहां पर जांच रिपोर्ट में यह पाया जाता है कि अनियमितताओं के लिए जवाबदेह प्राधिकारी का निर्धारण गलत हुआ है वहां अनुशासनात्मक अधिकारी उस प्राधिकारी, जिसने जांच सौंपी थी, के संज्ञान में मामला लाता है और यदि जांच प्राधिकारी के स्तर पर अनियमितताएं पायी जाती हैं तो उसे अलग से देखा जाता है.
3. जहां स्टाफ जवाबदेही के निर्धारण के पहले ही ऐसे अग्रिम खाते, जो एनपीए/त्वरित नश्वरता में वर्गीकृत होते हैं, बैंक को कोई राजस्व हानि हुए बिना खातों को पूर्ण रूप से समायोजित किया गया है, सामान्य तौर पर ऐसे मामलों में स्टाफ जवाबदेही की जांच नहीं की जाती है जब तक कि कोई विशेष कारण/कारक न हों.
4. स्टाफ जवाबदेही की जांच करते समय यदि अनुशासनात्मक अधिकारी तथ्यों एवं समर्थित दस्तावेजों के आधार पर यह पाता है कि जांचकर्ता प्राधिकारी के द्वारा बताई गई अनियमितताएं/कमियां वास्तव में संबंधित प्राधिकारी (रियों) से संबंधित नहीं है तो वह यह निर्णय ले सकते है कि कोई स्टाफ जवाबदेही नहीं है.

इस संबंध में आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए सक्षम अधिकारियों से संबन्धित विवरण इस प्रकार है :–

अनुशासनात्मक/ सक्षम प्राधिकारी :

अनुशासनात्मक/सक्षम प्राधिकारी						
	अवार्ड स्टाफ/अधिकारी			सेवानिवृत अधिकारी		
वेतनमान	सक्षम प्राधिकारी	अपील	समीक्षा	सक्षम प्राधिकारी	अपील	समीक्षा
अवार्ड स्टाफ	क्षेत्रीय प्रमुख (वेतनमान V)	उप अंचल प्रमुख	---	महाप्रबंधक (अनु कार्य)	कार्यपालक निदेशक	---
I, II	उप अंचल प्रमुख (वेतनमान VI)	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	महाप्रबंधक (अनु कार्य)	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
III	अंचल प्रमुख (वेतनमान VII)	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	महाप्रबंधक (अनु कार्य)	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
IV	अंचल प्रमुख (वेतनमान VII)	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	बोर्ड
V	महाप्रबंधक (अनु कार्य)	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	बोर्ड
VI	कार्यपालक निदेशक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	बोर्ड	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	बोर्ड की समिति	बोर्ड
VII	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	बोर्ड की समिति	बोर्ड	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	बोर्ड की समिति	बोर्ड

जवाबदेही निर्धारण के पश्चात निम्नांकित कदम उठाए जाते हैं :

1. ऐसे मामलों में जहां अनुशासनात्मक अधिकारी रिपोर्ट से संतुष्ट हैं और उसे स्वीकार करते हैं तथा उनका यह मत है कि जांचकर्ता अधिकारी द्वारा जिस अधिकारी के विरूद्ध अनियमितताएं/कमियां रिपोर्ट की गई हैं, उसके विरूद्ध उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है, वहां अनुशासनात्मक अधिकारी संबंधित प्राधिकारियों को स्पष्टीकरण नोट जारी करते हैं.
2. स्पष्टीकरण नोट का प्रत्युत्तर प्राप्त होने पर यदि अनुशासनात्मक अधिकारी संतुष्ट होते हैं तो वह मामले को बंद कर सकते हैं और यदि वह संतुष्ट नहीं हैं तो सतर्कता या गैर सतर्कता (वित्तीय) के रूप में वर्गीकरण करने के लिए मामले को आंतरिक सलाहकार समिति (आईएसी) को भेजा जाता है.

3. आंतरिक सलाहकार समिति मामले को सतर्कता या गैर सतर्कता (वित्तीय) के रूप में वर्गीकृत करती है और परामर्श के लिए उसे मुख्य सतर्कता अधिकारी को भेजती है अन्यथा आंतरिक सलाहकार समिति मामले पर पुनः विचार करने के लिए संबंधित अनुशासनात्मक अधिकारी को वापस भी कर सकती है.
4. वर्गीकरण के बाद, यदि मामले को सतर्कता के रूप में वर्गीकृत किया गया है तो अनुशासनात्मक अधिकारी यह निर्णय लेता है कि बडी दंडात्मक कार्रवाई की जाए या छोटी और फिर मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रथम स्तरीय रिपोर्ट (एफएसआर) भेजी जाती है। यदि मामले को गैर सतर्कता (वित्तीय) के रूप में वर्गीकृत किया गया है तो केन्द्रीय प्राधिकारी को गैर सतर्कता (वित्तीय)–प्रथम स्तरीय रिपोर्ट भेजी जाती है.
5. मुख्य सतर्कता अधिकारी/केन्द्रीय प्राधिकारी से गैर सतर्कता (वित्तीय) हेतु प्रथम स्तरीय एडवाइस प्राप्त होने के बाद नियमित विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया निम्नानुसार प्रारम्भ की जाती है:

अ बड़ी दंडात्मक कार्रवाई के मामले में आरोपित अधिकारी को आरोप पत्र अथवा स्टेटमेंट ऑफ़ एलीगेशन एंड आर्टिकल ऑफ़ चार्जेज के साथ ज्ञापन दिया जाता है. उसके बाद की प्रक्रिया निम्नवत है:

i. आरोपित अधिकारी से प्रतिरक्षा के लिए लिखित बयान प्राप्त होने के बाद यदि वह संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो अनुशासनात्मक अधिकारी, जांच अधिकारी एवं प्रस्तोता अधिकारी की नियुक्ति करेगा और वह आरोपित अधिकारी/आरोपित कर्मचारी के विरूद्ध लगाए गए आरोपों के आधार पर जांच प्रक्रिया शुरू करता है तथा जांच की तर्कसंगत समाप्ति के बाद जांच अधिकारी अपने निष्कर्षों को आगे की कार्रवाई हेतु अनुशासनात्मक अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करता है.

ii. जांचकर्ता प्राधिकारी के निष्कर्ष प्राप्त होने के बाद अनुशासनात्मक अधिकारी या तो रिपोर्ट को स्वीकार कर लेता है या निष्कर्षों पर असहमति एवं उसे बदलने के आदेश जारी करता है. उसके बाद जांच अधिकारी के निष्कर्ष अनुशासनात्मक अधिकारी की असहमति के आदेश के साथ आरोपित अधिकारी/कर्मचारी को उनके अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया जाता है.

iii. आरोपित अधिकारी से टिप्पणी प्राप्त होने के बाद अनुशासनात्मक अधिकारी द्वारा दंड के स्वरूप के संबंध में निर्णय लिया जाता है और गैर सतर्कता (वित्तीय) मामलों के लिए गैर सतर्कता (वित्तीय) हेतु केन्द्रीय प्राधिकारी को द्वितीय स्तरीय संदर्भ भेजा जाता है. तथापि, ऐसे मामलों में जहां अनुशासनात्मक अधिकारी दंड प्रस्तावित करता है और वह वर्ग बी प्राधिकारियों अर्थात जो मामले केन्द्रीय सतर्कता आयोग कि परिधि से बाहर हैं, के संबंध में सीवीओ की प्रथम स्तरीय सलाह के अनुरूप हो वहां द्वितीय स्तरीय संदर्भ की आवश्यकता नहीं है और अन्य वर्ग के अधिकारियों के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारी से द्वितीय स्तरीय सलाह की आवश्यकता होगी.

iv. अनुशासनात्मक अधिकारी द्वारा गैर सतर्कता (वित्तीय) के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारी/केन्द्रीय प्राधिकारी एवं मा.सं.प्र. विभाग, प्र.का. बड़ौदा को प्रतिलिपि देते हुए अंतिम दंड आदेश जारी किया जाता है.

ब लघु दंडात्मक कार्रवाई के मामले में आरोपित अधिकारी/कर्मचारी को इंप्यूटेशन ऑफ़ लैप्सेस के साथ ज्ञापन दिया जाता है तथा उसके उपरान्त निम्न प्रक्रिया संपादित की जाती है:

i आरोपित अधिकारी से प्रतिरक्षा के लिए लिखित बयान प्राप्त होने के बाद अनुशासनात्मक अधिकारी यह निर्णय लेता है, कि जांच की आवश्यकता है या नहीं.

ii यदि अनुशासनात्मक अधिकारी को लगता है कि जांच की आवश्यकता नहीं है तो वह दंड के स्वरूप के संबंध में निर्णय लेता है, अन्यथा बड़ी दंडात्मक कार्यवाहियों के मामले मे जांच प्रक्रिया शुरू करवा सकता है.

बैंक ने आदेश पत्र के खिलाफ अपील एवं समीक्षा का प्रावधान रखा है जो कि निम्नवत है:

1. कर्मचारी दंड आदेश प्राप्त होने के बाद 45 दिनों के भीतर, लगाए गए अंतिम दंड के विरुद्ध सक्षम अधिकारी के समक्ष अपील कर सकता है. तथापि, यदि अपीलीय प्राधिकारी चाहे तो सही एवं पर्याप्त कारण होने पर –45– दिनों की अवधि समाप्त होने के बाद भी अपील स्वीकार कर सकता है.
2. यदि अधिकारी अपीलीय प्राधिकारी के आदेश से संतुष्ट नहीं है तो वह आदेश प्राप्ति के 6 महीनों के भीतर अपीलीय प्राधिकारी द्वारा पारित आदेश की समीक्षा के लिए अनुरोध कर सकता है.

समग्र (कम्पोजिट) मामलों में प्रक्रिया

ऐसे मामलों में जहां विभिन्न अनुशासनात्मक/ सक्षम अधिकारी के अंतर्गत आने वाले अलग–अलग वर्ग /श्रेणी/वेतनमान के एक से अधिक कर्मचारी/पूर्व कर्मचारी हों, इन मामलों को समग्र अथवा कम्पोजिट मामले कहा जाता है.

कम्पोजिट मामलों में, उच्च वर्ग के अधिकारी/पूर्व अधिकारी के अनुशासनात्मक/ सक्षम प्राधिकारी विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेते हैं. तथापि, उच्च वर्ग के अधिकारी/पूर्व अधिकारी को अनुशासनात्मक/सक्षम प्राधिकारी द्वारा लिए गए निर्णयों के आधार पर संबंधित अनुशासनात्मक/सक्षम प्राधिकारी द्वारा कार्रवाई की जाएगी.

उदाहरण के लिए यदि उच्च वर्ग के अधिकारी/पूर्व अधिकारी के अनुशासनात्मक/ सक्षम प्राधिकारी द्वारा 'आरोप पत्र' जारी करने का निर्णय लिया गया है तो आरोप पत्र संबंधित अनुशासनात्मक/सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा. इसके अलावा यदि उच्च वर्ग के अनुशासनात्मक/सक्षम प्राधिकारी की परिधि में आने वाले अधिकारी/पूर्व अधिकारी के विरुद्ध मामले को बंद कर देते हैं तो अन्य अधिकारियों/पूर्व अधिकारियों के मामले सबसे वरिष्ठ अधिकारियों/पूर्व अधिकारियों, जिनके विरुद्ध निर्णय लिया जाना शेष है, के संबंधित अनुशासनात्मक/सक्षम प्राधिकारी द्वारा देखे जाएंगे.

❖❖❖

डॉ. एस के अवस्थी
सहायक महाप्रबंधक (अनुशासनात्मक कार्यवाही)
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

हमारे बैंक की संस्कृति अलग एवं विशिष्ट है

– राजेन्द्र कुमार, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

श्री राजेन्द्र कुमार दिनांक 30 अप्रैल 2019 को बैंक से सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 37 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप बैंक के पटना अंचल का नेतृत्व कर रहे थे. टीम बॉबमैत्री ने श्री कुमार से उनके जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, उनसे बातचीत के कुछ अंश - संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि बेहतर रही है. मेरे पिताजी राँची में Heavy Engineering Corporation में कार्यपालक के रूप में कार्यरत थे. मेरी माताजी गृहिणी हैं. मेरी दो बेटियाँ हैं. बड़ी बेटी कैलिफोर्निया में हैं तथा उसके पति वहाँ स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया में सहायक महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं. मेरी छोटी बेटी एवं उसके पति दोनों डॉक्टर है. मैंने भारत के सबसे पुराने कृषि महाविद्यालय (बिहार कृषि महाविद्यालय सबौर, भागलपुर) से कृषि विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है. इसके अलावा मैंने CAIIB, MBA Finance और LLB किया है. मैंने CMC Ltd से Diploma in Information Technology भी किया है. मेरी पढाई-लिखाई बोर्डिंग स्कूल में हुई है. मेरे पिताजी अनुशासन प्रिय रहे हैं. मेरी परवरिश अच्छे माहौल में हुई है.

आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना?

मैं जब बैंकिंग सेवा से जुड़ा, उन दिनों युवा वर्ग सिविल सर्विस के बाद बैंकिंग को कॅरियर के रूप में चुनते थे. उन दिनों बैंक अधिकारी की अलग प्रतिष्ठा होती थी. उन दिनों मैंने भी सिविल सर्विस के साथ – साथ बैंकिंग सर्विस की परीक्षाएँ दी थी. बैंकिंग को कॅरियर के रूप में चुनकर मुझे आंतरिक खुशी मिली थी.

आपको विदेशी कार्यालय, लंदन के साथ-साथ देशभर की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा?

मुझे UK Territory में काम करने के साथ-साथ देश के विभिन्न शाखाओं/कार्यालयों में काम करने का अवसर मिला. मुझे मेरी प्रत्येक जिम्मेदारी से कुछ-न-कुछ सीखने का अवसर मिला. यदि मैं अपने पूरे बैंकिंग कॅरियर पर एक नज़र डालूँ तो मैं यह कह सकता हूँ कि राँची मुख्य शाखा के प्रमुख के रूप में, विदेश में पोस्टिंग के दौरान लंदन मुख्य शाखा के प्रमुख के रूप में कार्य करने एवं बॉबकार्ड्स के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य करने का अनुभव अच्छा रहा. मैंने अपने सभी कार्यदायित्वों से सीखा तथा नया अनुभव प्राप्त किया.

आपके बैंकिंग कॅरियर का सबसे मजेदार अनुभव कौन सा रहा?

फॉरविसगंज शाखा में अग्रिम अधिकारी के रूप में कार्य करने के दौरान घटित एक घटना मेरे बैंकिंग कॅरियर के सबसे मज़ेदार घटनाओं में से एक है. फॉरविसगंज शाखा से घर आने-जाने के रास्ते में मुस्लिम समुदाय के लगभग 50 से अधिक अत्यंत निर्धन परिवार रहते थे, जिनके जीवन-यापन का मुख्य साधन किराए का रिक्शा चलाना था. एक दिन मैंने उनसे संपर्क किया तथा उन्हें 4% ब्याज की दर से रिक्शा हेतु ऋण उपलब्ध करवाया, जो उनके स्वरोजगार का महत्वपूर्ण साधन बना. मेरे द्वारा किए गए इस कार्य से उनलोगों ने मुझे बहुत सम्मान दिया तथा जब मेरा स्थानान्तरण उस शाखा से हुआ तो सभी लोग, जिन्हें मैंने रिक्शा हेतु ऋण उपलब्ध करवाया था, एक साथ रिक्शा लेकर मुझे रेलवे स्टेशन तक छोड़ने आए. मैं आज भी उस शाखा में कार्य करने के सुखद अनुभव को अपने मानस पटल पर संजोए हुए हूँ. वर्तमान में उन सभी लोगों के बच्चे सरकारी नौकरी में हैं.

आपका सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व कौन सा रहा?

मेरे दो कार्यदायित्व सबसे चुनौतीपूर्ण रहे हैं. लंदन मुख्य शाखा में शाखा प्रमुख का कार्यदायित्व सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण रहा. उस समय पहली बार किसी Overseas Territory में Global Treasury Project की शुरूआत हुई थी एवं फिनेकल में Integration की जटिल समस्या थी. वैश्विक परिदृश्य में काफ़ी अस्थिरता थी तथा Fund Management की भी समस्या थी. अपने

कार्यकाल के दौरान मुझे इन समस्याओं का सामना करना पड़ा.

मेरे बैंकिंग कॅरियर का दूसरा चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व The Bobcards Ltd (वर्तमान में The BOB Financial Solutions Ltd.) में प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य करना था. उस दौरान कंपनी की स्थिति खराब थी तथा कंपनी वस्तुत: एक Sick कंपनी थी. कंपनी की साख को बनाए एवं बचाए रखने के लिए BBVA, जोकि स्पेन का एक बैंक था, के साथ Joint Venture करने के लिए Due Diligence and Disclosure Process चल रही थी. उस समय लंबी अवधि से Reconciliation नहीं हुआ था, एनपीए काफ़ी बढ़ गया था और उस दौरान कंपनी के सॉफ्टवेयर में भी कुछ कमियाँ थी. इन वजहों से Joint Venture की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी और BBVA पीछे हट गई. ऐसी विषम परिस्थिति में बोर्ड ने मुझे Pending Reconciliation पूरा करने, एनपीए वसूली करने तथा सॉफ्टवेयर की समस्या को दूर करने की जिम्मेदारी सौंपी. मेरी टीम ने 6 माह के भीतर Reconciliation का कार्य पूरा कर लिया, सॉफ्टवेयर की समस्या को दूर किया गया तथा एनपीए राशि की तेज़ी से वसूली की गई. हमारी टीम के सामूहिक प्रयास के कारण कंपनी लाभ अर्जित करने वाली कंपनी की श्रेणी में आ गई. हमारे कार्य से उच्च प्रबंधन काफ़ी संतुष्ट हुआ तथा बोर्ड ने कंपनी के प्रत्येक अधिकारी को बोनस के रूप में रू. 20,000/- की राशि प्रदान की और कंपनी के कर्मचारियों की सेवा शर्तों में भी सुधार किए गए. कंपनी की स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

मैं ऐसा मानता हूँ कि मेरा शांति प्रिय स्वभाव एवं मानसिक संतुलन ही वो कारण है जिनके सहारे मैं कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाकर रख पाया. मैंने अपनी सभी बैंकिंग जिम्मेदारियों को योजनाबद्ध तरीके से निभाया है. मैं Work Life Balance पर विश्वास करता हूँ और अपने साथ कार्य करने वाले सभी स्टाफ सदस्यों को भी सकारात्मक एवं तनावरहित माहौल प्रदान करता हूँ ताकि सभी स्टाफ सदस्य स्वप्रेरणा से कार्य करें.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संदर्भ में?

मेरा ऐसा मानना है कि आने वाले दिनों में बैंकिंग उद्योग बहुत Dynamic होगा, इसमें तेज़ी से बदलाव होंगे, नए-नए आयाम आएँगे, नए Business Models आएँगे, Fee Based Income पर फ़ोकस रहेगा. हमारा बैंक समामेलन के पश्चात सशक्त एवं शक्तिशाली बैंक के रूप में उभरेगा. हमारे बैंक का उच्च प्रबंधन काफ़ी दूरदर्शी एवं आशावादी है और हमारे बैंक की नींव काफ़ी सुदृढ़ है.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

मैं सभी बड़ौदियन साथियों, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों से कहना चाहता हूँ कि उन्हें इस बात पर गर्व करना चाहिए कि उन्हें पेशेवर रूप से सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बैंक में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है. हमारे बैंक की संस्कृति अलग एवं विशिष्ट है, जो सभी ग्राहकों एवं स्टाफ सदस्यों को अपना अभिन्न अंग मानती है. हमारा बैंक अपने सभी स्टाफ सदस्यों को उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने तथा सम्मानजनक तरीके से आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है. मेरे सभी बड़ौदियन साथियों, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों से आग्रह है कि अपनी छवि अच्छे, ईमानदार एवं कुशल स्टाफ सदस्य के रूप में बनाएं, अपने भीतर Performance Culture विकसित करें, बैंकिंग से जुड़े सभी प्रकार के नए विचार एवं तथ्यों की जानकारी रखें, तनाव से दूर रहें, मानसिक शांति तथा समस्या का समाधान तलाशते रहें, कोई भी कार्य करने से पूर्व योजना बनाएँ तथा बनाई गई योजना पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें, शाखा/कार्यालय में कार्य करने के दौरान व्यक्तिगत मतभेद को दूर रखकर लक्ष्य प्राप्ति हेतु एक टीम के रूप में कार्य करें और अपने कार्यों से अपने उच्च प्रबंधन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करें.

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे?

सेवानिवृत्ति के समय मैं जिस क्षमता एवं ऊर्जा को महसूस कर रहा हूँ, इससे निश्चित तौर पर मैं कहना चाहूँगा कि किसी न किसी रूप में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष तौर पर बैंक की सेवा करूँगा. मैं अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दूंगा. अपने शौक के अनुरूप संगीत की रुचि को बरकरार रखूँगा, देश-विदेश का भ्रमण करूँगा. मैं बिना किसी पारिश्रमिक (Honorarium) के किसी प्रबंध संस्थान (Management Institute) से जुड़कर पठन-पाठन का कार्य करना चाहूँगा. मैं अपने पुराने दोस्तों के साथ और अधिक समय व्यतीत करूँगा.

❖❖❖

बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बरेली को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

हमारे बैंक के संयोजन में कार्यरत बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बरेली को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए दिनांक 14 सितंबर 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर गृहमंत्री श्री अमित शाह द्वारा बैंक नराकास, बरेली के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार अरोड़ा को शील्ड प्रदान कर तथा सदस्य सचिव, वरिष्ठ प्रबंधक श्री अमित चौधरी को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया.

स्थापना दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालय, नवसारी

नवसारी क्षेत्र में बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता की अगुवाई में बाइक रैली निकाली गई, रक्तदान शिविर लगाया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता, सभी वरिष्ठ कार्यपालक एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, दुर्ग

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, दुर्ग द्वारा स्टाफ सदस्यों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. आर के मोहंती, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद काटकर एवं श्री प्रदीप कुमार यादव द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा

क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा द्वारा बैंक का 112वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय प्रमुख श्री रवि कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री हर्ष बी यादव तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मुरादाबाद

क्षेत्रीय कार्यालय, मुरादाबाद द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस उपलक्ष्य में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया. कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय प्रमुख श्री टी पी नन्दा सहित अन्य वरिष्ठ कार्यपालक तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत जिला क्षेत्र

सूरत जिला क्षेत्र द्वारा बैंक के स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर की गई. इस उपलक्ष्य में क्षेत्रीय प्रमुख श्री विनोद कोठारी की अगुवाई में एक जागरुकता रैली का आयोजन भी किया गया जिसमें क्षेत्र के सभी स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया.

क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर

इंदौर क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रमुख श्री शैलेष कुमार पारख एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री नरेंद्र कुमार तोतला के नेतृत्व में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्वच्छता जागरुकता एवं जल संरक्षण के लिये रैली का आयोजन किया गया. इस रैली में क्षेत्रीय कार्यालय सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया.

Foundation Day Celebration

क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ

क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ द्वारा बैंक का 112वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया. इस उपलक्ष्य में क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश मानिक की अध्यक्षता में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर रिसर्च सेंटर में जनरेटर दान किया गया, मोटरसाइकिल रैली तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, देहारादून

देहारादून क्षेत्र में बैंक का 112वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया. इस उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर लगाया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सूरज कुमार श्रीवास्तव सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी

सिलीगुड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रमुख श्री फिलीप बुड़ के नेतृत्व में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस उपलक्ष्य में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री लोपसांग शेरपा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जोधपुर

जोधपुर क्षेत्र में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बैंक ऑफ़ बड़ौदा एवं यातायात पुलिस, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा एवं जल संरक्षण थीम पर वाहन रैली निकाली गई. इस अवसर पर यातायात पुलिस अधीक्षक श्री हनुमान सिंह एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री के सी पाठक ने बैंक के स्टाफ सदस्यों से ट्रैफिक नियमों का पूर्ण पालन करने तथा जल संरक्षण करने का आह्वान किया.

क्षेत्रीय कार्यालय, वलसाड

वलसाड क्षेत्र में बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती वृषाली कांबली के नेतृत्व में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सेवा निवृत्त स्टाफ सदस्यों को विशेष तौर पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया. साथ ही रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया तथा मंथन फाउंडेशन, नरासना, अनाथ आश्रम, वलसाड में बर्तन वितरण किए गए. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री रतनलाल रजवानियाँ एवं श्री डी एन गांधी तथा बैंक के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर

जबलपुर क्षेत्र में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी आर वर्मा एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजीव कुमार के अगुवाई में रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा संचालित निराश्रित वृद्धाश्रम/ कुष्ठाश्रम में वाशिंग मशीन एवं फल वितरित किए गए. इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया.

स्थापना दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालय, हल्द्वानी

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर हल्द्वानी क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रमुख श्री सर्वेश भसीन के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी स्टाफ सदस्यों और उनके परिजनों ने भाग लिया.

क्षेत्रीय कार्यालय, शाहजहाँपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, शाहजहाँपुर द्वारा बैंक का 112वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार महेश्वरी की अगुवाई में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें क्षेत्र के सभी कार्यपालकों सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, जोरहाट

जोरहाट क्षेत्र की रिम्स शाखा द्वारा बैंक के 112 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रिम्स के निदेशक प्रो. ए. सानता सिंह को कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत रिम्स (रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस) इम्फाल को 3 ईसीजी मशीन वितरित की. इस कार्यक्रम में रिम्स शाखा प्रमुख श्रीमती क्लियोपेट्रो के अतिरिक्त इम्फाल शहर में स्थित सभी शाखा प्रमुखों सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की.

क्षेत्रीय कार्यालय, भरतपुर

भरतपुर में बैंक के 112वें स्थापना दिवस पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बृज मोहन मीणा की अगुवाई में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस उपलक्ष्य में भरतपुर में हीरा दास बस स्टैंड पर सफाई अभियान कर स्वच्छता संदेश दिया गया और नीमदागेट शाखा में चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम दास एवं वीरेंद्र बोहरा भी उपस्थित थे

क्षेत्रीय कार्यालय, रायबरेली

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर रायबरेली क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय तथा विभिन्न शाखाओं के 100 से अधिक स्टाफ सदस्यों ने मलिकमऊ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से जागरुकता हेतु एक बाइक रैली निकाली.

Regional Office, Tirupati

On the occasion of Bank's 112th Foundation Day Tirupati Region distributed Cots and Blankets to Navjeevan Blind School. The Programme was attended by DGM & Regional Head, Tirupati Region Shri Y. Srinivasulu and Deputy Regional Heads Shri Ezhil Arasu & Shri S. R. Tagore.

Foundation Day Celebration

क्षेत्रीय कार्यालय, गोधरा

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय गोधरा में रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे विभिन्न कार्याक्रमों का आयोजन किया गया. इस दिन बैंक में 25 वर्षों की सेवा पूरी करने वाले स्टाफ सदस्यों को क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी आर शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री वी के घाटिया एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भुज

बैंक के 112 वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय भुज द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेश चंद गुप्ता द्वारा की गई. इस अवसर पर भुज क्षेत्र के स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस पर रागेंद्र स्वरूप आडिटोरियम, कानपुर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी आर धीमान सहित बैंक के अनेक कार्यपालक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, महेसाणा एवं बनासकांठा

बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में महेसाणा एवं बनासकांठा क्षेत्र में संयुक्त रूप से क्षेत्रीय प्रमुख श्री भवानी सिंह राठौड़ एवं श्री महेन्द्र सिंह रोहडिया की अगुवाई में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा बाइक रैली निकाली गई. कार्यक्रम के दौरान सभी कार्यपालक तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भावनगर

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री वाई एस ठाकुर की अगुवाई में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर एक बाइक रैली निकाली गई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया. इन कार्यक्रमों में उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री विशाल कुमार जैन तथा श्री प्रेमचंद वारीयर सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापट्टणम

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विशाखापट्टणम क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर कार्पोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधियों के तहत क्षेत्रीय प्रमुख श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अगुवाई में सरकारी विद्यालय में जरूरी सामग्री भेट की गई.

स्थापना दिवस समारोह

क्षेत्रीय कार्यालय, सुल्तानपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, सुल्तानपुर द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक बाइक रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर तत्कालीन क्षेत्रीय प्रमुख श्री आलोक सिंघल, सहायक महाप्रबंधक एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी एस मिश्रा एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एन आर अग्रवाल तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, कोयम्बत्तूर

कोयम्बत्तूर क्षेत्र द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सी सेल्वराजू की अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बैंक के स्टाफ सदस्यों द्वारा सामाजिक सरोकार पर रैली निकाली गई जिसमें प्लास्टिक, तंबाकू, गुटखा रहित जीवन के संबंध में जागरूकता फैलायी गई.

क्षेत्रीय कार्यालय, खेड़ा

खेड़ा क्षेत्र में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों जैसे बाइक रैली, वृक्षारोपण आदि का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री महेंद्र बी वाला एवं बैंक के अन्य स्टाफ उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, तेलंगाना

क्षेत्रीय कार्यालय, तेलंगाना द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर बंजारा हिल्स के सरकारी स्कूल में कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत स्कूल को बैंड सामान और माईक सेट भेंट किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री के विजय राजू, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री टी वी वी एस शर्मा और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, मदुरै

मदुरै क्षेत्र में 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सदस्य कार्यालयों में रक्तदान शिविर, फ्री मेडिकल चेकअप, अनाथालयों में आवश्यकतानुसार वस्तुएँ भेंट की गई. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री एम पी सुधाकरन, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री ए एस प्रसाद और श्री के बाला और स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, साबरकांठा

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर साबरकांठा क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया तथा मोड़ासा प्राथमिक स्कूल में बच्चों को बैग, कलम आदि का वितरण किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मोड़ासा जिला कलेक्टर श्री नागराजन एम. व उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजकुमार महावर एवं बैंक के अन्य स्टाफ उपस्थित रहे.

Foundation Day Celebration

क्षेत्रीय कार्यालय, जलन्धर

क्षेत्रीय कार्यालय, जलन्धर में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्टाफ सदस्यों द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गई. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री इंदर मोहन सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरबिन्द कुमार व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, विजयवाड़ा

बैंक का 112वां स्थापना दिवस क्षेत्रीय कार्यालय, विजयवाड़ा में गरिमामय ढंग से मनाया गया और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इन कार्यक्रमों में उप महा प्रबंधक व क्षेत्रीय प्रमुख श्री के विनोद बाबू, सहायक महाप्रबंधक व उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री वाइ वी एस कोटेश्वर राव पी एंव श्री अमर नाथ रेड्डी भी उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी

गुवाहाटी क्षेत्र में बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यकम जैसे साईकिल रैली, बच्चों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता, क्रिकेट प्रतियोगिता, फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सोनाम टी भूटिया एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती आईलीन डेकोटा दिग्डोह एवं श्री मधाव नाथ तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, हुबली

बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय प्रमुख श्री श्रीनिवास रविपाटि की अध्यक्षता में क्षेत्रीय कार्यालय हुबली में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस अवसर पर सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई.

क्षेत्रीय कार्यालय, गुलबर्गा

क्षेत्रीय कार्यालय, गुलबर्गा द्वारा बैंक के 112वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन गुलबर्गा के उपायुक्त श्री वेंकटेश कुमार, आईएएस ने किया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आवुडैयप्पन. एस तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

रायपुर क्षेत्र द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जांच शिविर, ग्राहक गोष्ठियों आदि का आयोजन किया गया. साथ ही, दिनांक 20.07.2019 को क्षेत्रीय प्रमुख श्री रंजीत कुमार मंडल की अगुवाई में जागरूकता रैली निकालकर जल संरक्षण का संदेश दिया. इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया.

क्षेत्रीय कार्यालय, भीलवाड़ा

बैंक के 112वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री श्याम बाबू शर्मा की अगुवाई में किया गया जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय व शाखाओं के स्टाफ सदस्यों एवं ग्राहकों ने रक्त दान किया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी सहित अन्य शाखाओं के अधिकारी व कर्मचारी एवं ग्राहक उपस्थित रहे

खुदरा ऋण में धोखाधड़ी रोकने के उपाय

विगत वर्षों में खुदरा ऋण ने वाणिज्यिक बैंकिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव ला दिया है. इसके पीछे सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आई क्रांति, देश का माइक्रो एवं मैक्रो इकनॉमिक वातावरण तथा वित्तीय क्षेत्र में सुधार मुख्य कारक रहे हैं. एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2018 में कुल बैंक ऋण का 25% से ज्यादा खुदरा ऋण थे. देश के कुछ प्रमुख बैंकों आईसीआईसीआई, एचडीएफ़सी, एसबीआई, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक का तो आधे से ज्यादा ऋण खुदरा क्षेत्र में है. इसका एक प्रमुख कारण है कि बैंक खुदरा ऋण को ज्यादा सुरक्षित समझते हैं. CIBIL, Experian, Equifax, Crif High mark जैसी क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनियों से बैंकों को इस दिशा में काफी मदद मिली है. साथ ही साथ बड़े व्यावसायिक ऋणों के डिफ़ाल्ट रेट में बढ़ोत्तरी के कारण भी बैंक खुदरा ऋणों के ऊपर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं. बैंक ग्राहकों को कार, घर, घरेलू समान, शिक्षा, संपत्ति के एवज में, पर्सनल खर्चे आदि के लिए ऋण देते हैं. बैंक छोटे छोटे ऋण बहुत सारे ग्राहकों को विभिन्न मदों के लिए प्रदान कर रहे हैं इससे बैंकों के ऋण पोर्टफोलियो में विविधता आई है तथा जोखिम प्रबंधन भी सुदृढ़ हुआ है. इन सबके बावजूद हमारा खुदरा ऋण से सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात विकसित देशों के मुक़ाबले बहुत कम है.

जैसे कि हर अच्छी चीज के साथ बुराइयाँ भी आती हैं, वैसे ही खुदरा ऋणों में भी धोखाधड़ी की घटनाएँ हो रही हैं. सबसे ज्यादा धोखाधड़ी कंज्यूमर ऋण के क्षेत्र में देखने को मिल रही है जिसमें पहचान की चोरी/जाली पहचान पत्र संबन्धित घटनाएँ ज्यादा प्रकाश में आ रही हैं. साथ ही साथ क्रेडिट कार्ड तथा कार लोन खातों में भी काफी धोखाधड़ी हो रही है. कार लोन के 85% मामलों में यह पाया गया है कि पहचान एवं पते के जाली दस्तावेज़ के आधार पर ऋण लिए गए.

विभिन्न प्रकार के खुदरा ऋण खातों में धोखाधड़ी के निम्नलिखित प्रमुख तरीके थे –

पर्सनल लोन – यह ऋण ग्राहक की सैलरी, कटौतियों एवं नेट सैलरी के आधार पर दिया जाता है. ग्राहक को शाखा का खाताधारक होना चाहिए जिसमे उसकी सैलरी आती हो. खाते का लेनदेन संतोषजनक होना चाहिए. धोखाधड़ी के मामलों में यह देखा गया है कि ऋणी का सैलरी खाता किसी अन्य बैंक में होता है, उसके द्वारा दी गयी सैलरी/इनकम के दस्तावेज़ फर्जी होते हैं, आमदनी ज्यादा दिखाई होती है, कटौती का विवरण गलत होता है, इनकम टैक्स की रिटर्न फर्जी होती है, पहचान तथा पते के दस्तावेज़ गलत होते हैं और नौकरी का विवरण भी गलत होता है. बैंक को चाहिए कि वैसे ग्राहक जिनका संतोषप्रद सैलरी खाता अपने पास हो उन्हें ही पर्सनल लोन दें. ऋण देने के पहले यह सुनिश्चित कर लें कि खाते में सैलरी प्रतिमाह आ रही हो. यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऋण लेने के पश्चात सैलरी खाता अन्य बैंक में स्थानांतरित न हो.

कार ऋण – यह ऋण ग्राहक की सैलरी/इनकम टैक्स रिटर्न के आधार पर दिया जा सकता है। इसमे ग्राहक की पहचान एवं पते के साथ साथ आमदनी सुनिश्चित करना आवश्यक है. ग्राहक द्वारा कई साल के इनकम टैक्स रिटर्न एक साथ जमा किए गए हों तो उन्हे स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि इस बात की प्रबल संभावना है कि यह उसकी वास्तविक आय को नहीं दर्शाता हो और सिर्फ ऋण प्राप्त करने के उद्देश्य से जमा किया गया हो. इनकम टैक्स रिटर्न का विधि पूर्वक सत्यापन भी कराया जाना चाहिए. जिस डीलर से कार खरीदी जा रही हो उसका भी ड्यू डिलिजेन्स करना अति आवश्यक है. अधिकृत डीलर से गाड़ी खरीदने के लिए ही ऋण दिया जाना चाहिए. कई बार यह देखा जाता है कि सब–डीलर अथवा फर्जी डीलर के माध्यम से एक ही कार को कई बैंकों से फ़ाइनेंस करा लिया जाता है. बैंक अधिकारी सही तरीके से संवितरण उपरांत जांच करने में असफल रहते हैं. इससे बचने के लिए ग्राहक के इनकम टैक्स रिटर्न का सावधानी पूर्वक अध्ययन करना चाहिए–जैसे कि कटौतियों का विस्तृत विवरण देखकर संतुष्ट होना चाहिए. बैंक को ड्राफ्ट बनाकर अधिकृत डीलर को ही दिया जाना चाहिए. संवितरण उपरांत गाड़ी की इंजिन एवं चेसिस संख्या जांच करना, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट तथा बीमा कागजात में बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त का उल्लेख होना सुनिश्चित किया जाना चाहिए. गाड़ी के कागजात को जल्द से जल्द प्राप्त करना सुनिश्चित करना चाहिए.

गृह ऋण – यह ऋण घर/मकान/फ्लैट खरीदने अथवा जमीन खरीदकर घर बनाने हेतु दिया जा सकता है. वेतनभोगी एवं व्यवसायी सभी इसके पात्र हैं. यह एक लंबे समय का ऋण है जिसकी राशि भी बड़ी होती है अतः ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है. ऋणी की आमदनी/वेतन पर्ची/टैक्स रिटर्न आदि की सावधानी से जांच करना चाहिए. ज्यादा ऋण प्राप्त करने के लिए कई मामलों में सह ऋणी को भी शामिल किया जाता है जिसकी आमदनी का स्रोत निश्चित हो यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है. जिस जमीन/मकान के ऊपर ऋण लिया जा रहा है उसके स्वामित्व की अच्छी तरह जांच किया जाना चाहिए. इसके लिए बैंक के पैनल के वकील की राय ली जानी चाहिए. वकील की रिपोर्ट का अच्छे से अध्ययन करना चाहिए और जो भी कागजात सुझाए गए हों उनको लेना चाहिए. सरसाई (CERSAI) पोर्टल में भी जमीन/मकान आदि का विवरण सर्च करके संतुष्ट होना चाहिए कि प्रस्तावित संपत्ति के ऊपर किसी और का चार्ज न हो. साथ ही ऋण मंजूर करने के पश्चात mortgage करने एवं सरसाई (CERSAI) में चार्ज नोटिंग करने में कोई विलंब नहीं किया जाना चाहिए. धोखाधड़ी के कई मामलों में यह देखा जाता है कि आय एवं पहचान संबंधी जानकारी गलत/बढ़ा चढ़ा कर दी गयी थी. जमीन के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ऋण लेने की घटनाएँ अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं. कई मामलों में mortgage नहीं होने से बैंक को ऋण में नुकसान की संभावना बनी रहती है. इन सबसे बचने के लिए यह आवश्यक है कि मंजूरी पूर्व जांच को एक रूटीन काम समझ कर जैसे तैसे करने की बजाय काफी ध्यानपूर्वक एवं बैंक के नियमानुसार करना चाहिए. इसमे ऋणी/जमानतदार अथवा किसी अन्य की मदद न लेकर संबन्धित अधिकारी द्वारा खुद से किया जाना चाहिए. cibil रिपोर्ट का अच्छे से अध्ययन करना चाहिए. फ़ाइनेंस की जा रही जायदाद के ऊपर कोई अन्य ऋण/बकाया नहीं है इसकी जांच बैंक के पैनल के वकील से कराने के साथ साथ खुद भी आस पास अन्य स्रोतों से पता करना चाहिए. ग्राहक का खाता अगर किसी अन्य बैंक में है तो लेनदेन की विवरणी अच्छी तरह देखना चाहिए कि अन्य कोई कटौती तो नहीं हो रही. कई मामलों में यह भी पाया गया है कि संपत्ति का मूल्यांकन valuer द्वारा सही नहीं किया गया है और बढ़ा चढ़ा कर दिखाया गया है जिसके कारण ज्यादा ऋण की मात्रा दे दी जाती है. कई बार बिल्डर भी धोखाधड़ी कर के एक ही फ्लैट को कई लोगों को बेच देता है. इस से बचने के लिए बिल्डर, बैंक एवं ऋणी के बीच त्रिपक्षीय समझौता किया जाना चाहिए. अब यह भी ध्यान रखना चाहिए कि प्रोजेक्ट RERA द्वारा मान्यता प्राप्त हो.

अंत में, हम सभी के लिए यह आवश्यक है कि बैंक द्वारा दिये गए दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए और उसमें कोई शॉर्ट कट नहीं अपनाया जाए. समय समय पर बैंक द्वारा प्रकाश में आए धोखाधड़ी के तरीकों के बारे में आगाह किया जाता है और उनसे बचने के तरीकों के बारे में भी बताया जाता है, जिसे हमें अवश्य पढ़ना चाहिए जिससे कि सब सुरक्षित रह सकें. धोखाधड़ी से जानकारी ही बचाव है.

❖❖❖

अरुण कुमार पाठक
संकाय, बड़ौदा अकादमी, जमशेदपुर

Protect your money from yourself!

Financially savvy friends and associates are often ready with advice on discipline in financial planning. The "advice", often ill-timed, come in when you are reeling from the aftermath of economic faux pas. "You lost money because you invested in xyz stocks." "I'd have told you buying a property now was a bad call, if only you'd consulted me." Just a handful of uncalled-for reactions coming in retrospect, when you're already wishing you had quality advice before you made these mistakes.

The theme of your financial gaffe may be poor investment decisions, market volatility, defraud by parties you trusted, or even – a distressing pattern among us Indians – emotional decisions affecting our financial health.

At all times, balance is recommended – balance in how much you would like in liquid, proportion of investments in equity-linked and in those offering guaranteed returns, and share of structured financial products vs unstructured high-risk products in your portfolio.

What can bring some order to your financial plans is a long-term orientation through life insurance which would take care of asset-liability management and financial risks associated with market volatility and reinvestment.

Not letting the seemingly urgent take over the necessary

Discipline in the parlance of managing finances would mean, guarding and nurturing your resources in such a way that it matches the requirements one foresee over the lifetime. It also entails not letting the seemingly urgent take over the important. Alarmingly, a study finds that almost 30% of all Indians never invest money and over 40% Indians will draw from their savings to fulfil needs that momentarily feel pressing. Ironically, the same study points that the fear of not having adequate savings to support loved ones is the greatest fear among Indians.

A firm hand on finances as a future fix

47% of working Indian population have either not started saving for their retirement or have stopped or faced difficulties while saving for their future – slightly higher than the global average of 46%.

In 2004, all companies moved from pensions to defined contributions, so our future is not going to be so looked-after, as there is no concept of guaranteed pensions any longer. To back ourselves, investing a fraction of earnings into government-introduced insurance schemes or retirement plans may well be considered.

Today, while instant gratification is the new normal, dearth of planning for the future is commonplace too. If we do not realise that discipline is the fix for these state of affairs, we may be headed towards financial distress.

With improving Life expectancy, our savings also should

A matter deserving serious deliberation for professionals in their early 50s is – how am I going to save or invest the lump-sum I will receive upon retirement. Worryingly, amongst the 47% whose savings are open to doubt, 22% constitutes people in their 60s, and 14% in their 50s who have not even begun saving for their non-earning years. Also, the World Bank reports state that life expectancy in India has risen to 68+, which means there's at least a decade more of existence, but without income.

The more I interact with the millennial generation, the more certain I become about a study's finding that claims only 5% of this group saves money. Consider this: 20% Indians go ballistic and spend beyond usual on the pay day. The indulgences, more so among the Gen Y, occur perhaps because of the belief that there is enough time to earn in the future.

Certainties in life are more than uncertainties, so plan

The general thinking until one turns 35 is to make basic provisions for sudden death, and then with rising income in future start savings. What one fails to realise is 'life is full of certainties' ™, hence one should start savings in early days in one's career, when the responsibilities are fairly lesser, and is just the time to plan for given milestones in life. These life milestones could be – higher education abroad (for ambitious ones among us), buying home, marriage, children, and retirement.

Once 35+, planning for *living too long* – not just dying too early – is just as vital. Provide for hindrances to your earning capability in the future by considering retirement plans. If one lives long enough, and has not saved, sustenance could be nightmarish, leave alone being able to fulfil big and small whims, post-retirement.

When young, one is perhaps not earning enough to set aside money for the future, but then an insurance cover is an important requirement. That way, if something unforeseen happens, the money one would have saved upon climbing professional ladders, might come to their family's aid. Insurance covering all the loans taken, are just as important.

Taking tough financial calls

Protect your money from yourself. How do you do that?

The plans that offer constant liquidity that seem to garner attention and popularity. But, why do you want liquidity of funds you're building for your child's future? Why do you want any short-term benefit, at all? Welcome lock-ins. Let your choices help create that financial discipline.

Financial discipline is about being practical and having oodles of common sense. It's really not about understanding intricacies of how a market works, but having a general, broad understanding of simple features such as lock-ins, guarantees, market-linked risks, matching of long-term needs to long-term assets.

❖❖❖

RM Vishakha
MD & CEO, IndiaFirst Life Insurance

प्रत्येक दिन हम स्वयं को अद्यतन करें

– राजेश कुमार, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

श्री राजेश कुमार 30 अप्रैल, 2019 को बैंक से सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 36 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप बैंक के पुणे अंचल का नेतृत्व कर रहे थे. टीम बॉबमैत्री ने श्री कुमार से उनके जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, उनसे बातचीत के कुछ अंश – संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार से हूं. मेरे पिताजी माइनिंग इंजीनियर थे एवं माँ गृहिणी हैं. मेरी एक बड़ी बहन है और हम दो जुड़वा भाई हैं लेकिन हमारे बीच जुड़वाओं जैसी कोई समानता नहीं है न ही दिखने में न ही कार्यकलाप में. मैंने बैंक में नौकरी ज्वाइन किया और मेरा भाई व्यवसायी है. मैंने 1980 में तिरहुत कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर (पूसा), समस्तीपुर (बिहार) से बीएससी (कृषि) में किया और मैंने बैच में टॉप किया था. जब मैं स्नातकोत्तर कर रहा था तब मेरे प्रोफेसर ने बैंक की नौकरी के प्रस्ताव को स्वीकार करने की सलाह दी.

आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना?

उन दिनों बैंक अधिकारियों की मांग थी एवं बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद बहुत बड़े स्तर पर बैंकों में भर्तियाँ हो रही थी और बैंक ज्वाइन करने का एक कारण यह भी था कि मुझे मेडिकल एंट्रैन्स में सफलता नहीं मिली थी और बैंक की नौकरी मुझे समाज में लोगों की सेवा करने का मौका दे रही थी.

आपको बैंक की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. इनमे से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा?

मुझे बैंक की बहुत सी शाखाओं/ प्रशासनिक कार्यालयों, प्रशिक्षण केंद्र, ओवरसीज कार्यालयों में काम करने का मौका मिला और सभी जगह अनुभव अच्छा रहा। मेरी पहली शाखा गुलाब बाग, जिला पूर्णिया थी और इस शाखा में मुझे ऋण अधिकारी के रूप में कार्य करने का मौका मिला. ऐसे तो सभी कार्यकाल में अनुभव बहुत अच्छा रहा, सहयोगी भी अच्छे मिले किन्तु क्षेत्रीय/ अंचल प्रमुख का कार्यकाल चुनौतीपूर्ण रहा. हमारी सफलता का सारा श्रेय मैं अपने वरिष्ठ साथियों एवं सहकर्मियों को देना चाहता हूँ क्योंकि किसी भी कार्य को सम्पन्न करने में सभी का पूर्ण योगदान था. आज भी एकांत समय में उन पलों को याद कर अच्छी अनुभूति होती है.

आपके बैंकिंग कॅरियर का सबसे मजेदार अनुभव कौन सा रहा?

वैसे तो बहुत सारे मजेदार अनुभव हैं, किसी एक को बताना काफी चुनौतीपूर्ण है. किंतु जब मैं स्केल–I अधिकारी था उस समय एक ग्राहक को साइकल रिपेयर की दुकान के लिए रू. 5000/– का ऋण दिया गया तो ऋणकर्ता की यह शर्त थी कि दुकान का उद्घाटन मुझे करना होगा. अत: तय तिथि को मैं अपने शाखा प्रबंधक एवं निरीक्षण अधिकारी जो उन दिनों शाखा का निरीक्षण कर रहे थे, के साथ निर्धारित जगह पहुंचा तो सभी ग्रामीण लोगों ने हमारा स्वागत किया एवं दुकान का फीता काटने का आग्रह किया. मेरे यह कहने पर कि उद्घाटन शाखा प्रबंधक करेंगे तो कोई राजी ही नहीं हुआ और बोलने लगे कि हमारे शाखा प्रबंधक तो आप हैं. इस पर हमारे शाखा प्रबंधक भी खुश हुए एवं मुझे दुकान का उदघाटन करने का आदेश दिया. तत्पश्चात शाखा में आए निरीक्षण अधिकारी ने भी सराहना की. यह मेरे लिए एक यादगार और सुखद अनुभव रहा.

आपका सबसे चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व कौन सा रहा?

क्षेत्रीय प्रमुख, भोपाल एवं अंचल प्रमुख, पुणे अंचल का कार्यनिष्पादन काफी चुनौतीपूर्ण रहा लेकिन उसका संपादन अच्छी व्यवसाय वृद्धि, अच्छे मानव संसाधन संबंधों से किया. मैं अपने सहयोगियों का मनोबल बढ़ा पाया और क्षेत्र को एक अलग ऊंचाई पर स्थापित कर पाया, यह मेरे लिए एक बहुत सुखद अनुभव भी रहा. हमारे कार्यकाल में कार्य दायित्व का मूल मंत्र टीम था.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/ पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

मैंने हमेशा अपने बैंकिंग उद्देश्यों को व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन से ऊपर रखा लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद अपने व्यक्तिगत और परिवारिक जीवन पर पूरा ध्यान दूंगा. किन्तु बैंकिंग कैरियर के दौरान भी मैंने अपने बच्चों को अच्छी परवरिश दी, उन्हें जीवन के मूल्यों से अवगत करवाया और उनकी अच्छी शिक्षा का प्रबंध किया. आज मेरी दोनों बेटियाँ अपने पैरों पर खड़ी हैं, स्वतंत्र हैं. यही मेरे लिए खुशी का विषय है.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषत: बैंक ऑफ बड़ौदा के संदर्भ में?

वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य काफी चुनौतीपूर्ण है और आर्थिक क्षेत्र में तीव्र गति से नित नए परिवर्तन आ रहे है. इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हर दिन हम स्वयं को अद्यतन करें. नित नए प्रोडक्टस की जानकारी रखना जरूरी है और ग्राहकों की उम्मीदों के अनुरूप अपनी कार्यशैली को ढालना बहुत आवश्यक है. बैंक ऑफ बड़ौदा मजबूत मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है. समामेलन के बाद हमारे स्टाफ की संख्या और व्यवसाय में असाधारण वृद्धि हुई है अत: सभी बडोदियन्स की यह ज़िम्मेदारी है कि प्रतिवर्ष हमारे कुल व्यवसाय में कम से कम 15% की बढ़ोत्तरी हो.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बडौदियनों के लिए क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

अपने बैंक का सुदीर्घ इतिहास रहा है और सरकार ने भी हमारे बैंक पर भरोसा दिखाया है, शायद इसलिए ही समामेलन का पहला मौका हमारे बैंक को दिया गया है. बैंक का भविष्य उज्वल है और रहेगा भी. हमारे स्टाफ सदस्य शत प्रतिशत प्रतिबद्धता के साथ अपने कार्यों में रत है और उनका एक ही ध्येय है, बैंक को बेहतर से बेहतरीन बनाना. मैं अपने युवा साथियों को बस यही संदेश देना चाहूँगा 'They should own the Bank & develop the leadership qualities & emerge as a successful Banker'.

आप सेवानिवृत्ति के बाद आप समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे?

सेवानिवृत्ति के बाद मैं अपने पैतृक स्थान पर जाऊंगा और माँ के साथ कुछ दिन रहूँगा क्योंकि इतने लंबे कॅरियर के दौरान घर पर पोस्टिंग कभी नही हुई. सेवानिवृत्ति के पश्चात अगले दिन 9 बजे ऑफिस के अनुसार तैयार था किन्तु ड्राइवर नहीं आया अत: ये आभास हुआ कि अब मैं सक्रिय सेवा में नहीं हूं. अंत में मैं सभी बड़ोदियन्स साथियों से अनुरोध करूंगा कि We should do our work with sincerity because labour never goes in vain मैं अपने आप को किसी न किसी कार्य में व्यस्त रखूँगा. अपने परिवार को समय दूंगा. किसी NGO में कार्य करने की कोशिश करूंगा. मुझे लाइव क्रिकेट मैच देखना, पुराने गाने सुनना, घूमना पसंद है. अतः अब परिवार के साथ निश्चिंत होकर घूमूँगा एवं जीवन को और जीवंत बनाऊंगा.

❖❖❖

समाचार

Bank enters into MoU with CRISIL for SME grading

Our Bank entered into a Memorandum of Understanding (MoU) with CRISIL Ltd on 03.07.2019 for assessing the credit quality of its existing and prospective customers in the small and medium enterprises (SME) segment. Along with our MD & CEO Shri P S Jayakumar and MD & CEO of CRISIL Shri Ashu Suyash, Executive Directors and other Top Executives of the Bank and CRISIL were present on the occasion.

Bank joins hands with Max Bupa Health Insurance to launch `SwasthaNeev'

Our Bank and Max Bupa Health Insurance have partnered with Feeding India, a not-for-profit organization, to launch the `SwasthaNeev' initiative to cover various hunger points, across 100 cities. Both the organizations have jointly pledged to feed 112,000 meals to the underprivileged citizens, within a span of two months. The initiative is aimed to contribute to the nation's Move to fight against hunger and enable the underprivileged citizens to lead healthier lives. Our Executive Director Shri Vikramaditya Singh Khichi and Shri Ashish Mehrotra, MD & CEO, Max Bupa Health Insurance were present on the occasion.

मानव संसाधन विकास प्रबंधन समिति द्वारा बैंक को पुरस्कार

दिनांक 05.07.2019 को मुंबई में मानव संसाधन विकास प्रबंधन समिति द्वारा 'प्रशिक्षण और विकास में उत्कृष्टता' और 'क्लास इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट' में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए हमारे बैंक को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर बैंक की ओर से यह पुरस्कार महाप्रबंधक श्रीमती अर्चना पाण्डेय ने ग्रहण किया.

'आलोक चंद्र वीरता सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ ने बैंक की सेवा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्राणों की आहुति देने वाले स्टाफ स्व. श्री करण सिंह नेगी को मरणोपरांत 'आलोक चंद्र वीरता सम्मान' से सम्मानित किया. यह सम्मान स्व. श्री करण सिंह नेगी की माँ श्रीमती सरपली नेगी ने अंचल प्रमुख श्री एम एल रोहिल्ला व उप अंचल प्रमुख श्री ओ पी खटकड़ के कर-कमलों से ग्रहण किया.

समाचार

रायबरेली में टाउन हॉल बैठक का आयोजन

रायबरेली और सुल्तानपुर क्षेत्र के स्टाफ सदस्यों के लिए रायबरेली में हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार की उपस्थिति में टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. रायबरेली में यह वृहद सम्मेलन बैंक की उपस्थिति के पचास वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया जिसमें महाप्रबंधक (समन्वयन–उत्तर) श्री रमेश मिगलानी, लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख डॉ. रामजस यादव, बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष श्री डी पी गुप्ता और रायबरेली क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अन्मय कुमार मिश्रा उपस्थित रहे.

जयपुर क्षेत्र द्वारा सुझाव एवं परामर्श अभियान कार्यक्रम

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय (भारत सरकार) की सुझाव एवं परामर्श अभियान नामक पहल के तहत 17–18 अगस्त, 2019 को जयपुर क्षेत्र द्वारा बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन की अध्यक्षता और महाप्रबंधक श्री प्रकाश वीर राठी की विशिष्ट उपस्थिति में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस प्रक्रिया के अंतर्गत जयपुर क्षेत्र की 105 शाखाओं के शाखा प्रबंधकों की गत पांच वर्षों के वार्षिक कार्यनिष्पादन की समीक्षा भी की गयी.

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 142वीं बैठक

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 142वीं बैठक दिनांक 26.08.2019 को जयपुर में कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची की अध्यक्षता एवं भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक एवं प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक श्री अरुण कुमार सिंह की विशिष्ट उपस्थिति में संपन्न हुई. उक्त बैठक में डॉ ओम प्रकाश (आईएएस), आयुक्त (कृषि विभाग), राजस्थान सरकार, श्रीमती काया त्रिपाठी, महाप्रबंधक (वित्तीय समावेशन एवं विकास विभाग), भारतीय रिजर्व बैंक, श्री कुलदीप, महाप्रबंधक, नाबार्ड, श्री प्रकाश वीर राठी, महाप्रबंधक एवं संयोजक, श्री योगेश अग्रवाल, उप अंचल प्रमुख एवं अन्य सभी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर विचार मंथन एवं राज्य स्तरीय परामर्श बैठक का आयोजन

दिनांक 23.08.2019 को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान द्वारा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर विचार मंथन एवं भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने हेतु राज्य स्तरीय परामर्श परिचर्चा बैठक कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची की अध्यक्षता में आयोजित की गई. इस बैठक में महाप्रबंधक श्री प्रकाश वीर राठी सहित भारतीय स्टेट बैंक, नाबार्ड, राजस्थान उद्योग परिषद संघ, राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे.

लखनऊ में सुझाव एवं परामर्श अभियान कार्यक्रम का आयोजन

अंचल कार्यालय लखनऊ द्वारा दिनांक 23.08.2019 को सुझाव एवं परामर्श अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान हमारे प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री पी एस जयकुमार ने प्रेस को संबोधित किया. इस अवसर पर महाप्रबन्धक डॉ. रामजस यादव, पंजाब नेशनल बैंक के महाप्रबंधक श्री समीर बाजपेयी, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबन्धक श्रीमती सलोनी नारायण तथा इलाहाबाद बैंक के महाप्रबंधक श्री रवीन्द्र सिंह भी उपस्थित थे.

NEWS

नई दिल्ली में निर्यातकों के लिए विशेष बैठक का आयोजन

दिनांक 31 अगस्त, 2019 को अंचल कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में निर्यातकों के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में प्रमुख (ट्रेड, फॉरेक्स एवं रेमिटेंस) श्री निशांत रंजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. इस अवसर पर महाप्रबंधक–मुख्य समन्वयन श्री आर के मिगलानी, अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, उप अंचल प्रमुख श्री आर पी बब्बर तथा क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह (दिमक्षे–1), श्री मधुर कुमार (दिमक्षे–2), श्री अश्विनी कुमार (दिमक्षे–3) एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

जोखिम प्रबंधन पर तिमाही पत्रिका 'जोखिम अनुभूति का शुभारंभ

जोखिम प्रबंधन विभाग द्वारा जुलाई, 2019 से तिमाही समाचार पत्र "जोखिम अनुभूति" की शुरूआत की गई. इसके प्रथम अंक का विमोचन 12.09.2019 को कार्यपालक निदेशक श्री एस एल जैन और श्री वी एस खीची तथा अन्य कार्यपालकों की उपस्थिति में किया गया. इस अवसर पर प्रमुख (क्रेडिट गुणवत्ता एवं पोर्टफोलियो निगरानी और प्रभारी जोखिम प्रबंधन) श्री के जी गोयल, महाप्रबंधक श्री जयेशकुमार वी मेहता, मुख्य अर्थशास्त्री एवं प्रमुख–आयोजना श्री समीर नारंग तथा प्रमुख (अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग) श्री वेणुगोपाल मेनन और उप महाप्रबंधक श्री आर एस नेगी उपस्थित थे.

पटना में स्वयं सहायता समूह हेतु ऋण वितरण शिविर का आयोजन

दिनांक 27.08.2019 को पटना क्षेत्र द्वारा बिहार सरकार द्वारा चलाई जा रही 'जीविका' कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह हेतु ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान पटना अंचल के अंचल प्रमुख (महाप्रबंधक) श्री नित्यानंद बेहेरा, पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख (उप महाप्रबंधक) श्री मनीष कौरा, 'जीविका' के प्राधिकारीगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

गांधीनगर में सुझाव व परामर्श कार्यक्रम का आयोजन

वित्त मंत्रालय के निर्देश पर भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से गांधीनगर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 18 व 19 अगस्त 2019 को शाखा प्रमुखों के साथ 'सुझाव व परामर्श अभियान' चलाया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, एपेक्स अकादमी प्रमुख श्री पंकज जानी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष पालन तथा शाखा प्रमुख भी उपस्थित रहे.

कृषि ऋण शिविर का आयोजन

क्षेत्रीय कार्यालय, रायबरेली द्वारा दिनांक 08.08.2019 को रायबरेली में कृषि ऋण शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता हमारे प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री पी एस जयकुमार द्वारा की गई. इस अवसर पर कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए गए. कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक–सीसी (उत्तर) श्री आर के मिगलानी, लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख डॉ. रामजस यादव, रायबरेली के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अन्मय कुमार मिश्रा तथा अन्य कार्यपालकगण उपस्थित थे.

कैपिटल गेन्स खाता योजना

आइए कैपिटल गेन्स खाता योजना को जानें

बच्चे कक्षा में बैठे हैं. कुछ बच्चे बेसब्री से मास्टरजी की प्रतीक्षा कर रहे हैं. कुछ बच्चे एक-दूसरे से बातें करने में लगे हैं. तभी मास्टरजी कक्षा में प्रवेश करते हैं. सभी बच्चे अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाते हैं.

मास्टर जी – सुप्रभात बच्चों!

सभी बच्चे (एक साथ) – सुप्रभात मास्टरजी!

मास्टरजी – बच्चों! आप सभी जानते ही हैं कि आज के समय में बैंक की भूमिका कितनी अधिक बढ़ गई है. जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, किसी-न-किसी रूप में बैंक की जरूरत पड़ती ही है. बैंकिंग की जानकारी न रहने के कारण कई बार नुकसान भी उठाना पड़ता है.

सभी बच्चे (एक साथ) – जी हाँ, मास्टरजी.

मास्टरजी – यही कारण है कि हमने आज से शुरू की है – बैंकिंग की पाठशाला.

सभी बच्चे खुश हो जाते हैं.

मास्टरजी – बच्चों! बैंकिंग की पाठशाला का पहला पाठ है – **कैपिटल गेन्स खाता योजना.** यहाँ कैपिटल का अर्थ है-पूंजीगत संपत्ति. कोई भी मूल्यवान वस्तु जिसे बेचा जा सकता हो और जो व्यापार एवं पेशे से सीधा जुड़ा न हो, उन्हें पूंजीगत संपत्ति कहा जाता है.

मास्टरजी – रमेश, क्या आप पूंजीगत संपत्ति का उदाहरण बता सकते हैं?

रमेश – मास्टरजी घर, इमारत, दुकान, जमीन, वाहन, मशीनरी, सोना, चाँदी, आभूषण, शेयर, बॉन्ड आदि.

संस्कृति – मास्टरजी, ये कैपिटल गेन्स क्या होता है?

मास्टरजी – संस्कृति, कैपिटल गेन्स का अर्थ होता है- पूंजीगत लाभ. हम सभी के पास कोई-न-कोई पूंजीगत संपत्ति होती है और कभी – कभी हम इसे बेचकर लाभ भी प्राप्त करते हैं. इस तरह हम कह सकते हैं कि पूंजीगत संपत्ति बेचने पर हमें जो लाभ मिलता है, उसे ही पूंजीगत लाभ या 'कैपिटल गेन्स' कहा जाता है. यह पूंजीगत लाभ दो तरह का हो सकता है. पहला, अल्पकालीन पूंजीगत लाभ और दूसरा दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ.

सुरेश – मास्टरजी, अल्पकालीन और दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ के बारे में जरा विस्तार से समझाइए न.

मास्टरजी – अवश्य सुरेश. अल्पकालीन और दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ को समझने के लिए हमें अल्पकालीन और दीर्घकालीन पूंजीगत संपत्ति को समझना होगा. आइए हम इस सारणी से इन्हें समझते हैं–

	अल्पकालीन पूंजीगत संपत्ति	दीर्घकालीन पूंजीगत संपत्ति
पूंजीगत संपत्ति	**स्वामित्व में रखने की अवधि**	**स्वामित्व में रखने की अवधि**
अचल संपत्ति	2 वर्ष से कम	2 वर्ष से अधिक
चल संपत्ति	3 वर्ष से कम	3 वर्ष से अधिक
सूचीबद्ध इक्विटी शेयर	1 वर्ष से कम	1 वर्ष से अधिक
असूचीबद्ध शेयर	2 वर्ष से कम	2 वर्ष से अधिक
इक्विटी म्यूचुअल फ़ंड	1 वर्ष से कम	1 वर्ष से अधिक
डेब्ट म्यूचुअल फ़ंड	3 वर्ष से कम	3 वर्ष से अधिक

बच्चों, इस तरह हम देख सकते हैं कि कोई पूंजीगत संपत्ति अल्पकालीन है या दीर्घकालीन यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम उसे अपने पास कितने समय तक रखते हैं. अल्पकालीन पूंजीगत संपत्ति को बेचने पर अल्पकालीन पूंजीगत लाभ और दीर्घकालीन पूंजीगत संपत्ति को बेचने पर दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ प्राप्त होता है.

राजू – मास्टरजी, क्या पूंजीगत लाभ पर भी हमें कोई कर देना पड़ता है?

मास्टरजी – हाँ, राजू. संपत्ति बेचने पर जो फायदा होता है, उसे सरकार हमारे आय का हिस्सा मानती है. ऐसी आय पर हम जो कर देते हैं, उसे 'कैपिटल गेन्स टेक्स' कहा जाता है. अल्पकालीन पूंजीगत लाभ और दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ पर अलग-अलग दरों से कर लगाया जाता है.

राघव – मास्टरजी, हम कैपिटल गेन्स टेक्स देने से बच नहीं सकते हैं क्या?

मास्टरजी – बिलकुल राघव. आपने बहुत ही अच्छा प्रश्न किया. वास्तव में, हमारा आज का विषय 'कैपिटल गेन्स खाता योजना' इसी प्रश्न के उत्तर के रूप में सामने आता है.

सुंदरम – मास्टरजी, यह कैपिटल गेन्स खाता योजना क्या है?

मास्टरजी – बच्चों, कैपिटल गेन्स खाता योजना की शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा 1988 में की गई थी. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 54 के अंतर्गत कैपिटल गेन्स खाता में जमा राशि पर छूट का लाभ लिया जा सकता है. कैपिटल गेन्स खाता एक ऐसा जमा खाता है जिसमें कोई करदाता अपने पूंजीगत लाभ की राशि को नई संपत्ति खरीदने या बनाने के उद्देश्य से कुछ समय के लिए रख सकता है.

सुरेश – मास्टरजी, क्या धनराशि जमा रखने की कोई समय सीमा तय की गई है?

मास्टरजी – सुरेश, करदाता को कैपिटल गेन्स खाता खोलते समय ही यह स्पष्ट करना होता है कि वह इस खाते में जमा धनराशि से नई संपत्ति को खरीदना चाहता है या बनाना. यदि वह नई संपत्ति को खरीदना चाहता है तो पुरानी संपत्ति को बेचने की तिथि से 2 वर्ष तक और यदि बनाना चाहता है तो पुरानी संपत्ति को बेचने की तिथि से 3 वर्ष तक पूंजीगत लाभ को जमा रख सकता है.

कविता – परंतु मास्टरजी, यदि मैं 5 वर्ष के बाद नया घर खरींदू तो?

मास्टरजी – कविता, ऐसी स्थिति में भी आपको नया घर खरीदने के वित्तीय वर्ष में दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ कर का भुगतान करना पड़ेगा. साथ ही आपको 2018–19 में कर में प्राप्त छूट का भुगतान भी करना होगा.

हरेन्द्र– मास्टरजी, कैपिटल गेन्स खाता कौन–कौन खुलवा सकते हैं?

मास्टरजी – भारतीय, अनिवासी भारतीय, हिन्दू अविभाजित परिवार, साझेदारी फर्म, सम्पूर्ण स्वामित्व वाली फर्म, कंपनी, व्यक्तियों का संघ सभी कैपिटल गेन्स खाता खुलवा सकते हैं. यह खाता बैंक ऑफ़ बड़ौदा जैसे केवल भारत सरकार द्वारा अधिकृत बैंकों में ही खोला जा सकता है. ध्यान रखने वाली बात है कि यह खाता इन बैंकों की ग्रामीण शाखाओं में नहीं खोला जा सकता हैं.

रश्मि – मास्टरजी, कैपिटल गेन्स खाता किस प्रकार का खाता होता है– बचत खाता या सावधि जमा खाता?

मास्टरजी – रश्मि, कैपिटल गेन्स खाता दो प्रकार का होता है– जमा खाता–क और जमा खाता–ख. जमा खाता–क बचत खाता और जमा खाता–ख सावधि जमा खाता होता है. ये दोनों खाते सामान्य बचत बैंक खाते और सावधि जमा खाते जैसे ही होते हैं और इन पर मिलने वाली ब्याज–दर भी समान होती है. इसके साथ ही सामान्य खातों की तरह इन खातों के लिए भी नामांकन सुविधा उपलब्ध है.

संस्कृति – मैं किसी बैंक में कैपिटल गेन्स खाता कैसे खुलवा सकती हूँ, मास्टरजी?

मास्टरजी – संस्कृति, सबसे पहले आपको अधिकृत बैंक शाखा में जाकर फॉर्म 'क' में कैपिटल गेन्स खाता के लिए आवेदन करना होगा. आवेदन के साथ आपको अपना छायाचित्र, पैन कार्ड और आवास प्रमाण–पत्र की छायाप्रति भी सलंग्न करनी होगी. आप अपने पूंजीगत लाभ की धनराशि को नकद या रेखांकित चैक या फिर ड्राफ्ट के रूप में भी जमा कर सकती हैं. साथ ही आप अपनी धनराशि एकमुश्त या किश्त में भी जमा कर सकती हैं. जैसा कि हमने पहले भी बताया फॉर्म 'क' में यह बताना होगा कि आप यह धनराशि अगले 2 वर्ष के अंदर नया घर खरीदने में खर्च करेंगे या फिर अगले 3 वर्ष के अंदर नया घर बनाने में लगाएंगे. आपके इस लिखित घोषणा के आधार पर ही कैपिटल गेन्स खाता खुलेगा और आपको इस वित्तीय वर्ष में आयकर में छूट मिलेगी.

राघव – मास्टरजी, क्या कैपिटल गेन्स खाता से निकासी कभी भी की जा सकती है?

मास्टरजी – राघव, जमा खाता–क से निकासी पर कोई प्रतिबंध नहीं है. परंतु जमा खाता–ख से समय से पहले निकालने के लिए जमा राशि को खाता–क में स्थानांतरित करना होता है और इसके लिए कुछ अर्थदंड देना पड़ता है. निकाली गई राशि को 60 दिनों के अंदर विशिष्ट निवेश के लिए उपयोग करना जरूरी है. अप्रयुक्त राशि को तुरंत खाता–क में जमा करना आवश्यक है.

राघव – मास्टरजी, निकासी के लिए कौन–से फॉर्म का उपयोग करना चाहिए?

मास्टरजी – कैपिटल गेन्स खाते से पहली बार निकासी के लिए फॉर्म–सी और इसके बाद निकासी के लिए फॉर्म–डी का उपयोग करना चाहिए. यही कारण है कि जमाकर्ता को कोई चेकबुक या डेबिट कार्ड जारी नहीं किया जाता है.

राजू – खाता–क से खाता–ख या खाता–ख से खाता–क में अंतरित करने के लिए कौन सा फॉर्म भरना चाहिए.

मास्टरजी – राजू, इसके लिए फॉर्म बी भरना चाहिए.

रश्मि – मास्टरजी, कैपिटल गेन्स खाते में नामांकन की क्या सुविधाएं हैं?

मास्टरजी – कैपिटल गेन्स खाते में अधिकतम 3 व्यक्ति का नामांकन किया जा सकता है. नाबालिग, एचयूएफ, एओपी, बीओआई या फर्म की ओर से खोले गए खाते में नामांकन की अनुमति नहीं है. नामांकन के लिए फॉर्म ई और नामांकित व्यक्ति का परिवर्तन करने के लिए फॉर्म एफ का उपयोग किया जा सकता है.

सुंदरम – मास्टरजी, कैपिटल गेन्स खाते को कैसे बंद किया जा सकता है?

मास्टरजी – कैपिटल गेन्स खाते को बंद कराने के लिए फॉर्म जी के साथ न्यायिक आयकर अधिकारी का स्वीकृति–पत्र जमा करना जरूरी होता है. मृतक जमाकर्ता के किसी नामांकित व्यक्ति या कानूनी उत्तराधिकारी द्वारा खाते को बंद करने के लिए फॉर्म एच भरना होता है.

सुरेश– मास्टरजी, कैपिटल गेंस खाता मुझे बचत खाता के रुप में खुलवाना चाहिए या सावधि जमा खाता के रुप में?

मास्टरजी – सुरेश, यदि आप घर बनाने जा रहे हैं, तो आपको अपने खाता से बीच–बीच में पैसे निकालने की जरूरत होगी. इसलिए आपको कैपिटल गेंस खाता बचत खाता के रुप में खुलवाना चाहिए. यदि आप नया घर खरीदना चाहते हैं और एक बार में ही सारा भुगतान करना चाहते हैं, तो आपके लिए सावधि जमा खाता खुलवाना बेहतर होगा. महत्वपूर्ण बात यह है कि खाता–क और खाता–ख दोनों पर अर्जित ब्याज कानून के अधीन कर के लिए उत्तरदायी है.

रश्मि – मास्टरजी, मान लीजिए कि मैंने कैपिटल गेन्स खाता खुलवा लिया है और 20 लाख रुपए जमा भी किया है. क्या मैं इस जमा राशि पर कोई ऋण ले सकती हूँ?

मास्टरजी – रश्मि, कैपिटल गेन्स खाता में जमा रुपए पर आप कोई भी ऋण नहीं ले सकती हैं.

राघव – क्या मैं इस खाते को एक बैंक से दूसरे बैंक में हस्तांतरित करवा सकता हूँ?

मास्टरजी – राघव, आप अपने कैपिटल गेन्स खाते को एक बैंक की शाखा से उसी बैंक की दूसरी किसी भी शाखा में हस्तांतरित करवा सकते हैं, परंतु एक बैंक से दूसरे किसी बैंक में हस्तांतरित नहीं करवा सकते.

प्रकाश – मास्टरजी, मान लीजिए कि मेरे पास मेरे नाम पर एक बड़ा सा घर है. मैं चाहता हूँ कि उस घर को बेचकर दो नए घर खरीदूँ. क्या मुझे कैपिटल गेन्स पर कर में छूट मिलेगी?

मास्टरजी – प्रकाश, पुराने नियम के अनुसार, यदि कोई एक घर बेचकर दो घर खरीदता है, तो उसे दूसरे घर पर दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ कर देना होता था. परंतु 2019 के बजट के अनुसार, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 54 में संशोधन किया गया है. अब कोई अपना एक घर बेचकर प्राप्त धनराशि से दो नए घर भी खरीदता है, तो उसे किसी भी घर पर दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ कर नहीं देना पड़ेगा. यहाँ ध्यान रखने वाली बात यह है कि कैपिटल गेन्स 2 करोड़ से अधिक न हो और इस सुविधा का लाभ पूरे जीवन में केवल एक बार लिया जा सकता है.

कक्षा में अधिकांश बच्चे शांत दिख रहे थे. कुछ बच्चे एक–दूसरे से बात कर रहे थे.

मास्टरजी – बच्चों, और किसी का कोई प्रश्न कैपिटल गेन्स खाता योजना के बारे में?

सभी बच्चे (एक साथ) – नहीं, मास्टरजी.

मास्टरजी – बच्चों, हम आशा करते हैं कि आज के विषय 'कैपिटल गेन्स खाता योजना' पर आप सभी की जानकारी बढ़ी होगी. कैसी लगी हमारी बैंकिंग की पाठशाला?

सभी बच्चे (एक साथ) – बहुत अच्छा मास्टरजी. धन्यवाद मास्टरजी.

मास्टरजी – आप सभी का भी धन्यवाद बच्चों. हम मिलते हैं बैंकिंग की पाठशाला में फिर एक नए विषय के साथ. जय हिन्द!

सभी बच्चें (एक साथ) – जय हिन्द, मास्टरजी.

❖❖❖

दीपक कुमार
प्रबन्धक, एनएसीएच सेल,
सिटी बैक ऑफिस, मुंबई

बैंक के प्रति निष्ठा का भाव रखें

– राकेश कुमार भाटिया, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

श्री राकेश कुमार भाटिया 30 अप्रैल, 2019 को बैंक से सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 38 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप बैंक के नई दिल्ली अंचल का नेतृत्व कर रहे थे. टीम बॉबमैत्री ने श्री भाटिया से उनके जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, उनसे बातचीत के कुछ अंश – संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मेरा जन्म लुधियाना के निम्नमध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था. मेरी माताजी एक गृहिणी तथा पिता जी रेलवे में नौकरी करते थे. प्रत्येक 5 वर्षों में पिताजी का स्थानान्तरण हो जाता था. पिताजी के अमृतसर में स्थानांतरण के पश्चात मैंने डी.ए.वी. उच्च माध्यमिक स्कूल से प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की तथा डी.ए.वी. महाविद्यालय, अमृतसर से स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) किया जिसमें मैं स्वर्ण पदक विजेता रहा. मुझे कक्षा 5 से प्रत्येक माह छात्रवृत्ति मिलनी प्रारम्भ हो गई थी जो कि आगे की कक्षाओं में भी जारी रही तथा छात्रवृत्ति के आधार पर ही मैंने सम्पूर्ण शिक्षा प्राप्त की. मैंने सदैव अपने स्वर्गवासी पिताजी को अपना आदर्श माना है. उन्होंने परिवार को सभी सुख – सुविधाएं उपलब्ध कराईं. उनके इसी जज़्बे से मुझे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त हुई.

आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना ?

मैं अर्थशास्त्र विषय से स्नातकोत्तर कर रहा था और संबंधित क्षेत्र में ही नौकरी करने का इच्छुक था. साथ ही घर के खर्चों में पिताजी को सहयोग देना चाहता था. इसी बीच बैंक में लिपिक संवर्ग की रिक्तियां निकलीं. मैंने आवेदन किया और चयनित हो गया.

आपको बैंक की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा ?

मैंने सभी शाखाओं तथा कार्यालयों में पूर्ण मेहनत, लगन तथा निष्ठा से कार्य किया क्योंकि कर्म ही मेरी ऊर्जा का स्रोत है. सितारगंज, ग्रामीण शाखा (1989–92) में कार्य करने का मेरा अनुभव सबसे यादगार तथा अच्छा रहा.

आपके बैंकिंग कॅरियर का सबसे मजेदार अनुभव कौन सा रहा?

नवम्बर 2007 में जब मैंने लन्दन साउथहॉल शाखा में पदभार ग्रहण किया, शाखा का व्यवसाय 24 मिलियन था. मेरे चार वर्षों के कार्यकाल में शाखा का व्यवसाय 24 मिलियन से बढ़कर 120 मिलियन हो गया. विदेशी भूमि पर अपने देश के बैंक की शाखा के कारोबार में यह अद्भूत वृद्धि एक बड़ी उपलब्धि थी. स्थानीय लोगों के दिलों में स्थान बनाकर शाखा के कारोबार में वृद्धि हुई. स्थानीय बाजारों में बैंक का नाम पुनर्स्थापित हुआ. इस प्रकार कार्य की दृष्टि से साउथहॉल शाखा, लन्दन में कार्य करने का अनुभव सबसे मजेदार रहा.

आपका सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व कौन सा रहा?

यद्यपि मुझे क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में कई क्षेत्रों में कार्य करने का अनुभव प्राप्त है परन्तु नई दिल्ली अंचल में अंचल प्रमुख के रूप में कार्य करने का मुझे पहली बार अनुभव प्राप्त हुआ तथा यह अनुभव चुनौतीपूर्ण भी था. नई दिल्ली अंचल का व्यवसाय पिछले कुछ वर्षों से स्थिर था जिसे सकारात्मक रूप देना एक बड़ी चुनौती थी. हमने अपनी टीम के सदस्यों के मनोबल तथा आत्मविश्वास को पुनर्जीवित किया. अपनी टीम को सशक्त बनाया. हमने अंचल में विविध प्रकार की नई पहलों का शुभारम्भ किया. टाउन हॉल बैठक को 'दिल की बात दिल से दिल तक' का नाम दिया ताकि टीम के सभी सदस्य उच्च प्रबंधन तक अपनी बात पहुंचा सकें. खुदरा ऋण के तहत अनेक अभियान संचालित कराए जिसके परिणामस्वरूप अंचल के व्यवसाय में अभूतपूर्व वृद्धि हुई तथा नई दिल्ली अंचल को खुदरा ऋण अंचल के रूप में भी पहचाना जाने लगा. अंचल में पदभार ग्रहण करते समय (नवम्बर'17) अंचल का व्यवसाय रु.77,000 करोड़ था जो कि मार्च'19 तक बढकर 1,18,000 करोड़ हो गया.

आप बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' की विषय-वस्तु प्रबंधन समिति के सदस्य भी रहे हैं. अतः इस पत्रिका को और अधिक रोचक बनाने हेतु आप क्या सुझाव देना चाहेंगे?

मेरा सुझाव है कि बैंक की पत्रिका में स्टाफ सदस्यों के अधिक से अधिक आलेख / रचनाओं को समाहित करना चाहिए. प्रत्येक अंक में नवीनतम बैंकिंग विषयों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करनी चाहिए. पत्रिका में बैंक के तिमाही व्यावसायिक आंकड़ों को भी सम्मिलित करना चाहिए. उच्च प्रबंधन के सन्देश में प्रबंधन की भावी सोच को भी स्टाफ सदस्यों से साझा करना चाहिए.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

बैंकिंग कार्यप्रणाली में व्यस्त रहना स्वाभाविक है परन्तु अपनी धर्मपत्नी के सहयोग से मैं अपने बैंकिंग पेशे तथा व्यक्तिगत / पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाने में सफल हो सका. बैंक की सभी तैनाती स्थलों पर मैं अपने परिवार को साथ नहीं ले जा सका. मेरी अनुपस्थिति में मेरी पत्नी ने एक पिता की ज़िम्मेदारी भी भलीभांति निभाई. परिवार में इस संतुलन को बनाने में मेरी माता जी का भी आशीर्वाद रहा. उन्होंने अपने स्वास्थ्य की परवाह न करते हुए परिवार का पूर्ण ध्यान रखा.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संदर्भ में?

समामेलन के पश्चात हमारा बैंक एक बड़ा बैंक बन गया है. व्यवसाय अर्जित करने वाले स्टाफ सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है. शाखाओं की संख्या 5,500 से बढ़कर 9,500 तथा स्टाफ सदस्यों की संख्या 50,000 से बढ़कर 85,000 हो गई है. सभी बड़ौदियनों से यह अपेक्षा है कि इस समामेलन को सफल बनाने में भरपूर योगदान दें ताकि यह ऐतिहासिक समामेलन बैंकिंग उद्योग के समक्ष एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत हो सके.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

विजया बैंक तथा देना बैंक के समामेलन के पश्चात हमारा बैंक सार्वजनिक क्षेत्र का दूसरा बड़ा बैंक बन गया है. अब हमारा बैंक सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा. युवाओं में ज्ञान का स्तर, ऊर्जा, मनोबल तथा आत्मविश्वास अत्यधिक है. मैं बड़ौदियनों को यही सन्देश देना चाहूंगा कि इस ऊर्जा, मनोबल, आत्मविश्वास तथा ज्ञान का सकारात्मक रूप से प्रयोग करें. बैंक के प्रति निष्ठाभाव रखें. बैंक की शक्तियों को समझें तथा अपने मजबूत कन्धों में इतनी मजबूती पैदा करें कि बैंक के कार्यभार एवं ज़िम्मेदारी को बखूबी निभाने के लिए समर्थ हो जाएं. बैंक के हित में नई पहलों को क्रियान्वित कराएं तथा बैंक की कार्यप्रणाली एवं उत्पादों को और अधिक गुणवत्तापरक बनाने के लिए प्रयासरत रहें.

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे ?

सेवानिवृत्ति के पश्चात मैं व्यस्त रहने की पूरी कोशिश करूंगा. कार्यालयीन व्यस्तता के कारण जो समय परिवार को नहीं दे पाया, वह अब अपने परिवार के प्रति समर्पित करूंगा. समाज के प्रति भी अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करूंगा. अनाथ व गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए मैं अवश्य योगदान दूंगा क्योंकि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और यदि इस नेक कार्य में मैं किंचित योगदान भी दे पाया तो मैं स्वयं को धन्य समझूंगा.

अंत में मैं अपने परिवार, सहकर्मियों तथा बैंक के उच्चाधिकारियों के प्रति सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट करता हूँ.

❖❖❖

हिंदी दिवस समारोह

हिन्दी दिवस-2019 के अवसर पर प्रधान कार्यालय, कॉर्पोरेट कार्यालय सहित देशभर में हमारे विभिन्न अंचलों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए. हम अंचल कार्यालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ यहाँ प्रस्तुत कर रहे हैं - संपादक

कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में हिन्दी दिवस का आयोजन

कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में हिन्दी माह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. साथ ही दिनांक 16 सितंबर 2019 को मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'मोटेराम की डायरी' की नाट्य प्रस्तुति श्री मुजीब खान के निर्देशन में की गई. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने नाट्य कलाकारों को सम्मानित किया. कार्यक्रम में कॉर्पोरेट कार्यालय के शीर्ष कार्यपालकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे. कार्यक्रम का संयोजन सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री संजय सिंह ने किया.

अंचल कार्यालय, नई दिल्ली

दिनांक 16 सितंबर, 2019 को अंचल कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा दिल्ली महानगर क्षेत्र 1, क्षेत्र 2 तथा क्षेत्र 3 के संयुक्त संयोजन से हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर हास्य कवि श्री शम्भू शिखर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. कार्यक्रम में हिन्दी माह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन) श्री आर के मिगलानी, अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, उप अंचल प्रमुख श्री आर पी बब्बर, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मधुर कुमार एवं श्री घनश्याम सिंह,अन्य कार्यपालक गण और स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल कार्यालय, लखनऊ

लखनऊ अंचल द्वारा दिनांक 17.09.2019 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल प्रमुख डॉ.रामजस यादव ने की. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री अजय प्रताप सिंह, उप महाप्रबंधक श्री बलबीर सिंह लूथरा, सहायक महाप्रबंधक श्री गिरीश कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ में दिनांक 16.09.2019 को राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री एम एल रोहिल्ला, क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती सम्मिता सचदेव तथा विशिष्ट अतिथि व लेखक श्री हरवंश दुआ एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

हिंदी दिवस समारोह

अंचल कार्यालय, राजकोट

अंचल कार्यालय, राजकोट द्वारा दिनांक 16.09.2019 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर माननीय गृहमंत्री तथा हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के संदेशों का वाचन किया गया तथा स्टाफ सदस्यों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया. कार्यक्रम के दौरान अंचल प्रमुख श्री संजीव डोभाल, उप अंचल प्रमुख श्री प्रदीप सचदेवा, राजकोट क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय गुप्ता तथा सहायक महाप्रबंधक श्री मनोज कुमार एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल कार्यालय, जयपुर

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर अंचल द्वारा दिनांक 21.09.2019 को "मेरी भाषा– मेरी पहचान" विषय पर विचार गोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. समारोह में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. हेतु भारद्वाज एवं श्री ईशमधु तलवार, महासचिव, राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया. इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उप अंचल प्रमुख श्री योगेश अग्रवाल एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया.

अंचल कार्यालय, हैदराबाद

अंचल कार्यालय, हैदराबाद में दिनांक 17.09.2019 को हिन्दी दिवस समारोह–2019 का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नराकास के पूर्व सचिव श्री विषणु भगवान उपस्थित रहे. कार्यक्रम के दौरान उप अंचल प्रमुख श्री गिडुगु सत्यनारायण, सहायक महाप्रबंधक श्री चेन्नवीरय्या तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल कार्यालय, बेंगलुरू

हिन्दी दिवस के अवसर पर बेंगलुरू अंचल में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए. इस अवसर पर बेंगलुरू दक्षिण क्षेत्र द्वारा मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक (मुख्य समन्वयन, दक्षिण) श्री वीरेन्द्र कुमार ने की. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अनिता (प्रोफेसर, जैन यूनिवर्सिटी), अंचल प्रमुख श्री सुदर्शन एस. ए तथा सभी क्षेत्रीय प्रमुखों सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल कार्यालय, भोपाल

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल उत्तर में सितम्बर माह को हिन्दी माह के रूप में मनाया गया जिसकी विधिवत शुरुआत दिनांक 02.09.2019 को की गई. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री प्रमोद शर्मा, उप क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री मौसुमी मित्रा, भोपाल उत्तर क्षेत्र एवं क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ़ उपस्थित थे.

हिंदी दिवस समारोह

अंचल कार्यालय, बरेली

दिनांक 17 सितंबर, 2019 को अंचल कार्यालय, बरेली में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया जिसमें अंचल कार्यालय, बरेली द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री हरदेव सिंह तथा अंचल और क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, चेन्नै

चेन्नै अंचल तथा चेन्नई मेट्रो क्षेत्र-II में संयुक्त रूप से हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री रामानुज शर्मा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री गुणसागरन वी और श्री जय प्रकाश एवं अन्य स्टाफ-सदस्य उपस्थित थे. साथ ही समारोह में स्टाफ सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई जिसमें हिन्दी कविता पाठ, हिन्दी के विभिन्न आयाम पर आलेख व हिन्दी गीत आदि प्रस्तुत किए गए.

अंचल कार्यालय, कोलकाता

कोलकाता अंचल द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 01 सितम्बर, 2019 से 15 सितम्बर, 2019 तक हिन्दी पखवाड़ा के रुप में मनाया गया. इस पखवाड़ा के समापन के अवसर पर दिनांक 18.09.2019 को बृहत्तर कोलकाता एवं कोलकाता मेट्रो क्षेत्र के साथ संयुक्त रूप से हिन्दी दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री अरविंद लोही, मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं हास्य कवि के रूप में श्री जय कुमार रूसवा तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

अंचल कार्यालय, पुणे

दिनांक 13 सितंबर, 2019 को अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे द्वारा हिन्दी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह की मुख्य अतिथि मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइन्स एंड कॉमर्स की हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ प्रेरणा उबाले रहीं. इस समारोह में अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी, उप अंचल प्रमुख श्री हरीश चन्द, क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी के पंचोरी तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री टी पी तुलस्यान उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, बड़ौदा

बड़ौदा अंचल द्वारा 17 सितम्बर, 2019 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. समारोह की अध्यक्षता बड़ौदा अंचल के उप महाप्रबंधक श्री पी एस नेगी ने की. कार्यक्रम के दौरान सहायक महाप्रबंधक श्री सुरेश कुमार खटोड़ एवं अंचल के अन्य कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्यगण उपस्थित थे. इस अवसर पर 'बैंकिंग पर प्रौद्योगिकी का बढ़ता प्रभाव' विषय पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में बड़ौदा अकादमी, बड़ौदा के संकाय एवं वरिष्ठ प्रबंधक श्री गौतम कुमार को आमंत्रित किया गया.

हिंदी दिवस समारोह

अंचल कार्यालय, पटना

दिनांक 16 सितंबर, 2019 को अंचल कार्यालय, पटना द्वारा अंचल प्रमुख श्री नित्यानंद बेहेरा की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह 2019 का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पटना विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. बलराम तिवारी उपस्थित रहे. कार्यक्रम के दौरान उप अंचल प्रमुख श्री नरेन्द्र सिंह तथा पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कौरा सहित अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय के सभी कार्यपालक तथा स्टाफगण उपस्थित थे.

अंचल कार्यालय, अहमदाबाद

हिन्दी दिवस 2019 के उपलक्ष्य में अंचल कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा दिनांक 10.10.2019 को महाप्रबन्धक श्री जी के पानेरी की अध्यक्षता में मुख्य समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर श्री प्रदीप जोशी, प्रभारी संपादक, राजस्थान पत्रिका को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया. मुख्य समारोह में कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें श्रीमती सुविधा पंडित, विशिष्ट हिन्दी कवयित्री, श्री इरफान अल्वी, मशहूर गजलकार तथा श्री जगदीश गुर्जर, विख्यात हास्य कवि को आमंत्रित किया गया.

अंचल कार्यालय, मैंगलुरु

दिनांक 18.09.2019 को मेंगलुरु अंचल तथा क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अंचल प्रमुख श्री एम. जे. नागराज की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. नागरत्ना हिन्दी विभागाध्यक्ष युनिवर्सिटी कॉलेज, क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी शिवराम उप क्षेत्रीय प्रमुख, श्री ई. एस. एस. आर. रामचंदर एवं अन्य स्टाफ–सदस्य उपस्थित थे.

एपेक्स अकादमी, गांधीनगर

बड़ौदा एपेक्स अकादमी, गांधीनगर में हिन्दी माह के उपलक्ष्य में दिनांक 05.09.2019 को पुस्तक समीक्षा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में अकादमी के सभी स्टाफ सदस्यों ने विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा की. इस अवसर पर बैंक की मुख्य शिक्षण अधिकारी श्रीमती अर्चना पाण्डेय तथा प्रमुख–बड़ौदा एपेक्स अकादमी श्री पंकज जानी उपस्थित रहे.

अंचल कार्यालय, मुंबई

दिनांक 26.08.2019 को मुंबई अंचल द्वारा हिन्दी दिवस 2019 के उपलक्ष्य में अंचल कार्यालय/वर्टिकल/शाखाओं के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं अधीनस्थ स्टाफ सदस्य के लिए चुटकुले प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस अवसर पर श्री अशोक मेकवान, प्रमुख–परिचालन एवं सेवाएं तथा श्री भरत सोनी, प्रमुख–लेखा परीक्षा एवं निरीक्षण विभाग निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे.

अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, एर्णाकुलम

दिनांक 01.10.19 को अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, एर्णाकुलम में राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें हिन्दी माह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री जियाद रहमान, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सीएच राजशेखर तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बाबु रविशंकर सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे. मुख्य अतिथि के रूप सेंट तेरासस कॉलेज की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ उषा नायर को आमंत्रित किया गया था.

क्या प्रकृति की कीमत पर विकास संभव है?

प्रकृति और मनुष्य का संबंध बहुत पुराना है. इंसान पैदा होता है, पलता है, शिक्षा/अनुभव ग्रहण करता है और प्रगति करता है. इंसान का शरीर और उसके जीवन की पूर्ण संरचना आदि सब कुछ प्रकृति की ही देन है. हमारे आस-पास मौजूद भौतिक व जैविक घटक मनुष्य के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. यजुर्वेद के अनुसार इस ब्रह्माण्ड में प्रकृति सबसे शक्तिशाली है. हमें प्रकृति की स्वच्छता एवं संतुलन को बनाए रखना चाहिए क्योंकि इसके द्वारा ही सृजन और विकास होता है, भारतीय दर्शन के अनुसार आकाश, पृथ्वी, जल, वायु और अग्नि पंचभूतों से सृष्टि की रचना हुई है. इनमें से एक के भी असंतुलित होने पर जीवन तहस-नहस हो सकता है.

विकास के पथ पर दौड़ते हुए मनुष्य के लिए स्वच्छता, निर्मलता और पर्यावरण संतुलन महज एक स्लोगन बनकर रह गए हैं. मनुष्य की निजी सुख-सुविधाओं के आगे प्रकृति का संरक्षण बुरी तरह से पिछड़ गया है. शहर की गंदगी गंदे नाले का रूप धारण कर चुकी है. पशु-पक्षी, जीव-जन्तु इस गंदे और दूषित जल को उपयोग करने से असमय तड़प-तड़प कर मरने को मजबूर हो रहे हैं. साथ ही साथ कई पालतू जानवर इस दूषित जल को पीकर मानसिक रूप से विकृत होकर आवासीय क्षेत्र में आतंक का पर्याय बन रहे हैं, जिसके विषय में हम सभी आए दिन दैनिक समाचार पत्रों में पढ़ते रहते हैं.विकास के नाम पर बड़े शहरों के आसपास कारखानों का विकास बड़े पैमाने पर हो रहा है,परंतु सभी के पास अपशिष्ट प्रबंधन की सुविधा उपलब्ध नहीं है. कारखानों से रासायनिक दूषित जल का नालियों व नदियों में प्रवाह जल ही नहीं जीव जंतुओं के लिए निःसंदेह एक भयावह तस्वीर दिखा रहा है. आज की दावतों का उदाहरण लिया जाए तो सभी चीज़ें रेडीमेड उपलब्ध हैं जिनमें प्लास्टिक या थर्माकॉल के बने पात्र उपयोग में लाए जाते हैं, वहीं पुराने जमाने में दोने पत्तल इत्यादि वहीं आसपास के बाग या जंगली पेड़ों के पत्तों के बने होते थे, जो उपयोग के बाद पशु पक्षियों के लिए आहार का काम करते थे और उनको नुकसान नहीं पहुँचाते थे. वहीं आजकल के माहौल में इनको कार्यक्रम के बाद केवल प्लास्टिक बैग, पॉलिथीन से भरा सामान, विषाक्त कबाड़ खाने को मिल रहा है. इसके साथ जो भी गतिविधि या उत्पाद आधुनिक मानव जीवन को सरल बनाए हुए है, वह कहीं न कहीं पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है.

2000 तक, दुनिया के रासायनिक उत्पादन में 1930 के बाद से 400 गुना वृद्धि हुई थी। रसायन ने आधुनिक जीवन को बहुत कुछ सरल व संभव बना दिया है, लेकिन दुनिया भर में बढ़ रहे प्रदूषण का पर्याय भी है. उदाहरण के लिए 1982 में बॉम्बे हाई की दुर्घटना लेते हैं, जिसमें तेल वाहक जलयानों से भारी मात्रा में खनिज स्राव, सागर के जल को दूषित करता है जिसके परिणामस्वरूप अंडमान-निकोबार द्वीप के तट के आसपास बड़ी संख्या में मछलियाँ विषाक्त अपशिष्ट के कारण असमय ही काल के गाल में चली गईं. पिछले 50 वर्षों में खेतों में कीटनाशकों और उर्वरकों के उपयोग में 26 गुना वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप विश्व स्तर पर फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है, लेकिन इसके गंभीर पर्यावरणीय परिणाम हुए हैं.

आज हर देश डिजिटल क्षेत्र में अपने पैर पसार रहा है. चाहे कोई भी क्षेत्र हो डिजिटल और फिनटेक तकनीकों से अपने आपको वैश्विक स्तर का बनाने में लगा हुआ है, लेकिन यह क्षेत्र भी प्रदूषण से परे नहीं है. कंप्यूटर और अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक्स में सीसा, जस्ता, निकल, बेरियम और क्रोमियम जैसे विषाक्त पदार्थ होते हैं। विशेष रूप से सीसा के साथ, अगर पर्यावरण में जारी किया जाता है तो मानव रक्त, गुर्दे, साथ ही केंद्रीय और परिधीय तंत्रिका तंत्र को नुकसान हो सकता है. जब ई-कचरे को गर्म किया जाता है, तो जहरीले रसायनों को वायु को नुकसान पहुंचाने वाले वातावरण में छोड़ दिया जाता है. ई-कचरे से पर्यावरण को होने वाले नुकसान सबसे बड़े पर्यावरणीय प्रभावों में से एक है. जब इलेक्ट्रॉनिक कचरे को भूजल में फेंक दिया जाता है तो उनकी विषाक्त सामग्री भूजल में रिस जाती है, जिससे भूमि और समुद्री जानवर दोनों प्रभावित होते हैं. यह विकासशील देशों में लोगों के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है जहां अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक कचरे को डंप किया जाता है. केवल 10 प्रतिशत सेल फोन संयुक्त राज्य अमेरिका में पुनर्नवीनीकरण किए जाते हैं और अधिकांश अमेरिकियों को हर 12 से 18 महीनों में नए सेल फोन मिलते हैं. यह अधिक से अधिक इलेक्ट्रॉनिक कचरा पैदा कर रहा है वहीं कचरे के पर्यावरणीय मुद्दे लगातार बढ़ रहे हैं.

अपशिष्ट महासागरों में कई स्रोतों से आता है, जिसमें तूफान के दौरान जहाजों को गिराने वाले कंटेनर शामिल हैं, जो शहर सड़कों को धोते हैं उनका कचरा नदियों से होता हुआ समुद्र में जाता है आदि और यह कचरा समुद्र में वर्षों तक बना रहता है. वैज्ञानिक अब तक 250 जीवों के जाने अनजाने प्लास्टिक या अपशिष्ट को भोजन मानकर उसको खाने की पुष्टि कर चुके हैं. कई देशों के लोग समुद्री जीवों को अपने मुख्य भोजन के रूप में लेते हैं, जिनमें से कई वो जलीय जीव हैं जो प्लास्टिक खा रहे हैं. इसलिए इन जलीय जीवों के माध्यम से अन्य जीव व मनुष्य को जान का खतरा बना रहता है.

आधुनिक युग के सुख में ऐंठ रहे हैं लोग, सुविधाओं के लालच में पाल रहे हैं रोग॥

आज अवश्यकता है कि हम सभी मिलकर सार्थक और सकारात्मक प्रयास करें जो प्रकृति के संरक्षण, पोषण व संवर्द्धन में सहायक सिद्ध हो. प्रकृति की पूजा इस बात का प्रमाण है कि हमारे पूर्वज प्रकृति को कितना महत्व देते थे. उन्हें प्रकृति से छेड़छाड़ के बाद उत्पन्न होने वाली स्थिति का अनुमान होता था. अतः आज हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को विरासत में एक स्वच्छ, सुंदर तथा संतुलित पर्यावरण भेंट कर सकें. स्थानीय स्तर पर लोगों को कचरे को कम करने व नवोन्मेषी तरीकों से अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी कार्यक्रम देश में शुरू किए गए हैं, जिनका दायरा बढ़ाने की नितांत आवश्यकता है.

अंत में बस इतना कहना चाहूँगा कि प्रकृति के संरक्षण जैसा महान कार्य दृढ़ संकल्प और मजबूत इरादे के साथ प्रत्येक देशवासी के सार्थक प्रयासों से संभव हो सकता है. यदि प्रत्येक व्यक्ति यह भावना पैदा करे कि प्रकृति हमें हमारी माता के समान पालती है, सुरक्षा करती है और संरक्षण प्रदान करती है. तो हम भी प्रकृति को अपनी माता के समान समझें और उसकी सेवा सम्पूर्ण मानव जगत के कल्याण के लिए करें. वेदों के अनुसार प्रकृति का स्थान सबसे ऊपर है और पंचभूत इसके देवता हैं. चूंकि हर बड़े काम की शुरुआत एक छोटी सी पहल से होती है. इसलिए प्रकृति संरक्षण के इस महायज्ञ में प्रत्येक व्यक्ति को अपने-अपने प्रयासों की आहुति देनी होगी तब जाकर हम प्रकृति को जीवन शक्ति दे पाएंगे. इस मौके पर प्रख्यात कवि दुष्यंत कुमार जी की मशहूर पंक्तियों के माध्यम से अपनी बात समाप्त करना चाहूँगा कि –

हो गई है पीर पर्वत सी, पिघलनी चाहिए ,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए.
मेरे सीने में नहीं, तो तेरे सीने में ही सही ,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए ॥

❖❖❖

अनिल कुमार
मुख्य प्रबंधक एवं प्रमुख
बडौदा अकादमी, चंडीगढ़

Foundation Day Celebration around the globe

On 20th July 2019, our overseas offices/ territories celebrated Bank's 112th Foundation day gracefully. Various activities like cake cutting ceremony, Tree plantation, Blood donation camp, customer meets and staff meets etc. were organised on the occasion. The Glimpses of some events are presented here for our readers - Editor

Abu Dhabi

Alain

UAE

New Zealand

Oman

Singapore

Sharjah

Ras-Al-Khaimah

Uganda

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना

केंद्रीय सरकार ने असंगठित श्रमिक/कामगार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 के तहत असंगठित श्रमिकों को वृद्धावस्था सुरक्षा प्रदान करने के लिए बजट 2019 मे प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएम–एसवाईएम) नाम से नई पेंशन स्कीम की शुरुआत की है. इस स्कीम के तहत श्रमिकों को 60 साल पूरे होने के बाद 3000/– (तीन हजार रुपया मात्र) का मासिक पेंशन देने का प्रावधान है.

इस योजना के उपबंध उन असंगठित श्रमिकों पर लागू होंगे जो गृह आधारित कामगार, गली में फेरी लगाने वाले, मध्याह्न भोजन कामगार, सिर पर बोझा उठाने वाले, ईंट भट्ठा कामगार, मोची, कूड़ा बीनने वाले, घरेलू कामगार, धोबी, रिक्शा चालक, ग्रामीण भूमिहीन श्रमिक, ऑन अकाउंट कामगार, कृषि कामगार, सन्निमार्ण कर्मकार, बीड़ी कामगार, हथकरघा कामगार, चमड़ा कामगार, दृश्य श्रव्य कामगार के रूप में एवं ऐसे ही अन्य व्यवसायों मे कार्य कर रहे है.

योजना में सम्मिलित होने की पात्रता :

1) कर्मकार जो असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हों. 2) जिसका बैंक में अपने नाम से बचत खाता और आधार संख्या हों. 3) आयु 18 साल से 40 साल के बीच होनी चाहिए. 4) मासिक आमदनी 15,000 रुपये से अधिक न हों.

योजना में पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज :

1) आधार कार्ड 2) बचत खाता/जन–धन खाता 3) मोबाइल नंबर

आवेदन करने का तरीका :–

इस स्कीम के तहत आवेदन करने की सुविधा कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर उपलब्ध है। आपको अपने साथ आधार कार्ड, बैंक का पासबुक और मोबाइल फोन लेकर कॉमन सर्विस सेंटर जाना होगा। आप यह सुनिश्चित कर लें कि आपके बचत खाता पासबुक पर आईएफएससी कोड अंकित होना चाहिए।

पेंशन योजना को छोड़ने के लाभ :– इस योजना के अंतर्गत इससे बाहर निकलने के उपबंध एवं फायदे निम्नलिखित है:

I) किसी पात्र अभिदाता के इस योजना में सम्मिलित होने से दस वर्ष से कम की अवधि के भीतर इस योजना से बाहर निकलने की स्थिति में उसके द्वारा किए गए अंशदान के हिस्से को उस रकम पर बचत खाता से मिलने वाले ब्याज की दर के साथ लौटाया जाएगा.

II) यदि कोई पात्र अभिदाता इस स्कीम में सम्मिलित होने से दस वर्षों अथवा अधिक की अवधि के भीतर परंतु साठ वर्ष की आयु पूर्ण करने से पूर्व इस स्कीम से बाहर निकलता है तो उसके द्वारा किए गए अंशदान को पेंशन निधि से अर्जित की जाने वाली वास्तविक ब्याज रकम को जोड़कर अथवा उस रकम पर बचत खाता में मिलने वाले ब्याज दर जो भी अधिक हो, भुगतान किया जाएगा।

III) यदि किसी पात्र अभिदाता ने नियमित अंशदान किया है और किसी कारणवश उसकी मृत्यु हो गई है, तो उसका पति/पत्नी तदुपरांत समान रकम नियमित अंशदान के भुगतान द्वारा इस स्कीम में बना रह सकता है.

IV) अभिदाता और उसके पति/पत्नी की मृत्यु के पश्चात, यह समग्र राशि निधि में वापस डाल दी जाएगी.

V) उपर्युक्त (I), (II), और (III) के कारण योजना को छोड़ने के मामले में, सरकार के अंशदान का संचित भाग पेंशन निधि में वापस जमा कर दिया जाएगा.

VI) नामांकन सहित छोड़ने का कोई अन्य उपबंध, जैसा की केंद्रीय सरकार द्वारा समय–समय पर अनुदेश जारी करके सुनिश्चित किया जाएगा.

निशक्तता लाभ: यदि किसी पात्र अभिदाता ने नियमित अंशदान किया है और 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने से पहले किसी कारणवश स्थायी रूप से निःशक्त हो जाता है, और इस योजना के अंतर्गत अंशदान देते रहने मे असमर्थ हो जाता है या उसकी मृत्यु हो गई है, तो उसका पति/पत्नी तदुपरांत समान रकम नियमित अंशदान के भुगतान द्वारा इस स्कीम में बना रह सकता है अथवा पेंशन निधि द्वारा उस पर वास्तव में अर्जित अथवा उस पर बचत बैंक ब्याज दर पर अर्जित, जो भी अधिक हो, ब्याज सहित इस अभिदाता द्वारा अदा किए गए अंशदान का भाग प्राप्त करके इस योजना को छोड़ने का हकदार होगा/होगी.

पात्र अभिदाता की मृत्यु पर परिवार को लाभ: पेंशन प्राप्त करने के दौरान, यदि किसी पात्र अभिदाता की मृत्यु हो जाती है तो उसका पति/पत्नी परिवार पेंशन के रूप में इस पात्र अभिदाता द्वारा प्राप्त की जाने वाली पेंशन का केवल 50% पारिवारिक पेंशन के रूप में प्राप्त करने का हकदार होगा तथा ऐसी पारिवारिक पेंशन केवल पति/पत्नी के लिए ही मान्य होगी.

पेंशन का भुगतान: 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात इस योजना के अधीन प्रत्येक पात्र अभिदाता सुनिश्चित न्यूनतम मासिक पेंशन तीन हजार रुपये प्राप्त करेगा.

टोल फ्री नंबर पर लें जानकारी : इस योजना के लिए टोल फ्री नंबर 15002676888 जारी किया गया है.

❖❖❖

उपेन्द्र बैठा
वरिष्ठ प्रबन्धक,
सरकारी कारोबार विभाग, नई दिल्ली

Emergence and future of Robo Advisory in Indian Wealth Management Industry

Let's start with the story of Chintamani. Chintamani is a service class man near to retirement age, living in a city – Pune and is a proud father of two sons. His elder son is Aditya who was born in the year 1990 and his younger son is Aarav (calls himself –'RV') was born post 2000. Mr. Chintamani has a millennial child and also has a Generation Z child. The millennial child Aditya is working at Bangalore in a car manufacturing company. RV is not interested in any job but is making his way to become an entrepreneur. Mr. Chintamani keeps on advising both his sons about various Wealth Management schemes advised by his close friend. Chintamani follows a traditional method for wealth management solutions. Aditya who is a millennial, has a different way of thinking. He has a quite busy life style and is banking with a private sector bank and he relies on the investment consultant of the private sector bank for all his wealth management solutions (WMS). Aditya does not mind paying a commission to the IC (Investment consultant) for his WMS advice. Chintamani became satisfied about elder son's investment decisions and the way of Wealth Management now he turns up to RV who is the Gen Z in the family. Chintamani told his son rather than putting all his money into the startup he should think about saving for the future and have short term goals in his life just as buying a car in next 2 years & buying a house in next 5 years and so on. Chintamani advises RV to invest money through an investment consultant or through a family friend. He was quite shocked at his father's request as he thought why an investor should rely on the knowledge, analysis and intellect of one individual when they can have the wisdom of many through a robot or machine learning. Further the IC or friend may be biased towards any particular fund or bond etc. Mr. Chintamani replied and mocked that when the advice of one individual cost around 1 to 3 % of the investment the cost of taking intellect and analysis of multiple brains would be more than return on investment. RV was confident and replied that it would be much cheaper to the contrary. At this moment RV said that he was referring to Robo-advisory which is a far more cheaper way of getting financial advice and Wealth Management solutions from a machine prepared and programmed by humans.

Meaning and History:-

RV explained the basics of Robert advisory to his father as under:-

"Robo Advisors are class of financial advisor that provide financial advice or investment management online with moderate to minimal human intervention. Robo Advisors provide digital financial advice based on mathematical rules for algorithm. These algorithms are executed by software which automatically allocates manage and optimize the return on investment for client.

The first Robo-advisors were launched in 2008 during the financial crisis in U.S. In 2010 Jon Stein a 30 year old entrepreneur launched "Betterment" which became the world's biggest Robo advisor during those time. After U.S. Robo Advisors were launched. in China too in year 2015-16, closely followed by UK where in a robot advisory firm a named Manifarm was launched and it secured 10,000 accounts in first year of launch. After the year 2016 Robo advisory had grown multifold across many countries & by the year 2017 the total assets under management in the Global Robo advisory market reached $ 225 billion. The competition of the Robo advisors was felt by the wealth managerial firms too and their commission margins slide down by one third as various clients were turning to Robo-advisory which was far cheaper.

The below info graphic shows the history and the journey of Robo advisory across the globe:-

Robo advisory made it's in roads in India in the year 2017. Although the growth of the segment in India till the financial year 2019 has not been quite impressive but of late a lot of Fintech Companies who have started to make investment in Robo advisory. A lot of buoyancy has been witnessed in the last one year in Robo Advisory segment and many banks and individual firms have come up with marginal investment. The popular name of Robo Advisors in India are upwardly.in, fundsIndia, Scripbox, Goalwise, 5paise and many others.

Methodology or S-O-P of Robo advisory:

The typical workflow of a Robo advisor includes 5 main steps:-

Although these steps may vary amongst different algorithms adopted by Robo. However the general traits followed would remain almost the same.

The Table 2 provides the summary of five step SOP of Robo advisory:-

Asset Universe Selection	Investor Profile Identification	Asset Allocation For Portfolio Optimization	Monitoring And Rebalancing	Performance Review And Reporting
➢ Most of the Robo Advisors use options out of ETFs, mutual funds, sustainable funds, index funds , Bonds, etc	➢ Online questionnaire focus on identifying clients risk tolerance as well as investment objective and investment Horizon is required to be filled up.	➢ Algorithms runs various methods such as the modern portfolio theory approach, Monte Carlo simulation, Black Litterman model and similar others. Along with various stop loss and risk management tools namely CVAR, VAR are also applied.	➢ Most systems used event or threshold-based rebalancing based on the daily rebalancing checks.	➢ Half of the systems provide control and monitoring possibilities through the website platform only. ➢ Many of these also support this Smartphone function that is an app form of the website. However all the systems have the option of sending the monthly and the quarterly reports to email
➢ The selection criteria includes expense to asset ratio, total cost, liquidity, correlation amongst various funds, CAGR, etc	➢ Typically the questions are compiled to understand the investment objective & tolerance through information on age, income, investment horizon, and savings previous investment experience and investment goals.	➢ This is the key area where the mathematical formula of the algorithm is designed around and decisive about the fund selection and ROI on investment.	➢ The triggers are defined as fixed elements of minimum ROI, maximum loss on investment and other elements of the portfolio structures and the VAR (value at risk) as the same variable component in it. ➢ Some systems also using calendar driven rebalancing	

Robo Advisory process from customer's perspective:-

The advisor or the web page shall prompt for filling in a questionnaire which shall include certain questions on customer's demographic profile, his financial profile, his proposed tenure of investment, his risk appetite and his investment goal & its horizon. The Robo advisor would run an algorithm and would suggest certain funds/segments and quantum of investment in each fund /bond/stock to the customer. The customer would have full liberty to take the final decision for his funds and on the click of the button the Robo advisor would allocate funds from his bank account to the selected category of funds/ bonds ULIPs shares. Depending upon the limit of open access, the Robo advisor would have the option to re-allocate the funds on triggers breach or send notifications to customer for making changes in his investment on triggers breach. The Robo advisor would be sending the reports of investment on monthly or quarterly basis on email or enabling an app for real time access.

Having seen the methodology of Robo advisory from the technical perspective as well as from the customer perspective, let's find out the advantages and shortcomings of Robo-advisory vis-a-vis the traditional way of Wealth Management.

Comparison of Robo advisory vis a vis traditional ways of investment and wealth management:-

Parameters	Traditional advisors - commission based	Self investment (DIY	Robo Advisory
Cost	High	Low	Low
Flexibility	Low	Medium	High
Minimum investment	High	Low	Low
Time Required Reasearch	Medium	High	Low
Research	Medium	Low	High

Benefits of using Robo advisory

As compared to the traditional methods of investment consultancy, Robo-advisors offer a low cost but deep analytical framework through digital platforms using algorithms instead of human mind. Robo Advisors are active 24/7 for all the inputs from the financial markets and hence their notifications or their triggers work on real time basis. For an average investor the fees of the traditional Investment Advisors may range from 10000 to 30000 p.a. for an average investment size of Rs. 20 lacs p.a. Whereas the annual advisory fee of a Robo advisor would be 1/10 of same. This is the main reason that having an investment advisor is actually the fancy of the riches. That's why most of the clients of the traditional investor advisory firms are those who make investments of Rs 10 to 15 lacs per annum. In order to make the benefits of investment consultancy reach out to the masses Robo-advisor is the only way out. The entrepreneurs coming up with the Robo advisory also need lesser capital as compared to those establishing a traditional investment consultancy.

Shortcomings of Robo advisors

Robo Advisory in India is actually in its nascent stage in Indian financial market. This segment has just begun in India and hence has not evolved or matured much hence various shortcomings are integral to the present nascent stage of same.

- The first shortcoming is that Robo Advisors are not human and hence no emotions or human touch gets involved. It is proven by various research that investments are a subdomain of behavioral science hence this element of human touch which is missing in Robo advisory raises a question mark on its long-term sustainability as a preferred investment adviser for masses. It is still difficult for many to invest their hard earned money based on analysis of an Artificial Intelligence.
- Second shortcoming is that Robo Advisors can never be trained or equipped to deal with an Unexpected loss or an extraordinarily crisis situation just as the economic crisis of 2008. Hence Robo Advisors can perform better in flat markets or matured markets.
- The third shortcoming is that the extreme reliance on information filled in by the client in questionnaire for correct investment decisions. There is a lot of difference in laying the investment goals and retirement planning on a questionnaire rather than inferring same from a discussion with an expert (human being). . Hence it may so happen that clients are not clear about goals and objective of investment and the 'AI' makes investment purely on the basis of their answers on questionnaire.

Most of the shortcomings of Robo advisory can be overcome by integrating the power of machine learning and human touch i.e. with a blend of human touch and AI together. Although it ***is quite possible to have a blend of human touch and AI in the mechanics of Robo advisory in the initial stage but the same is feasible with the restricted clientele. The whole essence of Robo advisory to give access of investment consultancy and wealth management advisory to masses at cheaper rates, Hence a blend of human touch and AI would lead to cost escalation and breaching the entire objective of Robo advisory.***

Potential of Robo Advisory in India as per statista.com/ outlook is a under:

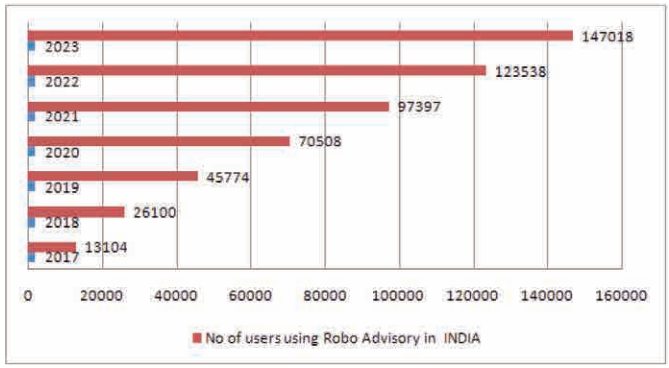

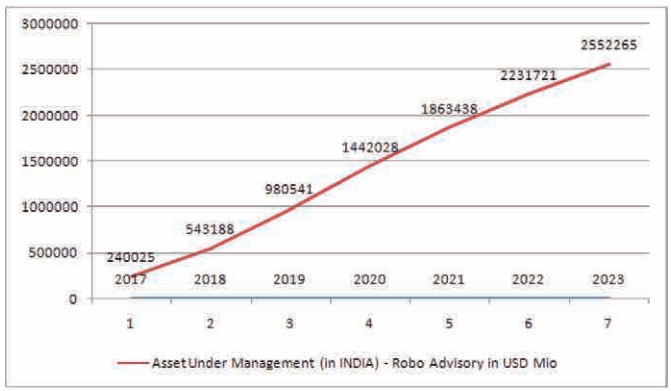

Conclusion

After hearing all the details from his son, Mr. Chintamani was quite satisfied with Robo advisory as another way of opting for wealth management. Gen Z has a better risk taking appetite as opposed to the previous generation and it actively participates in the capital market through stocks or mutual funds. Gen-Z has more acceptance of AI and Robotics in various functions of their life hence acceptability of Robo advisory would increase with this segment faster than other segments. Given the acceptance and multifold growth of Robo Advisory in other parts of globe –both Developed and Developing Economies, we look forward to Robo Advisory making it bid in India too.

References

- Wealth management through Robo advisory – Ismeet Singh & Navjot Kaur – International journal of research –Granthaalaayah.
- Data from Stastica.com
- Futureadvisor.com/content

❖❖❖

Sheetal Sharma
Senior Manager & Faculty
Baroda Academy, New Delhi

फिनटेक
उद्भव एवं चुनौतियां

फिनटेक कोई नई अवधारणा नहीं है. वित्त और प्रौद्योगिकी के बीच सहभागिता दोनों एक दूसरे के पूरक है. यह शब्द 1990 के दशक की शुरुआत से प्रयोग में आना शुरू हुआ था और अब यह वित्तीय सेवाओं में तेजी से विकसित हो रही विकास प्रक्रिया को संदर्भित करता है. वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट ने एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतिनिधित्व किया. इस वैश्विक घटना ने वित्तीय तकनीक (फिनटेक) और नियामक प्रौद्योगिकी (रेगटेक) के विकास को नई दिशा प्रदान करके विश्व के बैंकिंग बाजार को बहुआयामी प्रतिमान प्रदान कर दिया. आज फिनटेक ने स्टार्टअप्स और अन्य नए प्रवेशकों, जैसे आईटी और ईकॉमर्स के प्रसार द्वारा तेजी से विकास के एक चरण में प्रवेश किया है. यह नया युग नियामकों के लिए नई चुनौतियां प्रस्तुत कर रहा है. आज के नये परिदृश्य मे नियामकों को एक मजबूत दिशानिर्देश एव कड़ी निगरानी तंत्र की नितांत आवश्यकता है जो बाजार विश्वास को बढ़ावा देता है.

विनियामक और तकनीकी विकास वित्तीय बाजारों, सेवाओं और संस्थानों की प्रकृति अप्रत्याशित तरीके से बदल रहे हैं. फिनटेक का विकास तीन चरणों में सामने आया है।

1. फिनटेक 1.0

यह चरण जो ट्रान्साटलांटिक टेलीग्राफ केबल के बिछाने से लेकर ग्लोबल टेलीक्स नेटवर्क के विकास को दर्शाती है. यह चरण 1866 से 1967 तक चला, जब वित्तीय सेवा उद्योग प्रौद्योगिकी के हिसाब से काफी पीछे था. फिनटेक 1.0 (1866–1967) के दौर मे वित्त और प्रौद्योगिकी का आपसी सुदृढीकरण का आरंभिक दौर था. वित्तीय लेनदेन के साथ ही गणना प्रौद्योगिकियों का उद्भव हुआ, जैसे कि अबेकस. इसी काल मे वित्त और प्रौद्योगिकी के बीच संबंधों की नींव रखी गई तथा टेलीग्राफ जैसी तकनीकों ने सीमाओं के पार वित्तीय संबंध बनाने की शुरुआत की. शताब्दी के अंत तक एक वैश्विक टेलीकॉम नेटवर्क लागू किया गया था, जिसने फिनटेक के अगले चरण की नींव प्रदान की थी.

2 फिनटेक 2.0

यह चरण पारंपरिक वित्तीय सेवाओं के डिजिटलीकरण को शामिल करता है जो एटीएम के आने के साथ शुरू होता है और ई–बैंकिंग के आगमन के साथ समाप्त होता है. यह चरण 1968 से 2008 तक चला. संचार और लेनदेन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के विकास इस चरण की विशेषता है. फिनटेक 2.0, 1968 से 2008 तक, संचार और लेनदेन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के विकास और इस प्रकार वित्त के क्षेत्र मे बढ़ते डिजिटलीकरण के दौर के रूप से जाना जाता है.

1960 के दशक और 1970 के दशक के उत्तरार्ध में इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों में तेजी देखी गई. 1968 में यूनाइटेड किंगडम में इंटर–बैंक कंप्यूटर ब्यूरो की स्थापना के द्वारा आधुनिक स्वचालित समाशोधन सेवाओं को आधार बनाया गया. 1970 में यूएस क्लियरिंग हाउस इंटरबैंक पेमेंट्स सिस्टम की शुरुआत की गई. अंतर–देशीय भुगतान प्रणाली की आवश्यकता को देखते हुए सोसायटी ऑफ वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकॉम (SWIFT) की स्थापना 1973 में की गई थी. 1990 के दशक के मध्य में कंप्यूटरीकृत जोखिम प्रबंधन प्रणालियों के शुरुआती जोखिमों को रेखांकित किया गया, लेकिन ऑनलाइन बैंकिंग के प्रावधान के साथ विकास का अगला स्तर जारी रहा. 1990 के दशक में इंटरनेट के उद्भव से फिनटेक के क्षेत्र मे क्रांति का आगाज हो गया. फिनटेक 2.0 के दौरान, ई–बैंकिंग ने नियामकों के लिए नए जोखिम की शुरुआत कर दी.

3. फिनटेक 3.0

नई तथा आधुनिक तकनीकी विकास के साथ वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली स्टार्टअप्स और आईटी कंपनियों के प्रसार फिनटेक 3.0 के युग की विशेषताएं है. यह चरण 2009 के बाद से शुरू हुआ है, इस अवधि में हम फिनटेक स्टार्टअप और ई–प्रौद्योगिकी, ई–कॉमर्स, और सोशल मीडिया कंपनियों को वित्तीय उत्पादों के क्षेत्र और सेवाओं के साथ–साथ व्यवसायों के लिए वितरित करना शुरू कर चुके है. इस चरण में समस्त बैंक जनता से जुड़ाव एव अपने उत्पादों के प्रसार हेतु सोशल मीडिया पर अधिकाधिक उपस्थिति दर्ज करवा रहे है

2007 और 2008 के बीच विकसित देशों में फिनटेक 3.0 की अत्यंत प्रगति हुई. बैंकों की भरोसेमंद ब्रांड छवि बुरी तरह से प्रभावित हुई. 2015 के एक सर्वेक्षण ने बताया कि अमेरिकियों ने अपने पैसे को संभालने के लिए बैंकों की तुलना में प्रौद्योगिकी कंपनियों पर अधिक भरोसा किया। पूरे विश्व मे पी 2 पी ऋण देने वाले मंच शुरू में किसी भी स्थापित नियामक ढांचे के बाहर ताकतवर बनकर उभरे हैं

फिनटेक ने बैंक की लाभप्रदता को काफी नुकसान पहुंचाया. फिनटेक 3.0 के प्रमुख कारक प्रौद्योगिकी विकास की तीव्र दर और वित्तीय सेवाओं के प्रदाताओं की बदलती पहचान है. स्टार्टअप्स और प्रौद्योगिकी फर्मों ने उपभोक्ताओं, व्यवसायों और वित्तीय संस्थानों को विशिष्ट सेवाओं की पेशकश करके स्थापित बैंकिंग को चुनौती दी है.

विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं ने फिनटेक के दायरे में विस्तार किया है, अब फिनटेक वित्त और वित्तीय सेवाओं के पूर्ण स्पेक्ट्रम को कवर करता है. फिनटेक वित्तीय लेनदेन में प्रौद्योगिकी के एकीकरण को बताता है जैसे कि क्राउडफंडिंग और एल्गोरिथम ट्रेडिंग आज फिनटेक वैश्विक वित्तीय प्रणाली के हर क्षेत्र को प्रभावित करता है, आज अलीबाबा, पेटीएम, अमेज़न, गूगलपे जैसी प्रौद्योगिकी फर्मो ने वित्त की दिशा एव दशा को बदल दिया है। उभरते बाजारों विशेष रूप से एशिया और अफ्रीका में आर्थिक विकास की खोज में फिनटेक ने सस्ती बैंकिंग और तकनीकी सुविधा प्रदान की है. मोबाइल मनी ने ग्राहकों को सुरक्षित रूप से बचत करने और धन हस्तांतरित करने, बिलों का भुगतान करने और सरकारी भुगतान प्राप्त करने का साधन प्रदान करके आर्थिक विकास में काफी योगदान किया है. एम–पेसा, 2007 में लॉन्च किया गया. यह ऐप अफ्रीका की सबसे प्रसिद्ध सफलता की कहानी है.

फिनटेक के विकास को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है–

1. युवा और तकनीकी रूप से साक्षर के बीच मोबाइल उपकरणों की पैठ
2. मध्यम वर्ग की वृद्धि
3. अप्रयुक्त बाजार में भौतिक बैंकिंग अवसंरचना की कमी
4. उपभोक्ताओं को तुरंत सेवाओं की प्राप्ति
5. प्रतिस्पर्धा के निम्न स्तर
6. चीन और भारत जैसी अर्थव्यवस्थाओं में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की डिग्री वाले स्नातकों की बड़ी संख्या.

निष्कर्ष

लंबे समय से चली आ रही तकनीक और वित्त का गठजोड़ आज के दौर मे तेजी के साथ विकसित हो रहा है. फिनटेक आज विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहा है, जहां फिनटेक में निवेश निरंतर गति से बढ़ रहा है. यह संभावना व्यक्त की जा रही हे कि निकट भविष्य में बाजार के अनुकूल होने के साथ वर्तमान बड़े वित्त संस्थान जिनमें प्रमुख बैंक, स्थापित टेक्नोलॉजी फर्म और स्टार्टअप दबाव में आएंगे. किन्तु फिनटेक संस्थानो के लिए सबसे बड़ी चुनौती नियामकों (रेग्युलेटर) के बढ़े हुए अनुपालन का बोझ है, जिसके मद्देनजर फिनटेक और नियामकों को साथ काम करने की आवश्यकता होगी.

पिछले 50 वर्षों में, जिस तरह से फिनटेक ने प्रौद्योगिकी का दोहन किया है, वह काफी हद तक बदल गया है, क्योंकि नियामक तेजी से बढ़ते हुए उद्योग को सरक्षित और नियत्रित करने और समझने का प्रयास कर रहे है. बाज़ार डेटा पर अधिक भरोसा करने के लिए विकसित हो रहे हैं. उधारकर्ताओं पर सबसे अधिक डेटा वाली संस्था को उनके क्रेडिट जोखिम का आकलन करने और उन्हें क्रेडिट देने के लिए सबसे अच्छा स्थान दिया जा रहा है. ग्राहक पारंपरिक वित्तीय संस्थानों के बजाय फिनटेक के इस नए रूप का विकास और अधिक विकास की मांग कर रहा है.

❖❖❖

डॉ. मुकेश कुमार
मुख्य प्रबन्धक एव संकाय
बड़ौदा अकादमी, गांधीनगर

अपनी संस्था को मां जैसा सम्मान दें

– पी एन मेहरोत्रा, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

श्री पी एन मेहरोत्रा 31 मई, 2019 को बैंक से सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 37 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप बैंक के कार्पोरेट वसूली विभाग का नेतृत्व कर रहे थे. टीम बॉबमैत्री ने श्री मेहरोत्रा से उनके जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, उनसे बातचीत के कुछ अंश – संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मैं वाराणसी के एक मध्यमवर्गीय परिवार से हूं. मेरी पढ़ाई लिखाई वाराणसी में ही हुई. पिताजी रेलवे में काम करते थे. मैंने काशी हिन्दू विश्व विद्यालय से कृषि अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर एवं एम.बी.ए. (फाइनेन्स) किया है तथा इन दोनों परीक्षाओं में मुझे गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ. मैंने 21 अप्रैल 1982 को अपने बैंक में कृषि अधिकारी के रूप में ज्वाइन किया. बैंक में आने के बाद मैंने सी.ए.आई.आई.बी के दोनों पार्ट पास किए एवं कंप्यूटर का डिप्लोमा भी किया. मेरा पुत्र मुंबई में एच.डी.एफ.सी बैंक में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत है और पुत्री गुडगाँव स्थित एक आईटी कंपनी में काम करती है.

आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना ?

बैंक एक ऐसी संस्था है, जहां आप अपने सिद्धांतों एवं ईमानदारी के रास्ते पर चलते हुए एक सम्मानजनक जीवन बिता सकते हैं एवं देश व समाज के आर्थिक विकास में अपना योगदान भी दे सकते हैं. इसीलिए मैंने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में चुना एवं अपने 37 वर्षों के कार्यकाल में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अनेक जरूरतमन्द ग्राहकों को सेवा प्रदान की.

वर्तमान में एनपीए बैंकिंग उद्योग की सबसे गंभीर समस्या है और आपने बैंक के वसूली विभाग का नेतृत्व किया है. एनपीए को रोकने और वसूली प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए बैंक के मौजूदा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे.

वर्तमान समय में गैर निष्पादक आस्तियों का लगातार बढ़ता स्तर बैंकों के लिए एक बड़ी समस्या एवं चुनौती है जिसे शीघ्रातिशीघ्र नियंत्रण में लाने के लिए सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक ने पिछले दो सालों में अनेक कारगर कदम उठाये हैं. हालाँकि अभी बहुत सीमित सफलता ही हाथ लगी है जिसका मुख्य कारण वैधानिक प्रक्रिया में लगने वाला अत्यधिक समय है जिसके चलते एन पी ए खातों का समाधान एवं वसूली त्वरित गति से नहीं हो पा रही है. दूसरी ओर कुछ कंपनी मालिकों एवं उनके प्रबंधन द्वारा की गई अनियमितताओं एवं डाइवर्जन ऑफ़ फंड्स आदि तथा कुछ उद्योगों एवं एन बी एफ सी से संबंधित समस्याओं के कारण अनेक नए बड़े खाते एन पी ए होते जा रहे हैं जिससे एन पी ए का स्तर घटाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है. अतः हमारा एन पी ए प्रबंधन तभी कारगर होगा जब हम नये खातों को एन पी ए होने से रोकने में सफल होंगे. हमारे मॉनिटरिंग सिस्टम को पर्याप्त रूप से मजबूत करके एन पी ए में अपेक्षित कमी लायी जा सकती है. इसके अतिरिक्त सभी एन.पी.ए खातों में वसूली हेतु सभी प्रभावी कदम त्वरित रूप से लिए जाने चाहिए जिससे डिफॉल्टर्स पर पर्याप्त दवाब बने एवं वे बैंक की बकाया राशि का भुगतान करने को विवश हो जाएं.

आपको बैंक के विदेशी कार्यालयों सहित बैंक की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा और मजेदार रहा ?

मैंने देश–विदेश की अनेक शाखाओं व प्रशासनिक कार्यालयों में काम किया, मगर इनमें से कुछ ऐसी शाखाएं भी थीं जहां कार्य करके मुझे काफी अच्छा लगा. मसलन केन्या स्थित किसुमु एवं नैरोबी शाखाओं में कार्य करते समय वहां के लोगों को बैंक के माध्यम से सेवाएं प्रदान करके मुझे आत्मसंतोष का अनुभव हुआ. इसके अलावा दुबई में भी मुझे डेप्युटी चीफ एक्जीक्यूटिव के तौर पर काम करने का मौका मिला जहाँ देश और काल के अनुरूप अनेक चुनौतियों का सामना किया. प्रशिक्षण केंद्र, लखनऊ में बिताये 5 वर्ष मेरे बैंकिंग जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है जिस दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा. बड़ौदा एवं बैंगलुरु में सी एफ एस शाखाओं में तथा कोयंबतूर में क्षेत्रीय प्रबंधक के रूप में बीता मेरा कार्य काल मेरे लिए अविस्मरणीय है जिसमें मेरे अनेक नए मित्र बने जिनसे अन्यथा मिलना मेरे लिए संभव नहीं था.

आपका सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व कौन सा रहा ?

आज की गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा के दौर में व्यवसाय वृद्धि एवं लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ–साथ कार्य में गुणवत्ता का स्तर बनाये रखना एवं सभी दिशा निर्देशों तथा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना बैंक कर्मचारियों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती होती है. नैरोबी की सरित सेंटर स्थित शाखा सप्ताह में सातों दिन खुलती थी और वहां काम करना काफी चुनौतियों से भरा था. मैंने इस शाखा के प्रबंधन के साथ–साथ टेरीटरी का 5 वर्षों का नोस्ट्रो रिकंसिलेशन काफी कम समय में पूरा किया जिसमे मेरी शाखा तथा प्रधान कार्यालय के अनेक सहभागियों ने सहयोग दिया. इसके अतिरिक्त मैंने

बड़ौदा व बैंगलुरु में दो सी.एफ.एस शाखाओं में प्रबन्धक के रूप में कार्य किया जो काफी लंबे समय से स्ट्रेग्रेंट थीं. मेरे कार्यकाल में इन शाखाओं के व्यवसाय में काफी वृद्धि हुई। एन.पी.ए वसूली विभाग में महाप्रबंधक के रूप में कार्य करना भी अपने आप में कोई छोटी चुनौती नहीं थी.

हाल ही में बैंक ऑफ़ बड़ौदा में दो अन्य बैंकों का समामेलन हुआ है. इस समामेलन को आप किस प्रकार देखते हैं ?

यह समामेलन बैंक की प्रगति एवं वृद्धि के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगा. सबसे पहली बात तो यह है कि इसके पश्चात हमारा बैंक भारतीय स्टेट बैंक के बाद सरकारी क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बन गया और हमारे ग्राहक आधार के साथ–साथ कारोबार में भी काफी वृद्धि हुई है. हमारा विस्तार एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में होने के साथ–साथ एक बड़ा बाजार और अतिरिक्त ग्राहकों का समूह भी हमसे जुड़ गया है. देश के बैंकिंग इतिहास में इस प्रकार का पहला समामेलन होने के नाते अनेक मायने में यह काफी महत्वपूर्ण है और दूसरे बैंकों के लिए हम एक रोल मॉडल साबित होंगे.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत / पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

मैं अपने प्रोफेशनल और पारिवारिक जीवन के बीच बेहतर तालमेल और संतुलन कायम करने में सफल रहा क्योंकि इसके लिए मेरी पत्नी और परिवार के सभी सदस्यों ने बहुत सहयोग किया. इसके लिए मैं विशेष रूप से अपनी पत्नी का आभार मानता हूं जिनकी बदौलत मैंने अपने सभी कार्यदायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वाह किया.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संदर्भ में ?

वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य काफी चुनौतियों से भरा है. आज बैंकिंग क्षेत्र में उद्योग के अन्य साथी बैंकों के साथ तीव्र प्रतिस्पर्द्धा का दौर चल रहा है. साथ ही आज के ग्राहकों, विशेष रूप से युवा वर्ग की अपेक्षाएं और नए प्रकार की बैंकिंग आवश्यकताएं नित नई चुनौती पेश करती है. बैंक द्वारा दी जाने वाली सेवाओं का बड़े पैमाने पर डिजिटाइजेशन हो रहा है. ऐसे में अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए हमें हर संभव चुनौतियों का मुकाबला करना होगा एवं टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन, नई प्रक्रियाओं एवं उत्पादों पर निरंतर कार्य करना होगा. ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने के साथ–साथ सभी बैंकिंग कार्यकलापों का आंतरिक नियंत्रण एवं दिशानिर्देशों का अनुपालन भी अपने आप में काफी चुनौतीपूर्ण है. मुझे विश्वास है कि हमारी बड़ौदियन टीम हर चुनौती का मुकाबला करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन करती रहेगी.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को ?

मेरे विचार से हमारे बैंक का भविष्य काफी उज्ज्वल है और समामेलन के बाद इसके आकार एवं व्यवसाय के साथ साथ कार्मिकों की संख्या में भी वृद्धि हुई है जो कि हमें श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने के लिए मजबूती प्रदान करेगा. हमारे सेवा क्षेत्र में व्यापक विस्तार हुआ है और हम बैंकिंग के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई को छूने में और भी सक्षम हो गये हैं. नि:संदेह बहुत जल्द हम देश के नए और उभरते आर्थिक पावर हाउस के रूप में सामने आयेंगे और समाज के सभी वर्गों को उनकी वित्तीय जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुसार सेवाएं प्रदान करते रहेंगे. मैं अपने बड़ौदियन साथियों से यह कहना चाहता हूं कि अपनी संस्था को अपनी माँ जैसा सम्मान और अपनापन दें तथा सदा इसके विकास और प्रगति के लिए ही काम करें क्योंकि आपकी सफलता और भविष्य आपकी मातृ संस्था की प्रगति एवं छवि पर निर्भर है.

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे?

जिन्दगी में अध्ययन और पठन–पाठन एक ऐसी चीज है जो हमेशा जारी रह सकती है और इससे आपका ज्ञानवर्द्धन होने के साथ–साथ आत्मसंतुष्टि का अनुभव भी होता है. मैं रिटायरमेंट के बाद कुछ समय मुंबई में ही रहूंगा. आप मुझसे कभी भी मेरे मोबाइल सं. 8291294676 पर संपर्क कर सकते हैं.

❖❖❖

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में वार्षिक राजभाषा समारोह का आयोजन

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में दिनांक 07 अक्तूबर 2019 को वार्षिक राजभाषा समारोह का आयोजन किया गया. इस उपलक्ष्य में पूरे सितम्बर माह को हिन्दी माह के रूप में मनाया गया और विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनके विजेताओं को इस समारोह में सम्मानित किया गया. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हमारे कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन उपस्थित रहे. कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक ने ग्राहकों के लिए ऑनलाइन लॉकर सुविधा, यूपीआई ऐप में हिन्दी सुविधा का शुभारंभ करने के साथ स्टाफ सदस्यों के लिए राजभाषा सर्टिफिकेशन कोर्स और एचआर क्लेम पोर्टल की हिन्दी सेवा का शुभारंभ किया.

साथ ही कार्यक्रम में 'मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना' के अंतर्गत महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा में एम ए (हिन्दी) में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया. कार्यक्रम में वित्तीय समावेशन विषय पर 'मालगुड़ी में एक दिन' नामक नाट्य मंचन भी किया गया. कार्यक्रम में महाप्रबंधक–सीसी श्री बी आर पटेल तथा श्री रोहित पटेल सहित सभी कार्यपालकगण और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संयोजन प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री रोशन शर्मा ने किया और संचालन सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) सुश्री पारूल मशर ने किया.

HIGHLIGHTS OF BANK'S FINANCIAL RESULTS FOR Q2 FY 2020

The Bank announced its financial results for the Quarter ended on September 30, 2019, following the approval of its Board of Directors. The results were announced by Executive Directors Shri Murali Ramaswami, Shri S L Jain and Shri Vikramaditya Singh Khichi on 8th November, 2019. During the press meet, our top management made presentation highlighting performance of the Bank on various parameters. Highlights of the results are presented below :- Editor

BUSINESS

- Domestic CASA deposits registered a growth of **7.5**% Y-o-Y. Share of CASA deposits to total domestic deposits stood at **37.9** % as on September 30, 2019.
- Domestic Deposits stood at INR **7,83,492** crore as on September 30, 2019 up by **4.0**% from INR **7,53,046** crore as on September 30, 2018.
- Domestic advances grew by **2.0**% to INR **5,33,174** crore as on September 30, 2019 from INR **5,22,949** crore as on September 30, 2018. The increase was led by retail loans which grew by **16.2**%.
- Contribution of Bank's International Business at the end of September 30, 2019 was **14.2** % compared with **14.6**% as of September 30, 2018 due to effect of rationalisation of overseas operations setting in.
- Modified duration of AFS investments as on September 30, 2019 was **1.18**. Modified duration of HTM securities was **5.12** and of total investment was **3.96**.
- The Bank's Total Business stood at INR **15,31,470** crore as on September 30, 2019 up by **2.5**% from INR **14,94,695** crore as on September 30, 2018.

OPERATING PERFORMANCE

- The Operating Profit stood at INR **5,336** crore as against INR **4,276** crore in the previous quarter, thus increasing by **24.8**% mainly due to lower interest expense.
- Net Interest Income (NII) increased to INR **7,028** crore.
- Net Interest Margin (NIM) increased to **2.81**% in September 2019 from **2.62**% in September 2018.

ASSET QUALITY

- Fresh slippage for the quarter was at INR **6,001** crore.
- Provision for NPAs was at INR **3,425** crore for the quarter.
- Gross NPA (GNPA) was INR **69,969** crore as on September 30, 2019 compared to INR **69,714** crore as on June 30, 2019. GNPA ratio declined to **10.25** % from **10.28** % as on June 30, 2019.
- Net NPA ratio declined to **3.91**% as on September 30, 2019 from **3.95**% as on June 30, 2019.
- Exposure in accounts under NCLT 1 list was INR **5,825** crore and NCLT 2 list was INR **6,785** crore as on September 30, 2019.
- Provision coverage under NCLT 1 and NCLT 2 list was **98.7**% and **84.4**% respectively.

CAPITAL ADEQUACY

Capital Adequacy Ratio of the Bank stood at **12.98**% and CET-1 at **9.84** % as on September 30, 2019.

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा रायपुर क्षेत्र को प्रथम पुरस्कार

छत्तीसगढ में विगत कई वर्षो के दौरान रायपुर क्षेत्र को विभिन्न मानदंडों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु प्रथम स्थान प्राप्त हुआ. यह पुरस्कार भारत सरकार के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, रायपुर द्वारा दिनांक 25.08.2019 को आयोजित दो दिवसीय परामर्श एवं विचार बैठक में दिया गया. बैंकर्स समिति की इस बैठक का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा किया गया. इस बैठक में राष्ट्रीयकृत बैंकों के राज्य प्रमुख, राज्य सरकार के उच्चाधिकारी तथा हमारे बैंक की ओर से रायपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री रंजीत कुमार मंडल ने प्रतिभागिता की.

पदोन्नतियां

हम जुलाई - सितंबर, 2019 के दौरान पदोन्नत हुए महाप्रबंधकों/उप महाप्रबंधकों को बॉबमैत्री की ओर से हार्दिक बधाई देते हैं और इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं. - संपादक

हार्दिक अभिनंदन!

महाप्रबंधक

श्री निशांत रंजन
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री मोहन लाल रोहिल्ला
अंचल कार्यालय, चंडीगढ़

श्री प्रभात शर्मा
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री रवि चतुर्वेदी
एनएसएससी गिफ्ट सिटी, गांधीनगर

श्री अरविंद लोही
अंचल कार्यालय, कोलकाता

श्री कमलेश कुमार चौधरी
अंचल कार्यालय, पुणे

श्री शैलेंद्र सिंह
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री श्रीनिवास रेड्डी पी
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

उप महाप्रबंधक

श्री सीताराम मधुकर कोकाटे
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री कृष्ण कुमार सिंह
क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत शहर

श्री चरणजीव सिंह
ज़ेडआईएडी, राजकोट

श्री गिरीश चन्द्र पांडेय
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

श्री सुनील कुमार झा
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री अजय कुमार के आर
जोखिम प्रबंधन विभाग, बेंगलुरु

श्री रितेश कुमार
पोर्ट लुईस, मॉरिशस

श्री स्वरूप नन्दन पाढी
अंचल कार्यालय, कोलकाता

श्री विवेक कुमार चौधरी
क्षेत्रीय कार्यालय, कोल्हापूर

श्री हरदीप सिंह,
अंचल कार्यालय, मेरठ (बरेली)

श्री गोपालन वी
एसएमईएलएफ़, बड़ौदा

श्री सुरेश के
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, बेंगलुरु

श्री सेंदिलकुमार वी जी
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री अनिल कुमार सिंह
अंचल कार्यालय, चेन्नै

श्री रामावतार मीणा
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री अनुपम श्रीवास्तव
ऑकलैंड, प्रधान कार्यालय, न्यूज़ीलैंड

श्री शैलेश कुमार परख
क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर

श्री शाजन बाबू वी बी
सेंट्रल शाखा, हांगकांग

श्री बालासुब्रमनियम लंका
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

एर्णाकुलम अंचल द्वारा एनआरआई फेस्ट का आयोजन

तिरुवनंतपुरम

कालीकट

एर्णाकुलम

ओणम त्योहार के अवसर पर एर्णाकुलम अंचल के अंतर्गत तिरुवनंतपुरम, कालीकट और एर्णाकुलम क्षेत्रों में एनआरआई ग्राहकों के लिए एनआरआई फेस्ट का आयोजन क्रमशः दिनांक 04/09/2019, 06/09/2019 और 07/09/2019 को किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री के वेंकटेसन, उप अंचल प्रमुख श्री जियाद रहमान, एर्णाकुलम क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती आर गायत्री, कालीकट के क्षेत्रीय प्रमुख श्री के विजयचंद्रन, तिरुवनंतपुरम के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सनातन, प्रधान कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक श्री पुनीत कुमार मिश्र, वरिष्ठ कार्यपालकगण, स्टाफ सदस्य तथा बड़ी संख्या में एनआरआई ग्राहक संबंधित केन्द्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित थे.

स्टाफ पेंशनरों के लिए सूचना/Information for Staff Pensioners

बॉबमैत्री के सभी स्टाफ पेंशनर पाठकों को सूचित किया जाता है कि बैंक द्वारा डिजिटल प्रयोग और गो-ग्रीन अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अगले अंक यानी अक्तूबर-दिसम्बर 2019 से पेंशनरों को बॉबमैत्री की केवल डिजिटल कॉपी भेजने का निर्णय लिया गया है. यह डिजिटल प्रति संबंधित पेंनशरों द्वारा अपने पेंशन रिकॉर्ड में उपलब्ध कराए गए उनके ई-मेल पते पर भिजवायी जाएगी. यदि किसी पेंशनर ने अपने पेंशन रिकॉर्ड में ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर अपडेट नहीं किया है तो वह मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को pension.ho@bankofbaroda.com पर तत्काल मेल भेज कर अद्यतन करवा ले. बॉबमैत्री भेजने के लिए पेंशनरों की अद्यतन सूची समय-समय पर प्रधान कार्यालय के पेंशन विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी.

All Staff Pensioners who are getting Bobmaitri through courier/post, are hereby informed that with a view to promote digital usage and as a go-green initiative, Bank has decided to send only digital copy of Bobmaitri to such Pensioners from next issue i.e. October-December 2019 onwards. The digital copy will be sent to respective pensioners through email address provided by them in their pension records. If any pensioner has not updated his/her email ID and Mobile Number in his/her pension record, he/ she may update the same by sending an e-mail on pension.ho@bankofbaroda.com to HRM Department immediately. Updated list of pensioners is provided by Pension Department at Head Office from time to time for sending Bobmaitri to them.

कार्पोरेट एल्बम
Corporate Album

बैंक ने गुजरात के मुख्यमंत्री राहत कोष में 5 करोड़ रूपए का दान किया

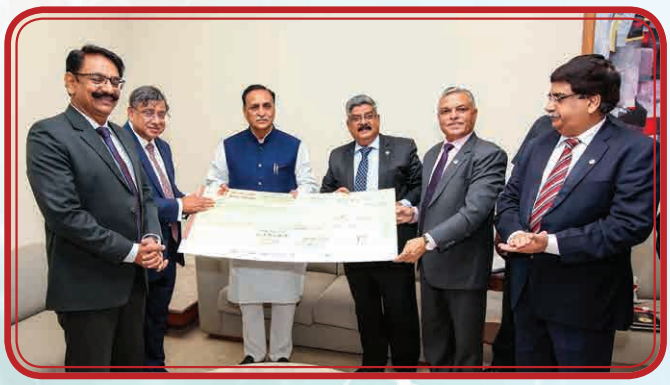

हमारे बैंक द्वारा गुजरात में बाढ़ प्रभावित शहरों एवं नगरों के राहत कार्यों हेतु कर्मचारियों से जुटाई गई निधियों से गुजरात मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में रू. 5 करोड़ का दान किया गया. हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार ने गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी को चेक सौंपा. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची सहित अन्य उच्च कार्यपालक उपस्थित थे.

बैंक द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राहत कोष में 5 करोड़ का दान

हमारे बैंक द्वारा महाराष्ट्र में बाढ़ पीडितों की सहायता हेतु महाराष्ट्र मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में रू. 5 करोड़ का दान किया गया. हमारे महाप्रबंधक–सीसी श्री नवतेज सिंह ने महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडनवीस को चेक सौंपा. इस अवसर पर मुंबई अंचल के अंचल प्रमुख श्री सत्यनारायण राजू भी उपस्थित थे.

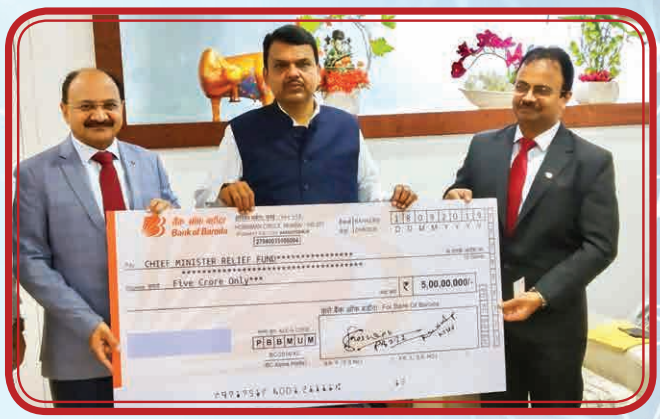

Bank signs MoU with LG Electronics India Pvt Ltd

On 20.07.2019, our Bank entered into a Memorandum of Understanding (MoU) with LG Electronics India Pvt Ltd to commemorate the ongoing business partnership on Bank's 112th Foundation Day. The MoU was signed by Shri P S Jayakumar, MD&CEO, Bank of Baroda and Shri Soo Cheol Kim, CFO, LG Electronics India Pvt Ltd, in the presence of Top Management of our Bank.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया VIJAYA
देना DENA

प्रस्तुत करता है

HAPPY LIFE FESTIVAL

इस फेस्टिव सीजन मनाएं,
ड्रीम होम वाला फेस्टिवल.

बड़ौदा होम लोन

आकर्षक ब्याज दर
सरल दस्तावेजीकरण
मौजूदा होम लोन का आसान टेकओवर

*नियम व शर्तें लागू

मिस्ड कॉल दीजिए* : होम लोन – 846 700 1111

www.bankofbaroda.in

हमें फॉलो करें यहां:

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें